RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:228। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शुक्रवार) 10 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

डिजिटल षड्यंत्रः सच की पड़ताल

धर्मध्वजा पर प्रहार और डिजिटल 'हनीट्रैप' का घिनौना खेल

डीप-फेक और डिजिटल ब्लैकमेल के जरिए बदनाम करने की साजिश, समाज और आस्था पर सुनियोजित हमला

महानगर मेट्रो/पवन माकन

नई दिल्ली/मुंबई। भारत की पावन धरती, जहाँ साधु-संतों का स्थान देवताओं के तुल्य माना गया है, आज वहां तकनीक का दुरुपयोग कर षड्यंत्र की काली स्याही फेंकी जा रही है। पिछले कुछ समय से जैन मुनियों को निशाना बनाकर जिस तरह से 'डिजिटल हनीट्रैप' और 'डीप-फेक' वीडियो का मायाजाल बुना जा रहा है, वह न केवल एक समाज के खिलाफ है, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना पर हमला है।

एडिटिंग का खेल और ब्लैकमेलिंग का संगठित गिरोह

यह कोई छिटपुट घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित अन्तराज्यीय गिरोह की साजिश प्रतीत होती है। इन गिरोहों का काम सीधा और घातक है:

1. साधु-संतों की सादगी का फायदा उठाना।
2. एडिटिंग टूल्स और एआई तकनीक के जरिए फर्जी और अश्लील वीडियो तैयार करना।
3. फिर उन वीडियो के दम पर करोड़ों की उगाही और ब्लैकमेलिंग करना।

यदि कोई उनके आगे नहीं झुकता, तो ये गिरोह सोशल मीडिया पर उन वीडियो को वायरल कर समाज में विद्वेष फैलाने का काम करते हैं। प्रश्न यह है कि क्या हमारी सुरक्षा एजेंसियां इन 'डिजिटल आतंकवादियों' से पीछे हैं?

मीडिया की गैर-जिम्मेदारी: टीआरपी की भूख या साजिश ?

बेहद दुखद पहलू यह है कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाने वाले कुछ न्यूज चैनल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स बिना किसी 'फैक्ट चेक' के इन फर्जी वीडियो को प्रसारित कर रहे हैं।

- क्या सनसनी फैलाने की होड़ में पत्रकारिता की नैतिकता मर चुकी है?
- बिना फॉरेंसिक जांच के किसी संत के चरित्र पर कीचड़ उछालना क्या अपराध नहीं है?

प्रेस काउंसिल और सूचना प्रसारण मंत्रालय को ऐसे चैनलों पर तत्काल नकेल कसनी चाहिए जो समाज में जहर घोलने का माध्यम बन रहे हैं।

सरकार और प्रशासन से सीधे सवाल

महानगर मेट्रो सरकार से यह मांग करता है कि इस मामले में अब 'प्रतीक्षा' नहीं, 'प्रहार' की आवश्यकता है:

- **विशेष टास्क फोर्स** : इस अंतराज्यीय गिरोह को जड़ से उखाड़ने के लिए एक विशेष जांच दल का गठन हो।
- **कठोर कानून:** भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत ऐसी ब्लैकमेलिंग और चरित्र हनन के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई हो।
- **सोशल मीडिया पर लगाम:** भ्रामक पोस्ट डालने वाले अकाउंट्स को 24 घंटे के भीतर ब्लॉक करने और उनके संचालकों की गिरफ्तारी का प्रावधान कड़ा किया जाए।

जैन मुनि केवल एक समाज के नहीं, बल्कि त्याग और तपस्या के प्रतीक हैं। उनके विरुद्ध यह डिजिटल युद्ध समाज को बांटने की कोशिश है। यदि आज इन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले समय में कोई भी सम्मानित व्यक्ति इन डिजिटल माफियाओं से सुरक्षित नहीं रहेगा।

असम, केरल और पुडुचेरी में टूटा मतदान का पिछला रिकॉर्ड

• असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.38फीसदी वोटिंग: पुडुचेरी में 90फीसदी मतदान

केरलम में 49 साल में दूसरी रिकॉर्ड वोटिंग

• तीनों राज्यों में वोटिंग खत्म

एजेंसी

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार (9 अप्रैल) को विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38फीसदी मतदान हुआ। असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है।

केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01फीसदी वोट डाले गए।

1977 में रिकॉर्ड 79.2फीसदी मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 89.81फीसदी मतदान हुआ। असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है। पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम एन. रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे।

केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला।

असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

ईसीआई ने मतदान प्रक्रिया देखने के लिए केरल में 23 देशों के प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। भारत की चुनावी विश्वसनीयता को दर्शाने वाले महत्वपूर्ण अवसर पर, भारतीय चुनाव आयोग ने अपने 'अंतर्राष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम- 2026' (आईवीपी) के तहत केरल विधानसभा चुनाव का निरीक्षण करने आए उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया। केरल में गुरुवार सुबह 7 बजे 140 विधायकों को चुनने के लिए मतदान शुरू हो गया। आईवीपी के पहले चरण के तहत, 23 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 43 सदस्यों वाला अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल तिरुवनंतपुरम पहुंचा। इस दौरे का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल को भारत की मजबूत और प्रौद्योगिकी-आधारित चुनावी प्रक्रिया की प्रत्यक्ष जानकारी देना है। टीम ने पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं को मिठाइयां भी बांटी। यह पहला प्रयास था वोट डालने वालों में उत्साह बढ़ाने का, जो मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू. खेलकार की पहल पर किया गया। केरल में 9 अप्रैल को मतदान के दिन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा, जो राज्य के विविध और समावेशी चुनाव प्रबंधन मॉडल को दर्शाता है। पर्यवेक्षकों ने सुबह 6 बजे ही काम शुरू कर दिया और वाझुथाकाड स्थित कॉटन हिल एलपीएस के बूथ नंबर 104 पर एक मॉक पोल किया।

बीरभूम की धरती को ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और प्रेरणा से भरी : पीएम मोदी

•बंगाल की माटी पर घुसपैठियों का कब्जा बहुत ही खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है।'

एजेंसी

बीरभूम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के बीरभूम में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने

• भाजपा सरकार में 'सबका साथ, सबका विकास' और जिन्होंने बंगाल को लूटा 'उनका हिसाब' होगाः मोदी

प्रदेश की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए बीरभूम की धरती को ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और प्रेरणा से भरी बताया। उन्होंने कहा, 'गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे, जहां हर कोई भय से मुक्त हो। टीएमसी के महाजंगलराज ने इसके बिल्कुल उल्टा कर दिया। ये मां, माटी और मानुष की बात करते थे, लेकिन मां आज रो रही है। माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत, डरा-सहमा हुआ है। टीएमसी के महाजंगलराज का साक्षी बीरभूम है। बोगतुई में जो कुछ हुआ था, वह केवल एक घटना नहीं, बल्कि मानवता के माथे पर कलंक था। निर्दोष महिलाओं और बच्चों को जिंदा जला दिया गया। यह महाजंगलराज नहीं तो क्या है? यह

घटना टीएमसी सिंडिकेट के गुंडाराज का बहुत खतरनाक सबूत है। माटी आपकी, हक आपका, लेकिन इस पर कब्जे के लिए गैंगवार चल रही है। बालू, पत्थर और कोयला की जो लूट चल रही है, यह टीएमसी के बड़े-बड़े नेताओं और उनके आलाकमान के आशीर्वाद से हो रहा है। बंगाल की माटी पर घुसपैठियों का कब्जा बहुत ही खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है।'

प्रधानमंत्री ने घुसपैठ का जिक्र करते हुए कहा, 'टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी डॉक्यूमेंट दिलवा रहा है। पड़ोस से घुसपैठिए अंदर आते हैं। पंचायत और अन्य सरकारी दफ्तर में डरा-धमकाकर गलत काम कराए जा रहे हैं। फर्जी डॉक्यूमेंट बनाने का काला खेल बंगाल की और देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है। बंगाल में भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठियों के मददगार लोगों के खिलाफ एक विशेष जांच बैठाई जाएगी। यह मेरी गारंटी है। घुसपैठियों के हर मददगार को, चाहे वह कितना भी ताकतवर क्यों न हो, उनकी पहचान की जाएगी। घुसपैठियों को भी खदेड़ा जाएगा और उनके जो आका हैं, उन्हें जेल में भरा जाएगा। सरकारी योजना हो, मजदूरी का काम हो, घुसपैठिए कम पैसे में यह काम यहां के लोगों से छीन लेते हैं।

यहां के लोकल लोगों को काम की तलाशी में कहीं और पलायन करना पड़ता है। अब यह नहीं चलेगा। रामपुरहाट की क्या स्थिति है, यह आप सभी प्रत्यक्ष देख रहे हो। मालदा में पिछले दिनों क्या हुआ, यह भी पूरे देश ने देखा, जहां अधिकारियों तक को बंधक बना लिया गया। इस भय से बंगाल के लोगों को मुक्ति दिलानी जरूरी है। मां, माटी और मानुष में से मां की स्थिति तो और भी खराब है।'

राजस्थान विधानसभा समितियों का गठन

• एक ही समिति में वसुंधरा राजे, गहलोत और पायलट शामिल

एजेंसी

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 16 विधानसभा समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों की घोषणा कर दी है। इनमें 12 सामान्य समितियां और 4 वित्तीय समितियां शामिल हैं। इस गठन की सबसे खास बात यह रही कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को एक साथ विधानसभा की नियम समिति (रूल्स कमेटी) में सदस्य बनाया गया है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी इस समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे। समिति में वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है, जिनमें श्रीचंद कृपलानी, चंद्रभान सिंह आक्या, हरीश चौधरी और दीप्ति किरण माहेश्वरी भी शामिल हैं।16 समितियों में से 11 के अध्यक्ष भाजपा विधायकों को बनाया गया है, जबकि कांग्रेस को 3 समितियों की अध्यक्षता मिली है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली

को पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (पीएसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो एक अहम वित्तीय समिति मानी जाती है। कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक को प्रश्न एवं संदर्भ समिति और नरेंद्र बुधानिया को पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जनरल पर्पज कमेटी का सदस्य बनाया गया है। यह समिति परंपरागत रूप से विधानसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में काम करती है और इसमें 16 सदस्य होते हैं, जिनमें वरिष्ठ विधायक और नेता प्रतिपक्ष भी शामिल रहते हैं।

महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो 16 समितियों में सिर्फ एक समिति की अध्यक्ष महिला विधायक को बनाया गया है। भाजपा विधायक कल्पना देवी को महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इन समितियों का कार्यकाल अगले वर्ष 31 मार्च तक रहेगा। नई समितियां विधानसभा की कार्यप्रणाली की निगरानी, नीतियों की समीक्षा और शासन से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

रूल्स कमेटी का मुख्य काम विधानसभा के नियमों की समीक्षा करना, उनमें संशोधन करना और आवश्यक बदलावों की सिफारिश करना होता है, ताकि सदन की कार्यवाही और अधिक सुचारु व प्रभावी बन सके।

'हम तो दिल्ली के ही थे, बीच में बिहार चले गए थे'; नीतीश ने बताया बिहार को कब मिलेगा नया सीएम

• 'अब हम यहीं रहेंगे, वहां नए लोगों को मौका मिलेगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। 20 साल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा से अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। आज दोपहर वह दिल्ली के लिए रवाना हुए और अब शाम को पहुंच गए हैं। 10 अप्रैल को वह राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। सीएम नीतीश कुमार के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है। इसके लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। दिल्ली पहुंचने पर उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि अब हम यहीं रहेंगे, वहां नए लोगों को मौका मिलेगा। इससे पहले पटना एयरपोर्ट पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि 10 अप्रैल को दोपहर सवा 12 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का शपथ सांसद के रूप में सदन में होगा। खास बात यह है कि 10 अप्रैल को बिहार से केवल मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार ही शपथ लेंगे। इनके अलावा बिहार से निर्वाचित हुए नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा और शिवेश कुमार खरमास बाद शपथ लेंगे। चर्चा है कि 16 अप्रैल को यह चारों नेता शपथ लें।

• मिथुन चक्रवर्ती ने तृणमूल पर साधा निशाना, कहा-

लोगों को सिर्फ भत्तों के सहारे रखा जा रहा है

एजेंसी

अलीपुरद्वार। पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच गुरुवार को फालाकाटा विधानसभा क्षेत्र के मेजबिल स्थित रासमेला मैदान में भाजपा उम्मीदवार दीपक बर्मन के

समर्थन में आयोजित जनसभा में मिथुन चक्रवर्ती रहे। एक बार फिर सियासी मंच पर बालीवुड अभिनेता का वही पुराना जोश देखने को मिला।

भाषण में उन्होंने तृणमूल सरकार पर जमकर निशाना साधा। कूचबिहार से सड़क मार्ग से शाम को फालाकाटा जनसभा में पहुंचे मिथुन ने कहा कि राज्य में रोजगार की कमी है और लोगों को सिर्फ भत्तों के सहारे रखा जा रहा है। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर भी सत्ताधारी दल की आलोचना की। मछली-मांस को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि तृणमूल कहती है कि भाजपा आएगी तो मछली-मांस बंद हो जाएगा, जबकि मैं पूरे देश में घूमता हूं और हर जगह इसे बिकते देखता हूं। यह सिर्फ डर फैलाने की राजनीति है।हालांकि, इस सभा में लोगों की सबसे ज्यादा उत्सुकता मिथुन को देखने और उनके मशहूर डायलॉग सुनने को लेकर थी। उन्होंने भी अपने अंदाज में निराश नहीं किया।

• सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल

बंगाल में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। इस पीआईएल में चुनाव वाले राज्य पश्चिम बंगाल में कथित तौर पर राजनीतिक मकसद से की जा रही हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाओं से न्यायिक अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल निर्देश देने की मांग की गई है। अखिल भारत हिंदू महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष सतीश कुमार अग्रवाल द्वारा दायर इस याचिका में, संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र का हवाला दिया गया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पिछले कुछ सालों से राज्य में चुनावी हिंसा और सरकारी अधिकारियों के काम में रुकावट डालने का एक सिलसिला चल रहा है। इस याचिका में केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह 'सभी जरूरी कदम' उठाए, जिसमें अधिकारियों और आम जनता की सुरक्षा के लिए पर्याप्त केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती भी

शामिल है, ताकि पश्चिम बंगाल में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सकें। इसके साथ ही, राज्य सरकार को भी निर्देश देने की मांग की गई है कि वह चुनाव के दौरान और चुनाव के बाद के समय में भी कानून-व्यवस्था बनाए रखे।

पिछली घटनाओं का जिक्र करते हुए, याचिका में 2013 के ग्रामीण चुनावों के दौरान हुई हिंसा की रिपोर्टों का हवाला दिया गया है। इन चुनावों में कथित तौर पर 39 लोगों की जान चली गई थी, और बड़ी संख्या में सीटों पर बिना किसी मुकाबले के ही जीत हासिल कर ली गई थी, जिसके पीछे कथित तौर पर डराने-धमकाने की रणनीति काम कर रही थी। याचिकाकर्ता ने 2018 के पंचायत चुनावों का भी जिक्र किया है, जिसमें दावा किया गया है कि लगभग 20 लोगों की हत्या कर दी गई थी, और विपक्षी उम्मीदवारों को धमकियों और ज़ोर-जबरदस्ती के चलते अपना नामांकन दाखिल करने से रोक दिया गया था। याचिका में कहा गया है, 'पश्चिम बंगाल में बार-बार होने वाली राजनीतिक हिंसा की घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने में व्यवस्था पूरी तरह से विफल रही है।'

'वतन को जानो' से राष्ट्रीय एकता को मिल रही मजबूतीः उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन

एजेंसी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के 250 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने 'वतन को जानो' कार्यक्रम के तहत गुरुवार को उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से उपराष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति

• युवाओं को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया

ने प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं में प्रतिभा, ऊर्जा और संकल्प की झलक साफ दिखाई देती है। उन्होंने हाल ही में श्रीनगर स्थित कश्मीर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम की पहली बार रणजी ट्रॉफी जीत को युवा शक्ति और प्रगति का प्रतीक बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में युवाओं की उपलब्धियां राज्य के सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाती हैं। 'वतन को जानो' कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल युवाओं में साझा राष्ट्रीय पहचान, आत्मविश्वास और जागरूकता को बढ़ावा देती है तथा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करती है।उन्होंने जम्मू-कश्मीर को प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति की भूमि बताते हुए कहा कि यह वैश्विक पर्यटन केंद्र बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने युवाओं से

अपील की कि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहें और राज्य को शांति, समृद्धि और विकास का प्रतीक बनाने में योगदान दें। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के छात्र सिविल सेवा, आईआईटी और आईआईएम जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में जम्मू-कश्मीर में हुए विकास और युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं का उल्लेख किया।

10 साल से चल रहे 80+ केस एक झटके में रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वैवाहिक विवाद जब व्यक्तिगत ईगो (अहंकार) की लड़ाई बन जाते हैं, तो वह केवल दो परिवारों को ही नहीं बल्कि पूरी न्यायिक व्यवस्था को भी पंगु बना देते हैं। एक ऐसा ही ऐतिहासिक और हैरान कर देने वाला मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां 10 साल से अलग रह रहे एक दंपत्ति के बीच 80 से अधिक मुकदमे लंबित थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस कानूनी अंतहीन युद्ध को समाप्त करते हुए कड़े शब्दों में कहा कि कानून का इस्तेमाल एक-दूसरे को प्रताड़ित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

10 साल, 80 केस और बर्बाद होती जिंदगी

यह मामला किसी फिल्मी ड्रामा से कम नहीं था। पिछले एक दशक से अलग रह रहे पति-प%ी ने एक-दूसरे के खिलाफ देश की विभिन्न अदालतों में 80 से ज्यादा केस दर्ज करा रखे थे। इसमें घरेलू हिंसा और भरण-पोषण से लेकर मानहानि तक के मामले शामिल थे। जजों ने पाया कि इस जंग में सुलह की कोई गुंजाइश नहीं बची है और यह रिश्ता 'डेड एंड' पर पहुंच चुका है।

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

सुनवाई के दौरान अदालत ने कानून के दुरुपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की। कोर्ट ने कहा, "वैवाहिक विवादों में कानून को हथियार की तरह इस्तेमाल करना दुर्भाग्यपूर्ण है।" अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का उपयोग किया, जो उसे किसी भी मामले में 'पूर्ण न्याय' करने का अधिकार देती है। कोर्ट ने दंपत्ति के बीच लंबित सभी 80 से अधिक मुकदमों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया।

ऐतिहासिक फैसला और अलिमनी का आदेश

कोर्ट ने माना कि शादी अब केवल कागजों पर रह गई है, इसलिए इस 'टूटे हुए रिश्ते' को आधिकारिक रूप से खत्म करना ही उचित है। अदालत ने तलाक को मंजूरी देते हुए पति को आदेश दिया कि वह प%ी को *25 लाख रुपये* का स्थायी गुजारा भत्ता (ट्ठद्बद्वश्ठ4) दे।
यह फैसला उन लोगों के लिए एक बड़ी नजीर है जो वैवाहिक विवादों को कोर्टरूम की अंतहीन जंग में बदल देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ संदेश दिया है कि न्याय की चौखट बदला लेने की जगह नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को माली समाज के वार्षिक उत्सव व शिक्षा जागृति सम्मेलन का न्यौता दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल। निकटवर्ती सुंधा पर्वत तलहटी स्थित माली समाज भवन में आयोजित होने वाले 23वें वार्षिक उत्सव व शिक्षा जागृति सम्मेलन समिति के पदाधिकारियों ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जयपुर स्थित उनके निवास पर जाकर निमंत्रण दिया। समाज के पंच भी साथ रहे। सम्मेलन की गतिविधियों पर चर्चा हुई। गहलोत ने सम्मेलन की रूपरेखा और कार्यक्रमों की जानकारी ली। उन्होंने सम्मेलन में आने का आश्वासन दिया। समाज के पंचों ने वैभव गहलोत को भी पुष्पगुच्छ, पोस्टर और निमंत्रण भेंट किया। माली समाज तलहटी भूमि में नव निर्मित भवन में तेइसवां वार्षिक उत्सव एवं शिक्षा जागृति सम्मेलन 30 अप्रेल एवं 01 मई को सुंधा पर्वत तलहटी में वैशाख सुदि 14-15 (चौदहस-पूर्णिमा) पर आयोजित होगा। इस मौके पर कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष सीएल गहलोत, सुंधामाता माली समाज अध्यक्ष भंवरलाल माली,सचिव गणेशमल सुंदेशा,पूर्व सरपंच सांवलाराम परिहार, छगनलाल गहलोत, गणेशाराम सुंदेशा सहित बड़ी संख्या में माली समाज के समाजबंधु उपस्थित रहे।

'बेटा, तुम्हारी मां प्रेग्नेंट है...' 23 साल की बेटी और 47 साल की मां; एक फोन कॉल ने बदल दी नैना की दुनिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली ।"बेटा... तुम्हारी मां प्रेग्नेंट है।" फोन की दूसरी तरफ से जब नैना के पिता की कांपती हुई आवाज आई, तो 23 साल की नैना को लगा जैसे वक्त ठहर गया हो। जिस उम्र में बेटियां अपनी शादी के सपने देखती हैं या करियर की ऊंचाइयां छूने की कोशिश करती हैं, उस उम्र में नैना के सामने एक ऐसी सच्चाई खड़ी थी, जिसने पूरे समाज और परिवार के नजरिए को चुनौती दे दी है। 47 साल की उम्र में प्रेग्नेंसी–ये खबर किसी फिल्म की कहानी जैसी लग सकती है, लेकिन नैना के परिवार के लिए यह एक हकीकत है।

बेहोशी ने खोला हकीकत का दरवाजा

नैना की मां को अपनी इस स्थिति का अंदाजा तब तक नहीं था, जब तक वे पिछले हफ्ते मंदिर के बाहर अचानक बेहोश होकर नहीं गिर पड़ीं। आनन-फानन में जब उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया, तो वहां जो रिपोर्ट आई उसने सबके होश उड़ा दिए। डॉक्टर ने पुष्टि की कि 47 साल की उम्र में वे फिर से मां बनने वाली हैं।

समाज के ताने और सुलगते सवाल

जैसे ही यह खबर रिश्तेदारों और मोहल्ले में फैली, चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। दबी जुबान में नहीं, बल्कि अब खुलेआम ताने दिए जा रहे हैं। "ये भी कोई उम्र है प्रेग्नेंट होने की?", "अब तो पोते-पोतियों के दिन थे!", "दुनिया क्या कहेगी?"–ये वो सवाल हैं जो नैना और उसके माता-पिता को हर रोज छलनी कर रहे हैं। भारतीय समाज में जहां एक उम्र के बाद मातृत्व को 'लज्जा' से जोड़ दिया जाता है, वहां यह परिवार एक अजीबोगरीब मानसिक द्वंद्व से गुजर रहा है।

बेटी की उलझन और साहस की कसौटी

नैना के लिए यह स्थिति सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है। एक तरफ अपनी मां के स्वास्थ्य की चिंता है, तो दूसरी तरफ समाज की चुभती नजरें। क्या एक बेटी को इस उम्र में भाई या बहन का स्वागत करना चाहिए? या लोकलाज के डर से पीछे हट जाना चाहिए?

महानगर मेट्रो का सवाल गलत या साहस?

आज के दौर में जहां मेडिकल साइंस ने काफी तरक्की कर ली है, वहां क्या उम्र का यह पड़ाव वास्तव में मायने रखता है?साहस क्या हमें एक महिला के दोबारा मां बनने के अधिकार का सम्मान नहीं करना चाहिए?मुश्किल क्या समाज की सोच इतनी परिपक्व है कि वह इस 'सरप्राइज' को स्वीकार कर सके?एडिटर पवन माकन की कलम से यह केवल एक प्रेग्नेंसी नहीं, बल्कि हमारे समाज के दोहरे मानदंडों की परीक्षा है। कुदरत का फैसला और एक औरत की हिम्मत के बीच क्या हम केवल 'लोग क्या कहेंगे' के डर से एक नई जिंदगी का तिरस्कार कर सकते हैं?

कैप्टन बाबा के पाप का साम्राज्य: बेटी मानकर किया कन्यादान का वादा, फिर 3 साल तक लूटी अस्मत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आध्यात्मिक ओट में छिपे दरिंदों का चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। खुद को 'कैप्टन बाबा' कहलाने वाले एक ढोंगी ने पवित्र रिश्तों को शर्मसार करते हुए एक महिला के साथ तीन साल तक बलात्कार किया। पीड़िता का आरोप है कि बाबा ने उसे "बेटी" बनाया था और उसका कन्यादान करने की बात कही थी, लेकिन आशीर्वाद के नाम पर वह सालों तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा।

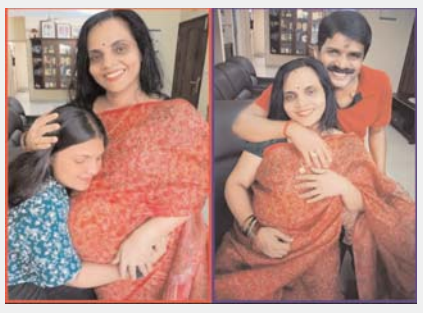

भरोसे की आड़ में हैवानियत

पीड़िता ने पुलिस को दी गई शिकायत में रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि वह अपनी पारिवारिक समस्याओं के समाधान के लिए बाबा के संपर्क में आई थी। बाबा ने बड़ी ही चालाकी से उसे अपनी बातों में फंसाया और कहा, **"तू मेरी बेटी जैसी है, तेरा कन्यादान मैं खुद अपने हाथों से करूंगा।"** इस भावनात्मक जाल में फंसी महिला बाबा को अपना रक्षक मानने लगी। लेकिन बाबा के ऑफिस का सच कुछ और ही था। पीड़िता के मुताबिक, ऑफिस के केबिन में ही बाबा ने पहली बार उसके साथ जबरदस्ती की और विरोध करने पर उसे और उसके परिवार को बर्बाद करने की धमकी दी।

"पति की मौत का डर दिखाकर चुप कराया" पीड़िता ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि जब भी वह बाबा का विरोध करने की कोशिश करती, वह उसे डराता था।

पीड़िता ने बताया

बाबा कहता था कि उसके पास सिद्धियां हैं। अगर मैंने जुबान खोली, तो वह अपनी शक्ति से मेरे पति को मार डालेगा। पति की जान बचाने के डर से मैं तीन साल तक यह नरक झेलती रही। ऑफिस बना अय्याशी का अड्डा जांच में यह बात भी सामने आई है कि बाबा का ऑफिस महज एक कामकाज की जगह नहीं, बल्कि उसकी काली करतूतों का केंद्र था। वहां आने-जाने वाले लोगों को बाबा के **'आध्यात्मिक गुरु'** होने का भ्रम फैलाया गया था। पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर अब पुलिस का दरवाजा खटखटाया है, जिसके बाद से बाबा फरार बताया जा रहा है।

पुलिस की कार्रवाई

स्थानीय पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए धारा 376 (बलात्कार) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस की एक टीम बाबा के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

आरोपी कैप्टन बाबा (फर्जी आध्यात्मिक गुरु)

जुर्म 3 साल तक लगातार यौन शोषण और धमकी। साजिश बेटी बताकर भावनात्मक शोषण। वर्तमान स्थिति पुलिस जांच जारी, आरोपी की तलाश में दबिश।

तहसील साहू संघ, डोंगरगढ़ सहसपुर मंडल एवं ग्रामीण साहू संघ, ठेकवा के संयुक्त तत्वावधान में मां कर्मा जन्म उत्सव संपन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। समारोह में,प्रतिभा सम्मान एवं रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत मे कलश यात्रा निकालकर गांव भ्रमण किया गया तत्पश्चात मां कर्मा का तैल चित्र में आरती पूजा पाठ कर मंची कार्यक्रम की शुरूआत की गई अतिथियों का स्वागत किया गया साथ ही साथ रक्तदान शिविर में 50 से अधिक बंधुओ ने अपना रक्त दान किया कार्यक्रम के अतिथि डॉ निरेंद्र साहू प्रदेश अध्यक्ष साहू संघ छत्तीसगढ़ जितेंद्र साहू (अध्यक्ष, तेलघानी बोर्ड छ.ग. शासन) भागवत साहू जिला अध्यक्ष साहू समाज राजनदगांव श्रीमती किरण साहू जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजनंदगांव कोमल सिंह राजपूत अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी जिला राजनांदगांव मधुसूदन यादव महापौर राजनंदगांव दिनेश गांधी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मान. महेन्द्र यादव (सदस्य, जिला पंचायत राजनांदगांव) श्रीमति लता अजय सिन्हा जनपद अध्यक्ष डोंगरगढ श्रीमति कली निर्मल साहू गरम पंचायत कसारी काली श्रीमती नीरा साहू जी उपाध्यक्ष, जिला साहू संघ, राज.मान. अमरनाथ साहू नीलमणी साहू मान.चन्द्रशेखर साहू महेश साहू जी, माधव साहू जी, मान. मदनमोहन साहू जी अध्यक्ष तशीहल साहू संघ डोंगरगढ़ तहसील उपाध्यक्ष आशीष कुमार साहू अशोक साहू महिला उपाध्यक्ष लता साहू कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद साहू सचिव ईश्वर साहू शह सचिव रामभरोसा साहू संगठन सचिव नामदेव साहू महिला संगठन सचिव रामेंश्वरी साहू संरक्षक हंसराज साहू संरक्षक अशोक साहू नया प्रकोष्ठ संयोजक सुखचरण साहू नया प्रकोष्ठ सहसंयोजक निर्मला साहू नए प्रकोष्ठ सचिव कुलदीप साहू अंकेक्षक मथिर साहू साहू कार्यालय प्रभारी योधन साहू राजनीति पार्कोस्ट कचरू साहू कर्मचारी प्रकोष्ठ हेमंत साहू किशन परकोस्ट बुधराम साहू चिकत्सा प्रकोस्ट मुकुंद मोहान साहू सहसपुर मण्डल अध्यक्ष दीपचंद साहू मुसरा मण्डल अध्यक्ष पन्ना साहू डोंगरगढ नगर अध्यक्ष बीरबल साहू धारा मण्डल घनस्याम साहू अंडी मण्डल अध्यक्ष हरीश साहू मुरमुंडा मण्डल अध्यक्ष मरंखन साहू बेलगांव मण्डल छबील साहू ग्राम अध्यक्ष हवन कुमार साहू व सभी परिक्षेत्रीय एवं सभी ग्रामीण व पार प्रमुख सहित सभी पदाधिकारी गण बड़ी सँख्या में माता बहन व गाँव के सभी प्रबुद्ध जन व सभी स्वजातीय भाई बधुओं कार्यक्रम में उपस्थित थे।

फर्जीवाड़े की फैक्ट्री बना स्वास्थ्य केंद्र बिना डिलीवरी के कैसे जारी हुए जन्म प्रमाण पत्र? जांच के घेरे में प्रशासन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सरकारी सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा करने वाला एक बड़ा खुलासा हुआ है। नियम के मुताबिक जन्म प्रमाण पत्र उसी अस्पताल या केंद्र से जारी होता है जहां बच्चे का जन्म हुआ हो, लेकिन यहां तो मामला ही उल्टा है। एक ऐसा स्वास्थ्य केंद्र सामने आया है जहां पिछले काफी समय से एक भी प्रसूति (डिलीवरी) नहीं हुई, लेकिन रिकॉर्ड में वहां से 250 जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए। यह आंकड़ा देख स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों के भी होश उड़ गए हैं।

कैसे हुआ इस 'महा-घोटाले' का भंडाफोड़?

मामला तब प्रकाश में आया जब ऑनलाइन पोर्टल पर डेटा एंट्री का वेरिफिकेशन किया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने देखा कि एक छोटे से केंद्र से अचानक बड़ी संख्या में प्रमाण पत्र जारी हुए हैं। जब अस्पताल के फिजिकल रजिस्टर की जांच की गई, तो पता चला कि वहां महीनों से कोई बच्चा पैदा ही नहीं हुआ। किसी ने चालाकी से केंद्र के लॉग-इन आईडी का इस्तेमाल कर धड़ाधड़ 250 सर्टिफिकेट्स का अंबार लगा दिया।

फर्जी दावों के पीछे किसका हाथ?

यह महज तकनीकी गलती नहीं, बल्कि एक सुनियोजित भ्रष्टाचार की बू दे रहा है। आशंका जताई जा रही है कि
अवैध घुसपैठ क्या इन फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किसी की गलत पहचान बनाने के लिए किया जा रहा था?
योजनाओं का लाभ क्या मुफ्त राशन या अन्य सरकारी आर्थिक सहायता हड़पने के लिए इन 'कागजी बच्चों' का सहारा लिया गया?
मिलीभगत यूजर आईडी और पासवर्ड का दुरुपयोग किसने किया? क्या स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने बाहरी बिचौलियों के साथ मिलकर यह काला कारोबार शुरू किया था?

जांच के आदेश, रद होंगे प्रमाण पत्र

इस खुलासे के बाद विभाग में खलबली मच गई है। प्राथमिक जांच में संकेत मिले हैं कि कई प्रमाण पत्र 'बैक-डेट' (पुरानी तारीखों) में भी बनाए गए हो सकते हैं। प्रशासन अब उन सभी 250 नामों की कुंडली खंगाल रहा है ताकि पता चल सके कि ये सर्टिफिकेट्स किनके पास पहुंचे और उनका कहां इस्तेमाल हुआ।

'महानगर मेट्रो' का सवाल अगर एक छोटे से सेंटर पर 250 फर्जी सर्टिफिकेट बन सकते हैं, तो पूरे राज्य में ऐसे कितने 'भूतिया' प्रमाण पत्र घूम रहे होंगे? क्या दोषियों को सिर्फ नोटिस थमाया जाएगा या उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाएगा?

23 की उम्र में देश के लिए समर्पित हुई लेफ्टिनेंट अंशु राठौड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

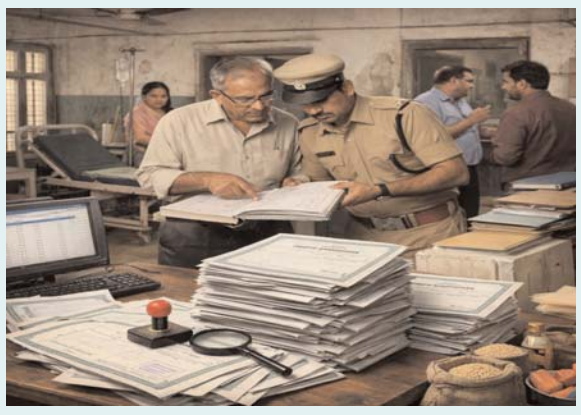

डीडवाना (राजस्थान)। देश सेवा का जज्बा सीने में लिए भारतीय नौसेना की जांबाज अधिकारी लेफ्टिनेंट अंशु राठौड़ हमेशा के लिए अमर हो गई हैं। राजस्थान के डीडवाना जिले की यह वीर बेटी महज 23 साल की उम्र में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुई। गुजरात के जामनगर के पास एक दुखद सड़क हादसे में गंभीर चोटों के कारण अंशु का निधन हो गया, जिससे पूरे देश और विशेषकर राजस्थान में शोक की लहर दौड़ गई है।

हादसे ने छीना एक चमकता सितारा

लेफ्टिनेंट अंशु राठौड़ पुणे में अपनी कठिन ट्रेनिंग पूरी करने के बाद जामनगर स्थित INS वाल्सुरा में अपनी ड्यूटी संभालने जा रही थीं। नियति को कुछ और ही मंजूर था; मंजिल पर पहुंचने से पहले ही उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उनके निधन की खबर मिलते ही भारतीय नौसेना और उनके गृह जनपद में सन्नाटा पसर गया।

14 किलोमीटर लंबी अंतिम यात्रा और जनसैलाब

जब अंशु का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव *बिठुडा* लाया गया, तो नजारा बेहद भावुक कर देने वाला था। अपनी लाडली बेटी के अंतिम दर्शन के लिए आसपास के गांवों से हजारों लोग उमड़ पड़े। गांव तक निकाली गई *14 किलोमीटर लंबी भव्य तिरंगा यात्रा* में युवाओं का जोश और आंखों में आंसू साफ देखे जा सकते थे। पूरे रास्ते 'भारत माता की जय' और 'लेफ्टिनेंट अंशु राठौड़ अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

पांच पीढ़ियों का गौरव और अटूट विरासत

अंशु राठौड़ एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती थीं, जिसकी **पांच पीढ़ियां** देश की सरहदों की रक्षा में समर्पित रही हैं। अंशु ने इस परंपरा को एक नई ऊंचाई दी। वह अपने परिवार की पहली बेटी थीं, जिन्होंने साल 2024 में अपने पहले ही प्रयास में भारतीय नौसेना की चुनौतीपूर्ण परीक्षा पास कर ऑफिसर रैंक हासिल की थी। उनके दादा और पिता को उन पर नाज था कि उनकी बेटी ने कुल का नाम रोशन किया है।

छोटे भाई ने दी मुखाग्नि, हर आंख हुई नम

शमशान घाट पर जब सैन्य सम्मान के साथ अंशु को अंतिम विदाई दी गई, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं। उनके छोटे भाई ने जब अपनी बड़ी बहन को मुखाग्नि दी, तो माहौल गमगीन हो गया। सेना के जवानों ने अपनी साथी अधिकारी को अंतिम सलामी दी। भले ही अंशु राठौड़ आज शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी हिम्मत, देशप्रेम और मात्र 23 साल की उम्र में हासिल की गई यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों और बेटियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

रील से रियल तक...एपस्टीन फाइल्स का शोर सियासत का 'सिनेमाई' संग्राम

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

लेखक-पवन माकन

आज के दौर में फिल्में सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रहीं, बल्कि वे विचारधाराओं के टकराव का सबसे बड़ा अखाड़ा बन चुकी हैं। जब सिनेमा के पर्दे पर इतिहास या वर्तमान की किसी परत को उघाड़ा जाता है, तो उसकी गूँज संसद की दहलीज तक सुनाई देती है। हाल ही में प्रधानमंत्री का तीखा बयान और उस पर विपक्ष का पलटवार इसी 'नैरेटिव वॉर' का ताज़ा अध्याय है।

जब फिल्में बनीं सियासी हथियार

प्रधानमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि जब 'द केरला स्टोरी' जैसी फिल्में आईं, तो एक खास वर्ग ने उन्हें सिरे से खारिज करने की कोशिश की। सत्ता पक्ष का तर्क सीधा है–सिनेमा उस सच को सामने ला रहा है जिसे दशकों तक दबाया गया। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सच मुकम्मल है या सिर्फ एक खास चश्मे से देखा गया सच?

पलटवार और एपस्टीन फाइल्स का शोर

विपक्ष ने भी इस बार शब्दों के बाण चलाने में देरी नहीं की। सवाल दागा गया कि अगर देश के मुद्दों पर फिल्में 'सच' हैं, तो वैश्विक स्तर पर चर्चित 'एपस्टीन फाइल्स' जैसे संवेदनशील विषयों पर चर्चा से परहेज क्यों? यह पलटवार संकेत देता है कि अब सियासत में सेलेक्टिव संवेदनशीलता पर सीधी जंग छिड़ चुकी है।

जनता के तीन बड़े सवाल

1. **सत्य या प्रोपेगेंडा?** क्या फिल्में वास्तव में समाज का आईना हैं, या उन्हें चुनाव से पहले एक विशेष नैरेटिव सेट करने के लिए 'टूल' की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है?
2. **चयनित आक्रोश** आखिर क्यों कुछ खास मुद्दों पर पूरी मशीनरी सक्रिय हो जाती है और कुछ गहरे मानवीय मुद्दों पर चुप्पी साध ली जाती है?
3. **पब्लिक ओपिनियन का ध्रुवीकरण** क्या यह बहस देश की मूल समस्याओं (महंगाई, बेरोजगारी) से ध्यान भटकाकर भावनाओं के ध्रुवीकरण का जरिया मात्र है?

महानगर मेट्रो का नज़रिया

यह लड़ाई अब सिर्फ बॉक्स ऑफिस के कलेक्शन की नहीं है, बल्कि यह नैरेटिव बनाम रिएक्शन की जंग है। एक पत्रकार के तौर पर हमारा मानना है कि सिनेमा को अभिव्यक्ति की आज़ादी मिलनी चाहिए, लेकिन जब फिल्में राजनीति की स्क्रिप्ट लिखने लगें, तो जनता को जागरूक होना होगा।
सवाल यह नहीं कि फिल्म में क्या दिखाया गया, सवाल यह है कि जो दिखाया गया उसके पीछे की मंशा क्या है?
देश अब डिबेट से आगे बढ़ चुका है। जनता अब केवल दर्शक नहीं है, वह जज की भूमिका में है। आने वाले समय में यह सिनेमाई सियासत भारत के लोकतांत्रिक विमर्श को किस दिशा में ले जाएगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं में ऑक्सीजन देने खड़गपुर पहुंचे अभिषेक बनर्जी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खड़गपुर। चुनावी माहौल में संगठन को मजबूत करने एवं उन्हें ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को खड़गपुर शहर में एक बड़ी संगठनात्मक बैठक की। खड़गपुर ग्रामीण थाना अंतर्गत रूपनारायणपुर में खड़गपुर - कोलकाता मुख्य सड़क के किनारे स्थित ग्रीनलैंड होटल परिसर में तृणमूल नेताओं और कर्मियों के साथ पार्टी पदाधिकारियों के साथ अभिषेक बनर्जी ने एक बंद कमरे में बैठक की। उन्होंने मेदिनीपुर और घाटाल लोकसभा क्षेत्रों के तहत मेदिनीपुर, खड़गपुर 1 और 2, दांतन, कोशियारी, डेबरा, सबंग, नारायणगढ़ और पिंगला विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों, अध्यक्षों और शीर्ष नेतृत्व के साथ संगठनात्मक विकास और चुनाव-उन्मुख रणनीतियों पर चर्चा की।

अभिषेक बनर्जी अपने तय समय से करीब एक घंटे बाद हेलीकॉप्टर से पहुंचे और उसके बाद बैठक शुरू की। पहले मेदिनीपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विधानसभाओं के नेताओं के साथ बैठक में चुनावी माहौल में संगठन को और अधिक सक्रिय कैसे बनाया जाए, कहां गलतियां हुई हैं और उन्हें सुधारने की दिशा में कैसे आगे बढ़ा जाए, इस पर विस्तृत चर्चा हुई। उसके बाद घाटाल लोकसभा क्षेत्र के नेतृत्व के साथ एक अलग बैठक में उन्होंने बूथ आधारित संगठन, जनसंपर्क और चुनाव तैयारी पर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये। इस बैठक में मेदिनीपुर की सांसद जून मालिया,घाटाल के सांसद देव भी मौजूद थे। उनकी मौजूदगी से कार्यकर्ताओं-समर्थकों में एक अलग ही उत्साह देखा गया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बैठक से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा हुआ और चुनाव से पहले संगठन को पर्याप्त 'ऑक्सीजन' मिला है।

गजब की दरियादिली: बिना किसी ऑपरेशन के ही अपना दिल डोनेट कर देते हैं भारतीय पुरुष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मेडिकल साइंस कहता है कि दिल डोनेट (हृदय दान) करने के लिए जटिल सर्जरी, ब्रेन डेड की स्थिति और लंबी कानूनी कागजी कार्रवाई की जरूरत होती है। लेकिन भारतीय पुरुषों ने इस मामले में विज्ञान के सारे नियमों को धता बता दिया है। पूरी दुनिया में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहाँ पुरुष किसी भी ऑपरेशन या डॉक्टर की सलाह के बिना अपना दिल एक नहीं, बल्कि अनेक महिलाओं को 'डोनेट' करने की अद्भुत और ईश्वरीय क्षमता रखते हैं!

सामाजिक विज्ञान का अनोखा करिश्मा

भारतीय बाजारों या सड़कों पर निकलते ही पुरुषों की यह 'दानवीरता' अचानक जाग उठती है। रेड लाइट पर खड़ी कोई अनजान युवती हो या ऑफिस में आई नई सहकर्मी–भारतीय पुरुषों का दिल इतना विशाल है कि वह तुरंत 'ट्रांसप्लांट' होने के लिए मचलने लगता है। ताज्जुब की बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में खून की एक बूंद भी नहीं बहती, बस एक मुस्कुराहट या एक तिरछी नजर ही काफी है!

एक दिल, अनेक दावेदार!

आम तौर पर माना जाता है कि इंसान के पास एक ही दिल होता है और वह किसी एक को ही दिया जा सकता है, पर हमारे देश के शूरवीर इस मामले में 'मल्टी-टास्किंग' के उस्ताद हैं। सुबह बस स्टॉप पर किसी के लिए दिल धड़कता है, तो दोपहर में सोशल मीडिया पर किसी अनजान प्रोफाइल को देखते ही वह फिर से 'डोनेट' हो जाता है। इसे दरियादिली कहें या 'हार्ट' की कोई नई तकनीक, यह तो गहन शोध का विषय है।

इस विषय पर गहराई से सोचें तो लगता है कि भारतीय पुरुषों में 'इमोशनल इन्वेस्टमेंट' की भूख बड़ी जबरदस्त है। इस गुप्त दान की प्रक्रिया में कई बार तो सामने वाले को पता भी नहीं होता कि उसका 'डोनेशन' स्वीकार कर लिया गया है! हालांकि, इस तरह दिल डोनेट करने के बाद जब घर पर पी के हाथ में 'बेलन' आता है, तब समझ आता है कि असली 'ऑपरेशन' तो अब शुरू होगा और वो भी बिना एनेस्थीसिया के!

यह लेख सिर्फ हल्के-फुल्के मनोरंजन के लिए है, पर सच तो यह है कि भारतीय पुरुषों की यह 'सर्वव्यापी' प्रेम करने की कला उन्हें पूरी दुनिया में सबसे अलग बनाती है। भले ही बैंक खाते में बैलेंस हो न हो, लेकिन दिल देने के मामले में इन्हें कभी महंगाई नहीं नड़ती!

मतदाता सूची से नाम गायब या राजनीति का नया खेल?

डेमोग्राफी बनाम दस्तावेज़: बंगाल चुनाव में नई जंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता, (रफीक अनवर)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन संशोधन (एस. आई. आर.) से जुड़े विवाद का आगामी विधानसभा चुनावों में कुछ निर्वाचन क्षेत्रों या विधानसभा क्षेत्रों पर स्पष्ट प्रभाव पड़ने की संभावना है। इस प्रभाव को समझने के लिए निर्वाचन क्षेत्र-वार विश्लेषण बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रत्येक क्षेत्र की जनसांख्यिकीय संरचना, राजनीतिक इतिहास और वर्तमान स्थिति अलग-अलग है।

उत्तर 24 परगना में बसीरहाट एक सीमावर्ती निर्वाचन क्षेत्र है जहाँ मुस्लिम मतदाता और मतुआ/शरणार्थी समुदाय दोनों महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एस. आई. आर. के परिणामस्वरूप, ऐसी शिकायतें आई हैं कि दस्तावेज़ संबंधी समस्याओं के कारण कई वास्तविक मतदाताओं के नाम छूट गए हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी सीमा और घुसपैठ के मुद्दों को सामने लाकर वोटों के ध्रुवीकरण को बढ़ा सकती है, जो उनके पक्ष में जा सकता है। दूसरी ओर, यदि अल्पसंख्यक मतदाताओं की भागीदारी कम हो जाती है तो अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस खतरे में है। नतीजतन, बसीरहाट एक बहुत ही अस्थिर सीट बन सकती है, जहाँ एक मामूली वोट स्विंग परिणाम को बदल सकती है। जोरासांको, कोलकाता के उत्तरी भाग में स्थित एक घनी आबादी वाला पुराना क्षेत्र है, जिसमें एक बड़ी मुस्लिम, व्यापारी और प्रवासी आबादी है। आरोप है कि एस. आई. आर. के कारण मतदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत बड़ी संख्या में कम होने की प्रवृत्ति रही है। ऐसे क्षेत्रों में किरायेदारों या अस्थायी निवासियों को खराब दस्तावेजों के कारण अधिक खतरा होता है। हालांकि यह पारंपरिक रूप से तृणमूल कांग्रेस का गढ़ रहा है, अगर मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग सूची से बाहर रहता है, तो सीधा नुकसान हो सकता है। लेकिन इसके विपरीत, अगर इस मुद्दे को 'बंछना' के रूप में उजागर करने वाली एक बड़ी जनमत है, तो तृणमूल "सहानुभूति की लहर' पैदा करके स्थिति को संभाल सकती है। मुर्शिदाबाद का डोमकाल निर्वाचन क्षेत्र लगभग पूरी तरह से अल्पसंख्यक बहुल है और लंबे समय से तृणमूल का वर्चस्व रहा है। एस. आई. आर. के अनुसार, ऐसे क्षेत्रों में मतदाताओं को बड़े पैमाने पर हटाना सबसे आम शिकायत है। यदि बड़ी संख्या में मतदाताओं को छोड़ दिया जाता है, तो यह सीधे तृणमूल के वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, यहां एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अगर भय का माहौल बनाया जाता है, तो अल्पसंख्यक मतदाता अधिक संगठित तरीके से मतदान करने के लिए बाहर आ सकते हैं, जो बदले में तृणमूल के पक्ष में जा सकता है। नतीजतन, डोमकोल पर प्रभाव एकतरफा नहीं है, बल्कि स्थिति पर निर्भर करता है।

कोलकाता के एक अन्य महत्वपूर्ण केंद्र चौरंगी में उच्च वर्ग, मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों की मिश्रित आबादी है। ऐसे 'शहरी निर्वाचन क्षेत्रों' में, 'डेटा बेमेल' या पते के परिवर्तन के कारण मतदाता सूची में अधिक गलतियाँ होती हैं। एस. आई. आर. के परिणामस्वरूप, झुग्गियों या प्रवासी समुदायों के मतदाता अधिक जोखिम में हो सकते हैं, जो टी. एम. सी. के शहरी वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर, भाजपा को शहरी इलाकों में मामूली लाभ होने की संभावना है, जिससे सीट पहले की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी।

मालदा जिले की सीटें-जिन्हें सामूहिक रूप से मालदा क्षेत्र के रूप में जाना जाता है-पारंपरिक रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और तृणमूल का वर्चस्व रहा है। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में मतदाताओं के छूटने की प्रवृत्ति पर चर्चा की गई है। नतीजतन, यदि विपक्षी वोट विभाजित हो जाते हैं और यदि विशिष्ट मतदाता हिस्सा कम हो जाता है, तो भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ हो सकता है।

कुल मिलाकर, एस. आई. आर. का प्रभाव सभी क्षेत्रों में समान नहीं है; बल्कि, यह उन क्षेत्रों में महसूस होने की अधिक संभावना है जहां अल्पसंख्यक आबादी अधिक है, जहां प्रवास अधिक है, या जहां प्रलेखन खराब है। लेकिन बात केवल मतदाताओं की संख्या की नहीं है। असली निर्धारक यह होगा कि बाकी मतदाता कैसे प्रतिक्रिया देंगे। यदि वे हतोत्साहित होकर मतदान नहीं करते हैं, तो किसी प्रकार का परिणाम होगा; और यदि वे गुस्से में अधिक संख्या में मतदान करने के लिए बाहर आते हैं, तो परिणाम पूरी तरह से विपरीत हो सकता है। इस कारण से, एस. आई. आर. बशीरहाट, जोरासांको, डोमकाल या चौरंगी सीटों पर एक 'मूक लेकिन शक्तिशाली कारक' के रूप में कार्य कर सकता है, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरीकों से चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकता है।

क्या चुनाव प्रक्रिया विश्वास के संकट का प्रतिबिंब है?

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन संशोधन (एस. आई. आर.) को लेकर विवाद केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया पर असहमति नहीं है, बल्कि यह धीरे-धीरे लोकतंत्र के गहरे सवाल-विश्वास, पारदर्शिता और निष्पक्षता को उठा रहा है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि कैसे मतदाता सूची के संशोधन जैसा तकनीकी कार्य राजनीतिक, कानूनी और सामाजिक संघर्षों के केंद्र में आता है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) एक संवैधानिक निकाय है। संविधान के अनुसार, यह संस्थान देश में चुनावी प्रक्रिया का निष्पक्ष पर्यवेक्षक है। लेकिन जब उनके कार्यों में पक्षपात के आरोप लगते हैं, तो सवाल केवल एक विशेष निर्णय का नहीं होता है-बल्कि पूरी व्यवस्था में विश्वास का होता है। अगर आम लोग सोचने लगते हैं कि 'चुनाव रेफरी' निष्पक्ष नहीं है, तो उस विश्वास का क्षरण लंबे समय में लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। साथ ही इस बहस में अदालतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों में इस मुद्दे पर मुकदमेबाजी से पता चलता है कि राजनीतिक और प्रशासनिक प्रश्नों को न्यायपालिका की ओर तेजी से धकेला जा रहा है। यह 'राजनीति का न्यायिककरण' एक ओर न्यायपालिका पर निर्भरता और दूसरी ओर राजनीतिक प्रक्रिया की सीमा को दर्शाता है। सवाल उठ रहा है। नतीजतन, मतदाता मतदान करने के लिए अनिच्छा दिखा सकते हैं, या, इसके विपरीत, विरोध में मतदान करने के लिए अधिक संख्या में आ सकते हैं। इसके अलावा, आधिकारिक आंकड़ों और 'जमीनी हकीकत' के बीच का अंतर भी एक बड़ा सवाल है।

ताबड़तोड़ जनसभा एवं रैली में ममता ने मोदी को दी कड़ी चुनौती

ममता बोली-आपने एसआईआर में 91 लाख नाम हटाए फिर भी हम जीतकर दिखाएंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। एसआइआर की अंतिम सूची से चुनाव आयोग ने लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। माना जा रहा है कि इन मतदाताओं के नाम हटने का असर चुनाव नतीजों पर पड़ सकता है। हालांकि, तृणमूल नेता ममता बनर्जी का कहना है कि 91 लाख नाम हटने के बाद भी हमारी पार्टी इस बार के चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी।

गुरुवार को ममता ने बशीरहाट के मीनाखा स्थित हाड़ोआ सर्कस मैदान में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह दावा किया। वहीं से उन्होंने भाजपा को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि, आपने साजिश के तहत चुनाव आयोग के साथ मिलकर मतदाता सूची से लगभग 91 लाख लोगों के नाम हटा दिए हैं, फिर भी याद रखना, फिर भी जीत हमारी पार्टी के उम्मीदवारों की ही होगी। आपने पूरे लोकतंत्र को बेचने के लिए रख दिया है, इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाया है, ठीक वैसे ही जैसे चैत्र महीने में 'क्लियरेंस सेल' लगती है।

ममता का बड़ा दावा, पार्टी का हर उम्मीदवार बड़ी जीत दर्ज करेगा

ममता ने कहा, हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम हटने के बाद भी इस राज्य में तृणमूल उम्मीदवार ही भारी मतों से जीत हासिल करेंगे और आगामी सरकार तृणमूल

कांग्रेस ही बनायेगी। मैं अपनी एवं पार्टी के हर उम्मीदवारों की जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हूं। अपनी प्रतिक्रिया के माध्यम से उन्होंने एक बार फिर भाजपा को चुनौती दी।

गौरतलब है कि ड्राफ्ट सूची से लगभग 27 लाख 16 हजार 393 नाम हटाए गए हैं। इससे पहले, अंतिम सूची से 63 लाख मतदाताओं के नाम पहले ही हटा दिए गए थे। इस तरह, कुल मिलाकर करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। जिन 91 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, वे ट्रिब्यूनल में अपील कर सकते हैं। वे अपनी अपील ऑनलाइन या ऑफलाइन, किसी भी माध्यम से ट्रिब्यूनल में जमा कर सकते हैं।

ममता ने की घोषणा, चुनाव के बाद अलग जिला बनेगा सुंदरबन

ममता ने चुनावी प्रचार के दौरान कहा कि, सुंदरबन को एक अलग जिला बनाया जाएगा। सुंदरबन को सात नए प्रस्तावित जिलों में शामिल किया जाएगा। सुंदरबन के विकास के लिए एक 'मास्टर प्लान' तैयार किया जा रहा है। तृणमूल नेता ममता बनर्जी के गुरुवार को कुल पांच चुनावी कार्यक्रम में भाग लिया। इनमें चार जनसभाएं और एक रोड शो शामिल था। इनमें उन्होंने मीनाखा में अपनी जनसभा करने के बाद पलता एवं पानीहाटी के बाद बागुईहाटी में सभाओं में शामिल हुईं। अंत में उन्होंने शाम को उत्तर 24 परगना के बड़ानगर में स्थित डनलप क्रॉसिंग से सिंथी मोड़ क्रॉसिंग तक एक रोड शो का नेतृत्व किया। जिसमें लाखों लोगों के साथ पार्टी के नेता व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

सोशल मीडिया पर दोस्ती और फिर होटल में दुष्कर्म...!

महानगर मेट्रो

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने रिश्तों और सामाजिक मर्यादाओं को झकझोर कर रख दिया है। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक 27 वर्षीय विवाहित महिला पर 16 साल के नाबालिग लड़के के साथ दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने पीड़िता (नाबालिग) की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है।

सोशल मीडिया से शुरू हुआ खतरनाक खेल

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी महिला और नाबालिग की पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे बातचीत बढ़ी और महिला ने नाबालिग को अपने जाल में फंसा लिया। बताया जा रहा है कि महिला ने 1 अप्रैल को नाबालिग को बोरम रोड स्थित एक होटल में मिलने के बहाने बुलाया था, जहां उसने नाबालिग के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

पुलिस की सख्त कार्रवाई

घटना के बाद पीड़ित नाबालिग ने अपने परिजनों को आपबीती सुनाई, जिसके बाद सिटी कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी महिला के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब होटल के रिकॉर्ड और दोनों के बीच हुई सोशल मीडिया चैट की भी गहनता से जांच कर रही है।

बैंकिंग सिस्टम का अजीब खेल: ग्राहक का खाता खाली हो तो 'पेनल्टी' और बैंक का ATM खाली हो तो सिर्फ 'सॉरी

आम आदमी की जेब पर बैंकों का सीधा प्रहार; मिनिमम बैलेंस के नाम पर करोड़ों की वसूली, लेकिन सेवाओं का बुरा हाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद । आज के डिजिटल युग में बैंक जितनी तेजी से 'स्मार्ट' हो रहे हैं, उसका खामियाजा उतना ही आम आदमी को भुगतना पड़ रहा है। बैंकिंग व्यवस्था में एक ऐसा विचित्र और एकतरफा व्यापार चल रहा है, जहाँ ग्राहकों के लिए नियम लोहे की तरह सख्त हैं, लेकिन बैंकों की अपनी नाकामियों के लिए सिर्फ एक 'सॉरी' का बोर्ड काफी है। यदि किसी गरीब या मध्यमवर्गीय व्यक्ति के खाते में न्यूनतम राशि कम हो जाए, तो बैंक बिना देर किए 'पेनल्टी' काट लेते हैं, लेकिन जब ग्राहक को जरूरत हो और बैंक का ATM खाली मिले, तब बैंक की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती?

पेनल्टी की मार सिर्फ ग्राहकों पर ही क्यों?

हर मध्यमवर्गीय परिवार का यह कड़वा अनुभव है कि खाते में बैलेंस कम होते ही बैंक एसएमएस

भेजकर जुर्माना वसूलने में एक दिन की भी देरी नहीं करते। सर्विस चार्ज, एटीएम चार्ज और मेंटेनेंस चार्ज के नाम पर जनता से सालाना करोड़ों रुपये वसूले जा रहे हैं। लेकिन, जब कोई ग्राहक आधी रात को अस्पताल के खर्च या किसी इमरजेंसी के लिए एटीएम पहुंचता है और वहां Cash Not Available लिखा मिलता है, तब उसकी मानसिक और आर्थिक परेशानी की भरपाई कौन करेगा? 'सॉरी' से पेट नहीं भरता साहब!

बैंकों के लिए एटीएम में नकदी न होना महज एक तकनीकी खराबी या लॉजिस्टिक समस्या हो सकती है, लेकिन ग्राहक के लिए वह संकट का समय होता है। यदि किस्त देरी से भरने या बैलेंस कम होने पर बैंक ग्राहक से ब्याज और जुर्माना वसूलते हैं, तो जो एटीएम घंटों तक खाली रहते हैं, उसके बदले बैंक ग्राहकों को हर्जाना क्यों नहीं देते? क्या नियम और शर्तें केवल आम जनता को निचोड़ने के लिए हैं?

प्रशासन से 'महानगर मेट्रो' का सवाल

क्या भारतीय रिजर्व बैंक के वे नियम सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगे, जिनमें एटीएम खाली रहने पर बैंकों पर जुर्माना लगाने का प्रावधान है? बैंकिंग सेक्टर मुनाफा कमाने में तो सबसे आगे है, लेकिन ग्राहक संतुष्टि और जिम्मेदारी के मामले में इतना पीछे क्यों? जनता अब जाग चुकी है और पूछ रही है कि– अगर हमारा खाता खाली होने पर दंड मिलता है, तो आपका एटीएम खाली होने पर सिर्फ 'सॉरी' से काम क्यों चल जाता है?

मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — आज का दिन फायदेमंद रहेगा। सामाजिक दायराबढ़ेगा व मान सम्मान में वृद्धि होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।

वृष TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो) — आज आप खुद को उजार्वान महसूस करेंगे। जीवनसाथी को किसी कार्य में सफलता मिलने से घर में खुशी का माहौल बनेगा।

मिथुन GEMINI (का की कू घ ङ छ के को हा) — आज ऑफिस में काम का प्रेशर थोड़ा बढ़ सकता है। आप कुछ ऐसे मामलों में भी पड़ सकते हैं, जिनका समाधान निकालने में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

कर्क CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा में बदलाव ला सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को थोड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आज कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुलेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की मदद मिलने से आपको फायदा होगा।

कन्या VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। अपने काम के लिये दूसरों को सहमत कराने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। कुछ जरूरी निर्णय आपको फायदा दिला सकते हैं।

तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते) — आज परिवार वालों के साथ टाइम स्पेंड करने का मौका मिलेगा। आपकी सभी परेशानियाँ दूर होंगी। किसी काम से थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

वृश्चिक SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — आज तरक्की के कई नए रास्ते नजर आयेंगे, आप पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल होंगे। शाम को बच्चों के साथ समय व्यतीत करेंगे।

धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आज व्यापारी वर्ग को धन लाभ होगा, आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के सिविल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है।

मकर CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आज पहले किये गये काम में मेहनत का बेहतर परिणाम हासिल होगा। ऑफिस का खुशनुमा वातावरण आपके मन को उत्साह से भर देगा।

कुंभ AQUARIUS (गु गे गो सा सी सू से सो दा) — आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद रहेंगे। अगर आप किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा।

मीन PISCES (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आज किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। आज घर पर अचानक से कोई मेहमान आ सकता है।

कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले?

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया।

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नहीं देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए, पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है।

विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन जमीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हजारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इजराइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो। जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिसाइल और ड्रोन दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे, जिस तरह कि करना चाहिए।

रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इजराइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज दब जाती है, वह है—एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस माँ की कराह। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत वे लोग चुकाते हैं जिनका राजनीति या सत्ता की लालसा से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन के कीव से लेकर गाजा की गलियों और ईरान के गांव तक तक, हजारों औरतें और बच्चे मौत की नींद सो चुके हैं। जो उम्र खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में बच्चे बमों के धमाकों को पहचानना सीख रहे हैं। हजारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों का भविष्य मलबे के नीचे दब गया है। युद्ध के दौरान महिलाओं को न केवल विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है, बल्कि वे शारीरिक और मानसिक हिंसा का सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं।

युद्ध केवल इंसान को नहीं मारता, वह सदियों से बनी-बनाई

सभ्यताओं और बुनियादी ढांचे को भी नष्ट कर देता है। स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इमारतों पर गिरते बम यह दशार्ते हैं कि आधुनिक समाज कितना ₹असंवेदनशील₹ हो चुका है। जब एक अस्पताल पर मिसाइल गिरती है, तो वह केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं ढहती, बल्कि इंसानियत की आखिरी उम्मीद भी टूट जाती है। इन लड़ाइयों का असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया भर में अनाज की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ दिया। इससे गरीब देशों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया। ईंधन की बढ़ती कीमतें और खाद्य पदार्थों की कमी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जो खरबों डॉलर शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में खर्च होने चाहिए थे, वे आज आधुनिक हथियार और मिसाइलें बनाने में झोंके जा रहे हैं।

युद्ध का एक और खामोश शिकार हमारा पर्यावरण है। हजारों टन गोला-बारूद का इस्तेमाल वायुमंडल को जहरीला बना रहा है। जंगलों की आग, समुद्री प्रदूषण और जमीन में धंसे बारूदी सुरंग आने वाली कई पीढ़ियों के लिए मौत का जाल बिछा रहे हैं। हम जिस धरती को बचाने की कसमें खाते हैं, उसी को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं। संसाधनों को बरबाद कर रहे हैं। जब हम टीवी पर बमबारी के दृश्य देखते हैं और उन्हें केवल एक ₹न्यूज अपडेट₹ की तरह छोड़ देते हैं, तो समझ लीजिए कि हमारे भीतर की इंसानियत मर चुकी है। युद्ध हमें क्रूर बना देता है। हम मौतों को केवल 'आंकड़ों' में गिनने लगते हैं। घृणा का यह बीज जो आज बोया जा रहा है, वह भविष्य में और अधिक कट्टरपंथ और आतंकवाद को जन्म देगा।

अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बन गया है। उसने इराक पर यह कह कर हमला किया था कि उसके पास कैमिकल और अन्य घातक शस्त्र है। इराक हार गया। सद्दाम हुसैन पकड़े ही नही गए, उन्हें फांसी हो गई, किंतु अमेरिका इराक से कुछ भी बरामद नही कर पाया। उसका सब झूंठा प्रचार रहा। अब ईरान पर यह कह कर इजरायल और अमेरिका ने हमला किया कि वह परमाणु बम बनाने के नजदीक है। उसकी इस शक्ति को खत्म करना है। हमले जारी है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए अपने मन की बात कह दी कि उसे ईरान के तेल पर कब्जा करना है। तीन जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने एक सैन्य ऑपरेशन के दौरान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश (कराकस) से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नार्को-आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों के बाद की गई। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। बहाना मादक पदार्थों की तस्करी रोकना था किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं कि वेनेजुएला का तेल वे बेचेंगे। उनकी मर्जी से बिकेगा। इस सब का मतलब साफ है कि दुनिया के संसाधनों पर अमेरिका की नजर है। वह किसी ने किसी बहाने उन पर कब्जा करना चाहता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने कहा है कि अगर थोड़ा और समय मिला तो अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल सकता है और वहां से तेल लेकर बड़ा मुनाफा कमा सकता है। उनके इस बयान ने पहले से चल रहे संघर्ष को और संवेदनशील बना दिया है।

फिलहाल ईरान ने इस अहम समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है। इस कारण दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है और कीमतों में तेजी देखी जा रहीयह संघर्ष अब सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रहा है। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान और लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी कई खाड़ी देशें पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हाल के दिनों में हमलों की संख्या कुछ कम हुई है, लेकिन पूरी तरह रुकी नहीं है।

ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इन्कार करने वाले ब्रिटेन जैसे वह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की वजह से जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं। उनके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुझाव है: पहला- अमेरिका से तेल खरीदो, हमारे पास बहुत है। दूसरा- हिम्मत जुटाओ, जलडमरूमध्य पर जाओ और उसे अपने कब्जे में ले लो।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के पूर्व महानिदेशक मोहम्मद अल बारदेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के बाद खाड़ी देशों से हस्तक्षेप करने की तत्काल अपील की है। पूर्व आईएईए प्रमुख ने विनाशकारी सैन्य टकराव की संभावना का जिक्र किया। बारदेई ने एक्स पर एक पोस्ट में पड़ोसी खाड़ी देशों को संबोधित करते हुए कहा, ₹कृपया, एक बार फिर अपनी पूरी ताकत झोंक दें, इससे पहले कि यह पागल शख्स इलाके को आग का गोला बना दे।₹ मोहम्मद अल बारदेई ने अपनी गुहार को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हुए युद्ध को रोकने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। संयुक्त राष्ट्र के साथ रूस-चीन-फ्रांस को संबोधित एक अलग पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या इस पागलपन को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है?

युद्ध किसी समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास ने बार-बार सिखाया है कि युद्ध के मैदान में कभी कोई नहीं जीतता, बस जो कम हारता है वह खुद को विजेता घोषित कर देता है। रूस, यूक्रेन, इजराइल, ईरान या अमेरिका—शक्ति का प्रदर्शन किसी को महान नहीं बनाता। महानता इस बात में है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया दें जहाँ बारूद की गंध नहीं, बल्कि भाईचारे की मिठास हो। एक बार और अमेरिका वियतनाम और अफगानिस्तान में जाकर अपना अंजाम देख चुका है। बाद में बहुत कुछ गंवाकर वहां से भाग आया। ये ईरान है। यहां के गांव वाले, युवाओं और बच्चों ने भी अब शस्त्रों से दोस्ती कर ली है। हथियार संभाल लिए है। अमेरिका के दो हेलिकॉप्टर को मार गिराने वाला एक मामूली गडरिया है। इस गडरिए को तो युद्ध कला भी नही आती। सिर्फ इतना जानता है कि ये हेलिकॉप्टर हमलावर अमेरिका के है। जिस देश की जनता इतनी जुझारू और लड़ाका हो, जिसके गडरिये अमेरिका जैसे देश के दो-दो आधुनिकतम हेलिकॉप्टर गिरा दें, उसे हराना संभव नहीं।

आज दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्हें युद्ध के उन्माद को रोकना होगा। नहीं रोका, तो वह दिन दूर नहीं जब 'इंसान' तो बचेगा, लेकिन उसके भीतर की 'इंसानियत' पूरी तरह दफन हो चुकी होगी। हमें यह समझना होगा कि धरती पर सरहदें हमने खींची हैं, कुदरत ने नहीं। शांति की मेज पर बैठकर बात करना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी बहादुरी है। वक्त आ गया है कि हम ₹हथियारों की होड़₹ को छोड़कर ₹मानवता की जोड़₹ पर ध्यान दें। वरना इतिहास हमें उन लोगों के रूप में याद रखेगा, जिनके पास सब कुछ था, बस एक-दूसरे के लिए दया और प्रेम नहीं था।

संपादकीय

नाजुक युद्धविराम

तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा से दुनिया को उस युद्ध से राहत मिली है, जिसने संघर्षरत पक्षों के अलावा पूरी दुनिया के लोगों के जीवन यापन को गहरे तक प्रभावित किया। निस्संदेह इस युद्ध ने पश्चिम एशिया के रणनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने के साथ ही वैश्विक कूटनीति पर असर डाला है। एक माह से अधिक समय तक चले इस युद्ध में विनाशकारी हवाई हमलों, होर्मुज जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी और सभ्यता के विनाश के खतरों के बाद अब एक अस्थायी विराम ने पूरी दुनिया को राहत दी है। युद्ध भले ही अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच लड़ा जा रहा था, लेकिन इसने दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों, वैश्विक बाजारों और ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरे तक प्रभावित किया। उनके लिये अस्थायी युद्ध विराम होना निस्संदेह राहतकारी खबर है। लेकिन इसके बावजूद हकीकत यह है कि इस नाजुक शांति के पीछे कई चिंताजनक सच्चाइयां छिपी हैं। यह सर्वविदित है कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इस्राइल ने यह युद्ध शुरू किया था, वे कहीं से पूरे होते नजर नहीं आते। वह बात अलग है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार लक्ष्य पूरे होने की दलील देते रहते हैं। वहीं ईरान भी युद्ध विराम को अपनी सफलता के रूप में दर्शा रहा है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व के प्रमाण और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को खत्म करने के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान इसे अपनी एक रणनीतिक जीत बताता है। उसकी दलील है कि उसने दुनिया की सुपरपॉवर अमेरिका व आक्रामक इस्राइल की सेनाओं के हमलों का अकेले ही मुकाबला किया और वैश्विक तेल आपूर्ति पर अपने प्रभाव को प्रदर्शित किया है। ऐसे में कूटनीति के जानकार आशंका जता रहे हैं कि ये परस्पर विरोधी बयानबाजी स्थायी शांति की दिशा में एक कारगर कदम नहीं, बल्कि महज रणनीति में बदलाव का संकेत है।

चिंतन-मनन

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है। इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

होम्योपैथी: मीठी गोलियों में छिपा आरोग्य का महासागर

दिलीप कुमार पाठक

आज के दौर में जब हम सुबह उठते हैं, तो हमारा सामना प्रदूषण, मिलावट और तनाव से होता है। ऐसे में बीमारियां हमारे जीवन का हिस्सा बन गई हैं। आज दुनिया में चिकित्सा की कई पद्धतियां हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के कुछ आंकड़े हमें चौंकाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, होम्योपैथी आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति बन चुकी है। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता हर साल करीब 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है। अकेले हमारे देश भारत की बात करें, तो यहाँ लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए पूरी तरह होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं। यह भरोसा यूँ ही नहीं बना है, इसके पीछे इस पद्धति की सादगी और बिना किसी नुकसान के ठीक करने की ताकत छिपी है। अक्सर शरीर के अनजाने रोगों के लिए लोग सालों-साल इलाज कराते हैं। लाखों रुपए अस्पतालों और जांचों में खर्च कर देते हैं परिणाम के नाम सिर्फ चंद घंटों की राहत मिलती है। ऐसे में होम्योपैथी सस्ता और पक्का विकल्प बनकर सामने आती है। आयुष मंत्रालय की मानें तो होम्योपैथी का इलाज अन्य पद्धतियों के मुकाबले काफी किफायती है, जो भारत के हर आम और गरीब आदमी की पहुँच में है। लेकिन इसका सस्ता होना इसकी कमजोरी नहीं, बल्कि इसकी खूबी है। यह शरीर को रसायनों की भट्टी बनाने के बजाय उसे अंदर से मजबूत बनाने का काम करती है।

होम्योपैथी के बारे में एक बात बहुत मशहूर है कि यह असर दिखाने में बहुत वक्त लेती है। लोग अक्सर कहते हैं कि यह बहुत धीमी है। लेकिन हकीकत यह है कि यह धीमी नहीं बल्कि गहरी है। जब कोई बीमारी पुरानी हो जाती है, तो वह शरीर की जड़ों में बैठ जाती है। उस जड़ तक पहुँचने में दवा को थोड़ा समय तो लगता ही है। कई बार ऐसा देखा गया है कि इलाज शुरू करने के पहले पंद्रह दिनों तक मरीज को कोई खास फर्क महसूस नहीं होता। मरीज को लगता है कि शायद ये गोलियां काम नहीं कर रही हैं। लेकिन असल में वह पंद्रह दिन का समय शरीर के अंदर की सफाई और मरम्मत का होता है। जैसे ही वह आधार तैयार होता है, पंद्रह दिन बाद अचानक बीमारी ऐसे गायब होने लगती है जैसे कभी थी ही नहीं। आजकल एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होना एक बड़ी वैश्विक चिंता बन गया है। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 30 प्रतिशत लोग अब पुरानी बीमारियों के लिए सबसे पहले होम्योपैथी का चुनाव कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इन दवाओं का लीवर, किडनी या पेट पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। यही वजह है कि आज कई बड़े एलोपैथी डॉक्टर भी दबी जुबान में मानने लगे हैं कि जहाँ आधुनिक विज्ञान की सीमाएं खत्म होती हैं, वहाँ होम्योपैथी का अनुभव और असर कमाल कर जाता है।

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व होम्योपैथी दिवस दरअसल इस पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि मरीज का इलाज करते समय केवल उसके अंगों को नहीं, बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को देखना चाहिए। होम्योपैथी में दवा देते समय डॉक्टर केवल आपकी बीमारी नहीं पूछते, बल्कि आपकी पसंद-नापसंद और आपके स्वभाव को भी समझते है। क्योंकि विज्ञान मानता है कि हर इंसान की बनावट और उसकी तकलीफ अलग होती है, इसलिए उसका इलाज भी अलग और विशेष होना चाहिए। भारत में अब 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड होम्योपैथी डॉक्टर दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। सरकार ने भी इसे नेशनल हेल्थ मिशन का हिस्सा बनाकर इसकी ताकत को पहचाना है। यह पद्धति हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज नहीं जिसे आप दुकान से खरीद लें, यह तो एक संतुलन है जो कुदरत के करीब रहने से मिलता है। आज के महंगाई के दौर में, जब एक मामूली बीमारी भी घर का बजट बिगाड़ देती है, तब होम्योपैथी एक राहत भरी सांस की तरह लगती है। यह न केवल शरीर को ठीक करती है, बल्कि मरीज के मन से उस बीमारी का डर भी निकाल देती है। अंत में, बस इतना ही कहना काफी होगा कि आरोग्य का रास्ता हमेशा कड़वा या महंगा हो, यह जरूरी नहीं है। कभी-कभी मीठी गोलियों का छोटा सा सफर भी बड़े-बड़े रोगों को मात दे सकता है। जरूरत है तो बस थोड़े से धैर्य की और अपनी कुदरती ताकत पर विश्वास रखने की। यदि हम होम्योपैथी को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो हम न केवल बीमारियों से बचेंगे बल्कि एक खुशहाल और दुष्प्रभाव मुक्त जीवन जी पाएंगे।

महिला आरक्षण से कानून-निर्माण में भागीदारी - लोकतंत्र का शुभसंदेश

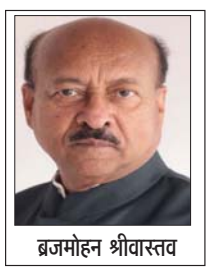

ब्रजमोहन श्रीवास्तव

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन राष्ट्रीय कानून निर्माण में उनकी भागीदारी नगण्य रही है। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, उन्हें विधानसभा और लोकसभा में अवसर तो मिले, परंतु उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक कानून-निर्माण के मंच पर उनकी उपस्थिति राजनैतिक परिस्थितियों और दलों की प्राथमिकताओं व नेताओं की मेहरबानी पर निर्भर रही।

तीन दशकों से अधिक समय के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं आया बल्कि महिलाओं द्वारा परिणाम की चिंता किये वगैर निरंतर प्रयासों और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका की छाप छोड़ने का परिणाम है। महिला आरक्षण संविधान-106वां संशोधन अधिनियम, 2023 के पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं

रहेगा, बल्कि वे राष्ट्र के नीति-निर्माण व कानून बनाने में बराबरी से भागीदार होंगी ।

यह ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। श्री मोदीजी का मानना है कि आरक्षण देने में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है इसलिए इसे अब और नहीं टाल सकते । हालांकि, इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है इसलिए यह 2029 के आम चुनावों में भी लागू हो सकता है।

महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों की यात्रा के यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीस वर्ष लगे है। 1992-93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगरीय निकायों में 33% आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं की भागीदारी का मार्ग कानूनी रूप से प्रशस्त हुआ। इसके बाद कई राज्यों ने इसे 50% तक बढ़ाया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50% महिला आरक्षण लागू है फलस्वरूप आज महिलाएँ अध्यक्ष, महापौर तथा पार्षद या नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व दे रही हैं।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है।

यह स्पष्ट है कि पिछले 30 वर्षों में महिलाओं का नेतृत्व क्रमिक रूप से विकसित हुआ है। इसी क्रमिक मजबूत आधार के कारण 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करना पड़ा, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है । यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है जिससे कुल आबादी का 50 प्रतिशत जो अभी तक मतदान तक सीमित था आने वाले समय में कानून निमार्ता की श्रेणी में आ जाएगा।

दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखते हुए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना किसी राजनैतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का नैतिक दायित्व है जिसे पूरा करने के लिये एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ रही है फिर विपक्ष चाहे कैसी भी पैंतरेबाजी करें ।

पिछले वर्षों में अधिकांश नीतियाँ पुरुष-प्रधान दृष्टिकोण से बनीं, उदाहरणार्थ, जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिये निर्माण की अनदेखी हुई। स्थानीय निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया क्योंकि यह उनकी भी जरूरत से जुड़ा था। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि जब नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो निर्णय अधिक संवेदनशील, समावेशी और व्यावहारिक होते हैं जिसमें सारी जनता की जरूरतों का समावेश होता है। महिला आरक्षण कानून की आलोचना करने वालों को इसे संकीर्ण राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए क्योंकि यह भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। आँकड़े बताते हैं कि जब महिलाएँ बराबरी से भागीदारी करती हैं, तो शासन अधिक प्रभावी, नीतियाँ अधिक संतुलित और समाज अधिक सशक्त बनता है।

आज महिलाएँ केवल सामाजिक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्योग, वित्त, तकनीक और प्रशासन के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि वे सक्षम प्रशासक, दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता और संवेदनशील निर्णयकर्ता हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वे उत्कृष्ट कानून-निमार्ता भी बनेंगी।

देश की महिलाओं ने हर स्तर पर अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में समान अवसर दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय केवल एक कानून नहीं, बल्कि नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने श्रीमती सुनेत्रा पवार को पहले महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री और फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित कर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। वह दिन दूर नहीं जब राज्यों में हम बड़ी संख्या में महिला मुख्यमंत्रियों को सरकार चलाते हुए देखेंगे ।

(पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता, राकांपा है)

10 अप्रैल को यूपी फाइनल वोटर लिस्ट, ऑनलाइन चेक करें सूची में

महानगर मेट्रो

लखनऊ।उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। 10 अप्रैल को निर्वाचन आयोग फाइनल वोटर लिस्ट जारी करेगा। इससे पहले रिकॉर्ड दुरुस्त करने का काम जारी है।

फाइनल वोटर लिस्ट जारी होने से पहले अधिकारी उच्च समीक्षा बैठक कर रहे हैं। यूपी में 4 नवंबर, 2025 को एसआईआर का काम शुरू हुआ था।

यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि फाइनल वोटर लिस्ट जारी होने के बाद इसे आधिकारिक रिकॉर्ड माना जाएगा। भविष्य के सभी संशोधनों का आधार यही बनेगा। 10 अप्रैल को सुबह 11 बजे सभी जिला निर्वाचन अधिकारी राजनीतिक दलों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान फाइनल वोटर लिस्ट उनको सौंपी जाएंगी। । राजनीतिक दलों को वोटर लिस्ट वितरण के बाद चुनाव आयोग कार्यालय में रसीद जमा करना अनिवार्य बनाया गया है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण का काम चल रहा है। 1 जनवरी 2026 को पात्रता तिथि के रूप में निर्धारित किया गया है। अधिकारियों को डेटा सत्यापन और अन?य प्रक्रियाओं को समय से पूरा करने का निर्देश दिया गया है। इससे अंतिम सूचियां निर्धारित समय पर डाउनलोड के लिए उपलब?ध हो सकेंगी।

नाम खोजने का पहला तरीका EPIC Number से खोजेंमतदाता सूची में ऑनलाइन अपना नाम खोजने के लिए आपको मतदाता सेवा पोर्टल https://electoralsearch.eci.gov.in/ पर जाना होगा। यहां पर आप आप अपनी भाषा का चयन कर सकते हैं।इसके बाद ईपीक नंबर (EPIC Number) बॉक्स में आपको अपना मतदाता सूची का नंबर लिखना है। राज्य का नाम उत्तर प्रदेश चुनना है। इसके बाद कैप्चा को भरकर आप सर्च बटन पर क्लिक करेंगे तो आपको वोटर लिस्ट में नाम है या नहीं दिख जाएगा।दूसरा तरीका विवरण से खोजें मतदाता सेवा पोर्टल https://electoralsearch.eci.gov.in/ पर दूसरा तरीका विवरण के साथ खोजने का दिया गया है। अगर आपको अपना मतदाता सूची नंबर यानी ईपिक नंबर याद नहीं है तो इस विधि का आप उपयोग कर सकते हैं।इस टैब में आपको सबसे पहले राज्य और भाषा चुननी है। इसके बाद आप अपना और अपने संबंधी का नाम अंकित कर सकते हैं। संबंधी में पिता का नाम दर्ज करना होगा। इसके बाद जन्म तिथि, आयु, लिंग, जिला और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र को चुनकर कैप्चा को भरें।

मां ने डेढ़ साल की बेटी को नाले में मार डाला, होशियारी के चक्कर में पकड़ी गई ममता

महानगर मेट्रो

आगरा।मासूम बच्ची जिस मां के आंचल में अपने आप को सुरक्षित समझती थी, उसने इस बेदर्दी से उसकी हत्या की है कि सुनने वालों को रूह कांप गई। बेरहम ने डेढ़ साल की बच?ची को नाले के पानी में डुबाकर मार डाला। कोई पहचान न ले, इसलिए उसके चेहरे को पत्थर से कुचल दिया और उसे यमुना किनारे फेंक कर भाग गई। इससे भी उसका दिल न भरा तो ये देखने चली आई कि कहीं वह जिंदा बच गई तो उसकी पोल खुल जाएगी। तभी मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो महिला ने अपना जुर्म कबूल करते हुए। मासूम की हत्या की वजह बताई।थाना नाई की मंडी क्षेत्र स्थित धाकरान इलाके के रहने वाले रामू धाकरे ने पुलिस को बताया कि उसने 2023 में बिहार की ममता से शादी की थी। 2024 में उसकी एक बच्ची हुई जिसका नाम उसने खुशी रखा था। मंगलवार सुबह 11.30 बजे ममता बेटी को दवा दिलाने की बात कहकर ले गई थी। शाम तक वापस नहीं लौटी तो वह उनको तलाशने लगा। इधर पुलिस को बच्ची का शव मिला तो शिनाख्त के लिए फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। फोटो देखकर रामू ने बच्ची को पहचान लिया।बच्ची की हत्या करने वाली ममता ने हत्या करने की घटना कबूल की है। पति की तहरीर पर ममता के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच चल रही है।एसीपी शेषमणि उपाध्याय,रामू ने पुलिस को बताया कि ममता किसी से फोन पर बात करती रहती थी। कई बार उसे रोका था, लेकिन वह नहीं मानती थी। कई बार बिना बताए घर से चली जाती थी। इस बात पर मंगलवार को भी झगड़ा हुआ था। उस दिन भी वह खुशी को अपने साथ लेकर निकल गई थी। घर से चली जाती थी। इस बात पर मंगलवार को भी झगड़ा हुआ था। उस दिन भी वह खुशी को अपने साथ लेकर निकल गई थी।

आंधी और बारिश से ताजमहल को नुकसान, रॉयल गेट से गिरे नक्काशी के पत्थर, खड़े हुए सवाल

महानगर मेट्रो

दिल्ली। दिल्ली में देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है, जिसमें 20 से ज्यादा IAS और DANICS अधिकारियों के तबादले किए गए हैं. इस फेरबदल में शिक्षा, जेल और इलेक्शन जैसे अहम विभागों में बदलाव के साथ-साथ जनगणना 2027 की तैयारियों पर भी जोर दिया गया है. दिल्ली में देर रात एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिला है. सरकार के आदेश पर एक साथ 20 से ज्यादा IAS और DANICS अधिकारियों के ट्रांसफर और नई पोस्टिंग की लिस्ट जारी की गई है. इस फेरबदल से साफ है कि प्रशासनिक स्तर पर कामकाज की रफ्तार बढ़ाने के लिए बड़ी तैयारी की गई है. इस फेरबदल में सबसे ज्यादा चर्चा दो वरिष्ठ अधिकारियों की हो रही है. पोस्टिंग का इंतजार कर रहे 1989 बैच के IAS नरेंद्र कुमार को दिल्ली का नया फाइनेंशियल कमिश्नर बनाया गया है. वहीं, IAS प्रशांत गोयल को फूड एंड सिविल सप्लाई विभाग में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, साथ ही उनके पास पावर और प्रशासनिक सुधार जैसे कई अन्य अहम विभाग भी रहेंगे. इसके अलावा, IAS सौम्या सौरभ को डीएम के साथ स्पेशल सेक्रेटरी का अतिरिक्त चार्ज मिला है, जबकि सोनिका सिंह को डीडीए में स्पेशल सेक्रेटरी बनाया गया है.इस पूरे फेरबदल का एक बड़ा हिस्सा दानिक्स (DANICS) अधिकारियों से जुड़ा है, जिन्हें शिक्षा, जेल, ट्रांसपोर्ट, रेवेन्यू और इलेक्शन जैसे महत्वपूर्ण विभागों में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं. कई अधिकारियों को डिप्टी सेक्रेटरी और असिस्टेंट कमिश्नर के पदों पर तैनात किया गया है. खास बात यह है कि मंत्रियों के दफ्तरों में भी नए चेहरों की एंट्री हुई है. साथ ही, कुछ अधिकारियों को तो विशेष रूप से जनगणना 2027 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए तैनात किया गया है.सरकार ने यह भी साफ किया है कि कुछ पुराने आदेशों में बदलाव किया गया है. खास तौर पर दानिक्स अधिकारी अमित कुमार से जुड़ा एक पुराना ट्रांसफर ऑर्डर रद्द कर दिया गया है. इस पूरे बदलाव को सिर्फ रूटीन ट्रांसफर के तौर पर नहीं देखा जा रहा है. जानकारों का मानना है कि यह एक प्रशासनिक रणनीति है ताकि अलग-अलग विभागों में काम की रफ्तार तेज हो सके. आने वाले समय में जनगणना और अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को 'री-सेट' किया गया है.कुल मिलाकर, इस फेरबदल के पीछे एक बड़ी प्रशासनिक सोच काम कर रही है, जिसका असर आने वाले दिनों में दिल्ली के कामकाज पर दिखेगा.

गाजियाबाद जाने वालों के लिए जरूरी खबर! 2 महीने बंद रहेगी नोएडा सेक्टर 62 की सर्विस रोड, जानिए वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद की ओर जाने वाली सर्विस रोड 9 अप्रैल से 10 जून तक पूरी तरह बंद रहेगी. मेट्रो लाइन-3 के विस्तार प्रोजेक्ट के तहत पियर P386 के पास दो खास स्टील स्पैन की नींव रखने और उन्हें खड़ा करने का काम चल रहा है. जिसकी वजह से सेक्टर 62 के पास यातायात के लिए वैकल्पिक रास्ते बनाए गए हैं.

नोएडा सेक्टर 62 के पास गाजियाबाद की ओर जाने वाली सर्विस रोड 9 अप्रैल से 10 जून तक पूरी तरह बंद रहेगी. दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने अपने आधिकारिक ङ्क अकाउंट पर जानकारी दी है कि मेट्रो प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य के कारण से ये सर्विस रोड बंद की जा रही है.

DMRC ने बताया कि पियर P386 के पास मेट्रो के दो खास

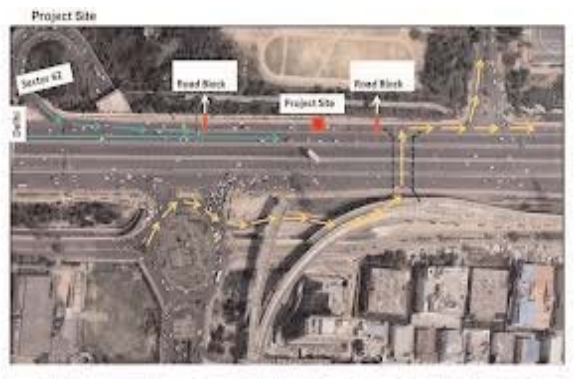

स्टील स्पैन के लिए नींव रखने और उन्हें खड़ा करने का काम चल रहा है. जिसकी वजह से सर्विस रोड बंद करने का फैसला किया गया है. मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, यह निर्माण कार्य मेट्रो सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए बहुत जरूरी है. नोएडा-गाजियाबाद कॉरिडोर पर मेट्रो की सुविधा बढ़ाने और ट्रेनों की आवाजाही को सुचारू बनाने के लिए यह काम जरूरी है.

बता दें कि यह काम मेट्रो लाइन-3 के विस्तार प्रोजेक्ट का हिस्सा है. इस एक्सटेंशन में नोएडा सिटी सेंटर से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी तक मेट्रो लाइन बढ़ाई जा रही है. इसके तहत ट्रेन रिवर्सल सुविधा बनाई जा रही है, ताकि ट्रेनें आसानी से दिशा बदल सकें. काम पूरा होने के बाद इसे फिर खोल दिया जाएगा.

ट्रैफिक पर क्या होगा असर?

इलाके में वाहनों की आवाजाही बंद होने से जाम लग सकता है. इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक रास्ते बना दिए हैं. DMRC ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा पहले से प्लान करें. अगर संभव हो तो इस रूट पर जाने से बचें या पर्याप्त समय लेकर निकलें. परेशानी से बचने के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगाए गए बोर्डों और निर्देशों का पालन करें. इस रूट पर सुबह और शाम पीक ऑवर्स में ज्यादा भीड़ और ट्रैफिक की समस्या हो सकती है. ऐसे में यात्रियों के लिए सलाह है कि नेविगेशन ऐप्स का इस्तेमाल करें और वैकल्पिक रास्ता चुनें. अगर जरूरी हो तो पब्लिक ट्रांसपोर्ट मेट्रोस बस का इस्तेमाल करें.

अखिलेश के दांव की काट निकालने उतरेंगे योगी-जयंत, पश्चिमी यूपी का दुर्ग दुरुस्त करने की लिखेंगे पटकथा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की दादरी रैली के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी की जनसभा पश्चिमी यूपी के मुजफ्फरनगर में होने जा रही है. इस तरह 2027 के चुनाव से पहले पश्चिमी यूपी नई राजनीतिक प्रयोगशाला बनता जा रहा है.

उत्तर प्रदेश में भले ही विधानसभा चुनाव का ऐलान न हुए हो, लेकिन चौधरियों के गढ़ माने जाने वाले पश्चिमी यूपी सियासी प्रयोगशाला बनता जा रहा है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुर्जर बहुल दादरी से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत कर गुर्जर-मुस्लिम समीकरण बनाया. उसी दिन मेरठ के सकौती गांव में जाट समाज के मसीहा वीर शिरोमणि महाराजा सूरजमल की प्रतिमा का अनावरण के बाद से पश्चिम यूपी में जाट बनाम ठाकुर का सियासी तापमान गर्म है.

योगी सरकार के मंत्री व निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने नोएडा से मिशन-2027 का आगाज किया और अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी भी पश्चिमी यूपी से चुनाव बिगुल फूंकने उतर रहे हैं. सीएम योगी-जयंत चौधरी 13 अक्तूबर को मुजफ्फरनगर में संयुक्त रूप से जनसभा संबोधित करेंगे. माना जा रहा है कि इस रैली के जरिए जाट समीकरण ही दुरुस्त करने की रणनीति नहीं बल्कि पश्चिमी यूपी के सियासी माहौल को भाजपामय बनाकर नई सियासी इबारत लिखने की है?

जयंत-योगी की जोड़ी लिखेगी नई पटकथा

पश्चिमी यूपी के अखिलेश की दादरी रैली के बाद अब 13 अप्रैल को मुजफ्फरनगर के नुमाइश ग्राउंड में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी संयुक्त जनसभा संबोधित

करेंगे. इसके लिए पहले उन्हें 9 अप्रैल को रोजगार मेले का उद्घाटन करना के लिए आना था. मेले में लगभग 150 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां शामिल होंगी. इन कंपनियों के द्वारा लगभग 5000 युवक-युवतियों को रोजगार दिए जाने की संभावना है. अब यह आयोजन 13 अप्रैल को हो रहा है, जिसका उद्घाटन सीएम योगी करेंगे. इसे 2027 के विधानसभा चुनाव के लिहाज से अहम माना जा रहा है.

योगी और जयंत चौधरी की मुजफ्फरनहर रैली को मिशन-2027 के अभियान के शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है. बीजेपी और आरएलडी के लोग मुजफ्फरनगर में बड़ी संख्या में भीड जुटाने के लिए कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया है. मुजफ्फरनगर ही नहीं बल्कि कैराना, मेरठ और सहारनपुर से भी भीड़ जुटाने की तैयारी है. मुजफ्फरनगर आरएलडी का मजबूत गढ़ रहा है तो भाजपा गठबंधन के साथ उसकी ताकत और बढ़ी है. योगी और जयंत मुजफ्फरनगर में जनसभा कर नई पटकथा लिख सकते हैं.

जाट-ठाकुर-गुर्जर वोटों को साधने का चैलेंज

बीजेपी के पूर्व सांसद संजीव बालियान और संगीत सोम की सियासी अदावत के चलते मुजफ्फरनगर ही नहीं बल्कि जाट बनाम ठाकुर की सियासत पश्चिमी यूपी में पूरी तरह के गर्मा गई है. जाट और ठाकुर के बीच सियासी खाई गहरी हुई है, जिसके चलते बीजेपी के बेचैनी बढ़ी है. यही नहीं शिरोमणि महाराजा सूरजमल की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा पीएम मोदी और सीएम योगी पर दिए बयानों से बीजेपी की जाट राजनीति में हलचल है.

पश्चिम उत्तर प्रदेश में जाट और गुर्जर दोनों सबसे प्रभावशाली राजनीतिक फैक्टर हैं. वर्ष 2014 के लोक सभा और 2017 में विधान सभा चुनाव के दौरान जाट और गुर्जर दोनों भाजपा के पक्ष में आए, लेकिन 2022 के विधान सभा चुनाव में जाटों का बड़ा वोट आरएलडी के पास वापस जाता दिखाई पड़ा, लेकिन 2024 के चुनाव में जाट वोटर्स में बिखराव दिखा है. ऐसे में 2027 के चुनाव से पहले बीजेपी कई जाट नेताओं की बेचैनी बढ़ी है तो सपा के गुर्जर पॉलिटिक्स ने सियासी टेंशन और भी बढ़ा रखी है.

बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में जयंत चौधरी से हाथ मिलाकर जाट वोटों को लेकर अपना तनाव टाल दिया, लेकिन उपेक्षा का आरोप लगाकर नाराज गुर्जरों ने बीजेपी को आगाह किया कि 2027 में समाज नई राह पकड़ सकता है. ऐसे में गुर्जर समाज का मलाल दूर करने के फार्मूले पर काम रही है, जिसका संदेश सीएम योगी अपनी रैली से दे सकते हैं तो जयंत चौधरी जाट और गुर्जर दोनों के बीच सियासी बैलेंस बनाते हुए नजर आएंगे.

पश्चिम यूपी से तय होती यूपी की सत्ता पश्चिम यूपी के जरिए लखनऊ की सत्ता की दशा और दिशा तय होती है. बीजेपी ने उत्तर प्रदेश में अपना राजनीतिक वनवास को पश्चिमी यूपी के जरिए ही खत्म करने में कामयाब रही है. 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव हो या फिर 2017 और 2022 का विधानसभा चुनाव, पश्चिमी यूपी में बीजेपी का पलड़ा भारी रही. 2024 में जरूर पश्चिमी के एक बेल्ट में बीजेपी को नुकसान उठाना पड़ा हो, लेकिन पूर्वांचल की तुलना में कम हुआ है.

यूपी की कुल 403 विधानसभा सीटों में से 137 सीटें पश्चिमी यूपी में आती है, जो 26 जिलों में फैली हुई है. 2024 के लोकसभा चुनाव के लिहाज से विधानसभा सीटों में बढ़त देखे तो बीजेपी 78 विधानसभा सीट पर आगे थी तो सपा को 54 सीटों पर बढ़त मिली थी. दलित नेता चंद्रशेखर की पार्टी को 5 सीटों पर बढ़त मिली थी. बीजेपी ने इस चुनाव में जयंत चौधरी की आरएलडी से गठबंधन कर रखा था.

गुर्जर वोटों को कैसे जोड़ेगी बीजेपी

2022 के विधानसभा चुनाव में सपा-आरएलडी का गठबंधन था, जयंत और अखिलेश की जोड़ी ने मेरठ, शामली, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, संभल और रामपुर सहित बरेली में बीजेपी को तगड़ा झटका दिया था. अब जयंत बीजेपी के साथ है तो अखिलेश की नजर गुर्जर वोटों पर है, जिसके लिए अखिलेश ने दादरी रैली में गुर्जर समाज से वादा किया है.

सपा के सत्ता में आते हैं तो लखनऊ में तीन गुर्जर महानायकों मिहिर भोज,कोतवाल धन सिंह गुर्जर एवं स्वतंत्रता सेनानी विजय सिंह पथिक की प्रतिमाएं लगाने का काम करेंगे. इसके चलते पश्चिमी यूपी में बीजेपी के लिए अपने सियासी समीकरण को साधने की चुनौती खड़ी हो गई है. गुर्जर, जाट से लेकर ठाकुर वोट तक बीजेपी से छिटक रहा है, जिसके साधे बिना सत्ता की हैट्रिक लगाना आसान नहीं है.

सीएम योगी के एक फैसले से यूपी सरकार ने बचा लिए 97000000000 रुपये, देश में नंबर वन बना उत्तर प्रदेश

जेम्स पोर्टल पर खरीद के मामले में यूपी देश का नंबर वन राज्य बनकर उभरा है

महानगर मेट्रो

लखनऊ। देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश ने एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस पोर्टल के जरिए खरीद करने के मामले में उत्तर प्रदेश, देश का नंबर वन राज्य बन गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़े इसके गवाह हैं। यूपी सरकार ने इस वित्त वर्ष में तद्रूपोर्टल के माध्यम से 22337 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड खरीद की है। इसके अलावा 14009 करोड़ रुपये की खरीद के साथ गुजरात दूसरे नंबर, 6113 करोड़ रुपये की खरीद से महाराष्ट्र तीसरे नंबर और 4278 करोड़ रुपये की खरीद दर्ज कर दिल्ली चौथे स्थान पर है।

इतना ही नहीं, यूपी सरकार ने इस दौरान GeM पोर्टल के रिवर्स ऑक्शन के जरिए 9700 करोड़ रुपये की बचत भी की है। टीओई की रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां पारंपरिक टेंडर सिस्टम को खत्म कर सरकारी खरीद के लिए पूरी तरह से जेम पोर्टल को अपनाया गया है। इस संबंध में सरकार ने 26 नवंबर 2024 को जेम खरीद नीति जारी की थी। सरकार की तरफ से आदेश जारी होने के बाद ऐसी 33 से ज्यादा खरीद

रद्द कर दी गईं, जिनके लिए पहले निर्देश जारी किए गए थे। जेम खरीद नीति से किस तरह बदलाव आया है, पुराने आंकड़े इसके गवाह हैं।

साल 2023-24 में 20248 करोड़ रुपये की सरकारी खरीद की गई, लेकिन अगले वित्त वर्ष 2024-25 में यह खरीद घटकर 16822 करोड़ रह गई। जबकि, 2025-26 में इस खरीद में बड़ा उछाल आया है।

यूपी ने कैसे की 9700 करोड़ रुपये की बचत?

इस बदलाव से जहां लागत घटी और कार्यकुशलता बढ़ी, वहीं रिवर्स ऑक्शन (उल्टी बोली) के जरिए 9700 करोड़ रुपये की बचत भी सरकार ने की। आंकड़े बताते हैं कि साल 2025-26 में यूपी सरकार की तरफ से 10 लाख रुपए से ऊपर की रकम के 19962 टेंडर जारी किए गए।

इनमें से 42 फीसदी टेंडर रिवर्स ऑक्शन के जरिए पूरे कर दिए गए। इन सभी टेंडरों की अनुमानित कीमत 16284 करोड़ थी, लेकिन अंतिम खरीद आदेश सिर्फ 6523 करोड़ रुपये के जारी किए गए। नतीजा ये हुआ कि औसत लागत में तकरीबन 60 फीसदी की कमी आई।

केंद्र ने कहा, आदर्श है यूपी की जेम खरीद नीति

बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक की और इस बात पर खुशी जाहिर जताई, कि केंद्र सरकार ने प्रदेश सरकार की जेम खरीद नीति की तारीफ की है।

बैठक में सीएम योगी ने जेम पोर्टल के जरिए खरीद करने वाले टॉप 10 विभागों की जानकारी लेते हुए कहा कि अन्य विभाग भी अनिवार्य तौर पर अपनी खरीद सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने सीएम योगी को बताया कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश की जेम खरीद नीति को आदर्श नीति बताया है और साथ ही अन्य राज्यों से

ट्रैफिक रफ्तार के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर दिल्ली

महानगर मेट्रो

दिल्ली । दिल्ली ट्रैफिक रफ्तार के मामले में न्यूयॉर्क, ब्रिटेन समेत दुनिया के कई बड़े शहरों से बेहतर है। हॉलैंड की कंपनी 'टॉम टॉम' की रिसर्च के अनुसार, दिल्ली 25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ एवरेज स्पीड के मामले में देश के दस बड़े शहरों में टॉप पर है। दुनिया में पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलिया का मेलबर्न पहले नंबर पर है।

ब्रिटेन के पूर्व पीएम ऋषि सुनक ने फरवरी में हुए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस समिट के दौरान दिल्ली के ट्रैफिक जाम पर तंज कसा था। दिलचस्प ये है कि राजधानी में ट्रैफिक के हालात ब्रिटेन की राजधानी लंदन और अमेरिका की कैपिटल न्यूयॉर्क से बेहतर है। यही नहीं, दिल्ली में गाड़ियों की रफ्तार देश के कई महानगरों से भी बेहतर है।

चाहे मामला जाम का हो या स्पीड का, दिल्ली दुनिया के कई बड़े शहरों से बेहतर है। यह दावा है एडवांस ट्रैफिक डेटा और एनालिटिक्स करने वाली हॉलैंड की कंपनी 'टॉम टॉम' का है, जिसने दुनिया के बड़े शहरों की वर्ल्डवाइड रैंकिंग ट्रैफिक इंडेक्स 2025 के तहत इसे जारी किया है।

दिल्ली 25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ एवरेज स्पीड के मामले में देश के दस बड़े शहरों में टॉप पर है। इसके मुताबिक, दिल्ली में 15 मिनट में औसतन 6.3 किलोमीटर की दूरी तय की जा सकती है। मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, एर्नाकुलम, चेन्नै, हैदराबाद और पुणे, एवरेज स्पीड और औसत दूरी तय करने के मामले में दिल्ली से बहुत पीछे हैं। इस लिस्ट में कोलकाता और बेंगलुरु फिसड्डी हैं, जहां 15 मिनट में औसतन 4.3 और 4.2 किलोमीटर तक की ही दूरी तय हो सकती है।

वैश्विक स्तर पर दूसरे नंबर पर दिल्ली

वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो औसत रफ्तार के मामले में दिल्ली दुनिया के बड़े शहरों में दूसरे पायदान पर है। इसने टोक्यो, पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन को भी पछाड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया का मेलबर्न 26.3 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत रफ्तार के साथ पहले नंबर पर है,

अप्रैल का 11 साल में सबसे ठंडा दिन दर्ज अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री रहा

महानगर मेट्रो

दिल्ली । दिल्ली में बुधवार को मौसम ने अचानक करवट ली और अप्रैल का महीना होने के बावजूद ठंडक का एहसास देखने को मिला. दिनभर छाए बादल, तेज हवाएं और हल्की बारिश के चलते राजधानी का तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया. सफदरजंग मौसम केंद्र पर अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.9 डिग्री कम है. यह अप्रैल महीने का पिछले 11 वर्षों में सबसे कम अधिकतम तापमान है. इससे पहले 23 अप्रैल 2016 को अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था.बारिश की बात करें तो पिछले 24 घंटे में सुबह साढ़े 8 बजे तक सफदरजंग में 6.4 मिमी बारिश दर्ज की गई. यह 4 अप्रैल 2023 के बाद सबसे अधिक बारिश मानी जा रही है, जब 16.3 मिमी वर्षा हुई थी. हालांकि, सुबह साढ़े 8 बजे से शाम साढ़े 5 बजे के बीच अलग अलग इलाकों में बारिश का स्तर अलग रहा. पालम में 0.6 मिमी बारिश हुई, जबकि लोधी रोड पर केवल नाममात्र की बारिश दर्ज की गई. सफदरजंग, रिज और आयानगर में इस दौरान कोई बारिश दर्ज नहीं हुई.

पश्चिमी विक्षोभ बना मौसम बदलाव की बड़ी वजह

दिल्ली के अलग अलग इलाकों में तापमान भी सामान्य से काफी नीचे रहा. पालम में अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 8.3 डिग्री कम है. लोधी रोड पर 28.0 डिग्री, रिज पर 28.8 डिग्री और आयानगर में 28.0 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, जो सभी जगह सामान्य से 6 से 7 डिग्री कम रहा. न्यूनतम तापमान की बात करें तो सफदरजंग में यह 16.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.2 डिग्री कम है. पालम में 15.5 डिग्री, लोधी रोड में 16.2 डिग्री, रिज में 15.3 डिग्री और आयानगर में 16.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया.मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. अखिल श्रीवास्तव के अनुसार, इस बदलाव की मुख्य वजह पश्चिमी विक्षोभ है, जो इस समय उत्तर पंजाब और आसपास के जम्मू कश्मीर क्षेत्र में सक्रिय है. इसके कारण उत्तर पश्चिम भारत में गरज और बारिश होती रही. उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में मौसम में फिर बदलाव होगा. गुरुवार से तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होने की संभावना है. पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में 6 से 8 डिग्री और उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में 8 से 10 डिग्री तक तापमान बढ़ सकता है.

PG के बेड बॉक्स में मिली विवाहित महिला की लाश

महानगर मेट्रो

दिल्ली। मंगोलपुरी में एक पीजी में के बेड के बॉक्स में एक विवाहित महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि 35 वर्षीय महिला की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 35 वर्षीय महिला का शव 'पेइंग गेस्ट' (पीजी) के बेड के बॉक्स में से बरामद हुआ है और उस पर गला घोंटे जाने के निशान हैं। सात अप्रैल को मंगोलपुरी थाने में सूचना दी गई कि पत्थर मार्केट स्थित एक इमारत के एक कमरे में एक महिला के बेहोश पड़े होने का संदेह है। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और पाया कि इमारत की तीसरी मंजिल पर एक व्यक्ति पीजी का संचालन कर रहा है।

मंगोलपुरी की रहनी वाली थी मृतका

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कमरे की तलाशी के दौरान, एक महिला का शव बेड के बॉक्स से बरामद किया गया। शव पर गला घोंटे जाने के स्पष्ट निशान थे और माथे पर चोट का निशान था। घटनास्थल पर अपराध जांच दल और एफएसएल की टीम को बुलाया गया और आगे की जांच के लिए साक्ष्य जब्त किए गए। मृतका की पहचान मंगोलपुरी निवासी के रूप में हुई।

जांच में आया सामने

.दिल्ली पुलिस अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि उसके आरोपी दीपक के साथ प्रेम संबंध थे। पुलिस ने बताया कि सात अप्रैल को विवाहित महिला पीजी में आई थी और शाम करीब 4.30 बजे उसकी मुलाकात आरोपी दीपक से हुई, जो स्वयं भी शादीशुदा है। दोनों करीब एक घंटे तक एक कमरे में रहे। आरोपी के चले जाने के बाद पीजी मालिक को शक हुआ और उसने पुलिस को सूचना दी।आरोपियों को हो चुकी पहचान-जांच के आधार पर, आठ अप्रैल को मंगोलपुरी थाने में भारतीय न्याय संहिता की हत्या सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

लंगूर के हाथ अंगूर, पानी की तलाश में खरगोन मार्केट पहुंचे वानर राज, फल की दुकान में जमा लिया डेरा

महानगर मेट्रो

खरगोन। जिले के सेगांव में इन दिनों एक नटखट मेहमान ने व्यापारियों की नाक में दम कर रखा है। भीषण गर्मी और पानी की तलाश में जंगल से भटककर आए एक लंगूर ने बाजार की एक फल दुकान को अपना ठिकाना बना लिया। बंदर का अंदाज ऐसा था मानो वह खुद ही दुकान का असली मालिक हो।

दुकान पर जमाया कब्जा

बाजार में सजी फलों की दुकान देखकर लंगूर का मन ऐसा ललचाया कि वह सीधे कैरेटों के बीच जा बैठा। वह पूरे रौब के साथ दुकान पर जमा रहा, जिसके चलते दहशत में आए ग्राहकों ने दुकान के पास फटकना ही बंद कर दिया। जब कोई ग्राहक नहीं आया, तो कपिराज ने खुद ही बिना बोहनी के फलों को खाना शुरू कर दिया और रसीले आम, केले और अंगूरों पर टूट पड़ा।

व्यापारी को लगा हजारों का चूना

लंगूर ने केवल फल खाए ही नहीं, बल्कि कई फलों को इधर-उधर फेंककर बर्बाद भी कर दिया। दुकानदार श्याम गुप्ता ने बताया कि लंगूर काफी आक्रामक था। उसने बाजार से गुजर रही एक महिला के सिर से गेहूं की पोटली तक छीन ली। व्यापारी का कहना है कि इस मेहमान की वजह से उसे हजारों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।

बाजार में फैली दहशत

पिछले दो दिनों से जारी इस उत्पात ने बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंगूर गर्मी की वजह से काफी चिड़चिड़ा हो गया है। व्यापारियों ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि इस लंगूर को जल्द पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाए।

MP में शराब दुकानों का टोटका फेल, 15 राउंड के बाद भी 400 दुकानें खाली, अब कौड़ियों के दाम पर नीलामी की तैयारी

महानगर मेट्रो

भोपाल। मध्य प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों की नीलामी सरकार के लिए गले की फांस बन गई है। भारी-भरकम राजस्व लक्ष्य का पीछा कर रहे आबकारी विभाग ने बुधवार को एक बड़ा और चौंकाने वाला फैसला लिया। विभाग ने अनबिकी 400 से अधिक शराब दुकानों के 'बेस प्राइस' में 5% की अतिरिक्त कटौती कर दी है। अब ये दुकानें अपने मूल बेस प्राइस से 35% कम कीमत पर ऑफर की जा रही हैं।

कैबिनेट कमेटी के फैसले को किया दरकिनार

हैरानी की बात यह है कि विभाग का यह कदम कैबिनेट की उस उप-समिति के फैसले के खिलाफ है, जिसने इस हफ्ते की शुरुआत में तय किया था कि कीमतें 30% से ज्यादा कम नहीं की जाएंगी। नीलामी में आ रही तों को देखते हुए एक सदस्य ने तो छत्तीसगढ़ की तर्ज पर 'सरकारी निगम' बनाकर दुकानें चलाने का सुझाव तक दे दिया था।

3,000 करोड़ का बड़ा घाटा

राज्य सरकार ने इस साल शराब की नीलामी से 19,000 करोड़ से अधिक जुटाने का लक्ष्य रखा था, जिसके लिए बेस प्राइस में पिछले साल के मुकाबले 20% की बढ़ोतरी की गई थी। लेकिन बाजार की बेरुखी ने सरकार के समीकरण बिगाड़ दिए हैं। वर्तमान में विभाग अपने राजस्व लक्ष्य से करीब 3,000 करोड़ पीछे चल रहा है।

जब राजस्व का लक्ष्य वास्तविकता से परे होता है, तो बाजार इसी तरह प्रतिक्रिया देता है। 35% की कटौती विभाग की हताशा को दर्शाती है, क्योंकि 400 से ज्यादा दुकानों का बंद रहना सरकार के लिए और भी बड़े घाटे का सौदा है। आबकारी विभाग के पूर्व अधिकारी

अब एक दुकान, एक खरीदार का नया नियम

खरीदारों को लुभाने के लिए विभाग ने अपना पुराना 'ग्रुपिंग सिस्टम' भी खत्म कर दिया है। पहले भोपाल जैसे शहरों में 2 से 5 दुकानों का समूह बनाकर नीलामी होती थी। अब नए सर्कुलर के मुताबिक, केवल एक दुकान प्रति बोलीदाता का नियम लागू किया गया है। 10वें राउंड के बाद यह बदलाव किया गया ताकि छोटे ठेकेदार भी मैदान में उतर सकें। राज्य सरकार ने इस साल शराब की नीलामी से 19,000 करोड़ से अधिक जुटाने का लक्ष्य रखा था, जिसके लिए बेस प्राइस में पिछले साल के मुकाबले 20% की बढ़ोतरी की गई थी। लेकिन बाजार की बेरुखी ने सरकार के समीकरण बिगाड़ दिए हैं। वर्तमान में विभाग अपने राजस्व लक्ष्य से करीब 3,000 करोड़ पीछे चल रहा है।जब राजस्व का लक्ष्य वास्तविकता से परे होता है, तो बाजार इसी तरह प्रतिक्रिया देता है। 35% की कटौती विभाग की हताशा को दर्शाती है, क्योंकि 400 से ज्यादा दुकानों का बंद रहना सरकार के लिए और भी बड़े घाटे का सौदा है। आबकारी विभाग के पूर्व अधिकारी क्योंकि 400 से ज्यादा दुकानों का बंद रहना सरकार के लिए और भी बड़े घाटे का सौदा है। आबकारी विभाग के पूर्व अधिकारी

बारामती में सुनेत्रा पवार की राह आसान उपचुनाव में अब निर्दलीयों से मुकाबला

महानगर मेट्रो

मुंबई महाराष्ट्र की राजनीति में बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है. कांग्रेस ने इस सीट से अपना उम्मीदवार वापस लेने का फैसला किया है. कांग्रेस उम्मीदवार ने नामांकन की अंतिम तिथि से ठीक पहले अपना पर्चा वापस ले लिया. इसके साथ ही कांग्रेस इस उपचुनाव की दौड़ से बाहर हो गई है. हालांकि, सुनेत्रा पवार के सामने अब भी 20 से ज्यादा निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में हैं. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने गुरुवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम राज्य की राजनीतिक संस्कृति और मर्यादा को बनाए रखने के लिए उठाया गया है. उन्होंने यह भी साफ किया है कि वह किसी भी अन्य उम्मीदवार को समर्थन नहीं दे रही है. इस फैसले के पीछे सबसे बड़ा कारण अजित पवार का हाल ही में हुआ दुखद निधन बताया जा रहा है. अजित पवार, जो महाराष्ट्र के प्रमुख नेताओं में से एक थे, की मौत एक विमान हादसे में हो गई थी. उनके निधन के बाद बारामती सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है. सुनेत्रा पवार यहां से चुनाव लड़ रही हैं. सपकाल ने कहा कि ऐसी संवेदनशील स्थिति में कांग्रेस ने दो कदम पीछे हटने का निर्णय लिया है, ताकि राज्य की राजनीतिक परंपराओं और आपसी सम्मान को बनाए रखा जा सके. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी का यह फैसला किसी राजनीतिक दबाव का परिणाम नहीं है. दरअसल, बारामती सीट से चुनाव लड़ रहीं डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने खुद कांग्रेस नेतृत्व से संपर्क किया था. उन्होंने कई बार हर्षवर्धन सपकाल से बातचीत की और दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर उम्मीदवार वापस लेने का अनुरोध किया था. इसके अलावा एनसीपी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल और धनंजय मुंडे ने भी कांग्रेस से इस मुद्दे पर सहयोग की अपील की थी.हालांकि कांग्रेस के हटने के बावजूद बारामती में चुनाव टलने वाला नहीं है. सपकाल के अनुसार, इस सीट पर 20 से ज्यादा उम्मीदवार मैदान में हैं, इसलिए 23 अप्रैल को मतदान और 4 मई को मतगणना तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगी. सपकाल ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से किसी तरह का कोई दबाव नहीं था. कांग्रेस ने यह फैसला पूरी तरह अपनी सोच और परंपरा के आधार पर लिया है.आगे की रणनीति पर बात करते हुए कांग्रेस ने संकेत दिया कि यह केवल एक अस्थायी कदम है. पार्टी 2029 के विधानसभा चुनाव में बारामती से मजबूती के साथ वापसी करेगी और अपना उम्मीदवार जरूर उतारेगी. इस फैसले के पीछे सबसे बड़ा कारण अजित पवार का हाल ही में हुआ दुखद निधन बताया जा रहा है. अजित पवार, जो महाराष्ट्र के प्रमुख नेताओं में से एक थे, की मौत एक विमान हादसे में हो गई थी. उनके निधन के बाद बारामती सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है. सुनेत्रा पवार यहां से चुनाव लड़ रही हैं. सपकाल ने कहा कि ऐसी संवेदनशील स्थिति में कांग्रेस ने दो कदम पीछे हटने का निर्णय लिया है, ताकि राज्य की राजनीतिक परंपराओं और आपसी सम्मान को बनाए रखा जा सके. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी का यह फैसला किसी राजनीतिक दबाव का परिणाम नहीं है. दरअसल, बारामती सीट से चुनाव लड़ रहीं डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने खुद कांग्रेस नेतृत्व से संपर्क किया था.उन्होंने कई बार हर्षवर्धन सपकाल से बातचीत की और दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर उम्मीदवार वापस लेने का अनुरोध किया दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर उम्मीदवार वापस लेने का अनुरोध किया

मैच के बीच बजा दिया DJ, वाइब्रेशन के बीच छत्ते से उड़ने लगीं मधुमक्खियां, हमले में रिटायर्ड कर्मचारी की मौत

महानगर मेट्रो

नागपुर । नागपुर में डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे छात्र ने लाखों रुपये हारने के बाद ट्रेन में चोरी शुरू कर दी. रेलवे पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से आरोपी को पकड़कर 23 लाख के गहने बरामद किए हैं, जिससे बेटिंग के खतरनाक असर एक बार फिर सामने आए हैं.

भारत सरकार ने ऑनलाइन बेटिंग एप पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है ,बावजूद इसके इन ऑनलाइन बेटिंग के जाल ने युवाओं को घेर रखा है. ताज़ा मामला महाराष्ट्र के नागपुर का है ,जहां डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे छात्र ने इसी ऑनलाइन बेटिंग एप की वजह से चोरी करना शुरू कर दिया. नागपुर पुलिस ने युवक के पास से करीब 23 लाख का माल भी जब्त किया है.ये पूरा मामला महाराष्ट्र राज्य के नागपुर के रेलवे स्टेशन का है जहां बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेन पहुंची. इसी ट्रेन में छत्तीसगढ़ के रायपुर का रहने वाला चंदवानी परिवार सफर कर रहा था. तभी ट्रेन नागपुर स्टेशन रुकी, और अचानक से महिला का बैग गुम हो गया , महिला के सिरहाने में रखे पर्स में सोने के गहने और 20,000 रुपये नकद रखे थे. रेलवे पुलिस ने करीब 9 दिनों तक मामले की जांच की और मामला सुलझा लिया, पुलिस ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले , जिससे एक संदिग्ध की पहचान हुई. दरअसल, ये युवक फिर से 7 अप्रैल को चोरी के इरादे से रेलवे स्टेशन में घूम रहा था , तभी चेकिंग के दौरान भागने की कोशिश करने लगा ,लेकिन रेलवे पुलिस ने उसे पकड़ लिया गया. पकड़ा गया आरोपी युवक महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले का रहने वाला है. उसका नाम रोहित दूय्येवार है जो कि नागपुर के वेटरनरी कॉलेज में डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहा है. रेलवे पुलिस के मुताबिक आरोपी रोहित के पास से करीब 23 लाख रुपये के गहने बरामद किए गए हैं. बाकी सामान की तलाश जारी है. जांच में पता चला कि आरोपी ऑनलाइन बेटिंग में काफी पैसा हार गया था, जिसके कारण उसने चोरी का रास्ता अपनाया.

मुंबई में बड़े हवाला रैकेट का खुलासा, फेक पासपोर्ट संग मो. इस्लाम इस्माइल खान अरेस्ट

मलाड ईस्ट में तीन जगहों पर एक साथ छापेमारी करके एक हवाला रैकेट का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो

मोहम्मद इस्लाम इस्माइल खान उर्फ सलीम रहमतुल्लाह शेख (49), को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया

मुंबई। कुरार थाना क्षेत्र में तीन स्थानों पर छापेमारी कर मुंबई पुलिस ने हवाला रैकेट का भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर आतंकवाद-विरोधी शाखा और विशेष शाखा की तीन टीमों ने स्थानीय पुलिस की तीन टीमों के साथ मिलकर दो आवासीय परिसरों और एक कार्यालय पर एक साथ छापेमारी की। आरोपी की पहचान मोहम्मद इस्लाम इस्माइल खान (48) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उसने जाली पासपोर्ट दस्तावेजों पर सलीम रहमतुल्लाह शेख नाम से भी फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया था।

कुरार पुलिस स्टेशन में आरोपी मोहम्मद इस्लाम इस्माइल खान उर्फ ??सलीम रहमतुल्लाह शेख के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उसके ऊपर फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल करके हवाला नेटवर्क चलाने और संदिग्ध आतंकी फंडिंग सहित अवैध वित्तीय गतिविधियों में कथित रूप से शामिल होने का आरोप है। मुंबई में तैनात पुलिस हेड कांस्टेबल की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

कुवैत की करता था यात्रा

मुंबई पुलिस की विशेष शाखा को मिली गोपनीय सूचना के अनुसार संदिग्ध ने फर्जी पहचान के तहत फर्जी पासपोर्ट प्राप्त किया था। वह भारत और कुवैत के बीच अक्सर यात्रा करता था। आरोप है कि वह हवाला लेनदेन और अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल था, जिनमें आतंकवाद के लिए संदिग्ध वित्तपोषण भी शामिल है।

प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने सलीम रहमतुल्लाह शेख के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाने और उस जाली दस्तावेज़ का उपयोग करके कुवैत की यात्रा करने की बात स्वीकार की।

आरोपी मोहम्मद इस्लाम इस्माइल खान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4), 319(2), 336(3), 337, 340(2), और 180 के तहत, साथ ही पासपोर्ट अधिनियम, 1967 की धारा 12(1)(b) और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 1999 की धारा 3 और 13 के तहत FIR दर्ज की गई है।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त

महाराष्ट्की स्पेशल ब्रांच की एंटी-टेररिज्म ब्रांच (ATB) ने कुरार, मलाड ईस्ट में तीन जगहों पर एक साथ छापेमारी करके एक हवाला रैकेट का भंडाफोड़ किया। एक आरोपी, मोहम्मद इस्लाम इस्माइल खान उर्फ सलीम रहमतुल्लाह शेख (49), को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने एक फर्जी भारतीय पासपोर्ट, 12,47,650 रुपए नकद और लैपटॉप, टैबलेट और मोबाइल फोन सहित 1.60 लाख रुपए मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए। जब्त की गई संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 14,07,650 रुपए आंका गया है। इससे पहले मार्च में पुलिस और आतंकवाद-विरोधी प्रकोष्ठ द्वारा चलाए गए एक संयुक्त अभियान में वाकोला क्षेत्र से दो युगांडा की महिलाओं को वैध दस्तावेजों के बिना भारत में कथित रूप से रहने के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

पुलिस ने क्या-क्या किया जब्त

ये छापे फ्लैट नंबर 1302, फातिमा टावर, पठानवाड़ी; फ्लैट नंबर 904, डी-विंग, सुगरा पार्क, आरएस रोड; और पारेख ओवरसीज़ बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर बने एक ऑफिस में मारे गए। ये सभी जगहें मलाड ईस्ट में हैं। इस ऑपरेशन के दौरान, अधिकारियों ने ?12.5 लाख की नगदी, कुवैती दीनार के रूप में लगभग ?2 लाख की विदेशी मुद्रा, कई नकली पासपोर्ट, नौ मोबाइल फ़ोन, एक लैपटॉप, एक iPad और बड़ी संख्या में दस्तावेज़ ज़ब्त किए, जिनमें बैंक वायर ट्रांसफर के रिकॉर्ड भी शामिल थे।

ऐसे नेटवर्क तक पहुंची पुलिस

हिरासत में ली गई महिलाओं की पहचान नाकायंडो रोज (37) और केमिगिसा प्रोस्कोविया (26) के रूप में हुई थी। पुलिस के अनुसार, ये दोनों पिछले कुछ वर्षों से मुंबई के कलिना क्षेत्र में रह रही थीं, लेकिन उनके पास देश में रहने के लिए वैध वीजा या आवश्यक कानूनी दस्तावेज नहीं थे। लंबे समय तक अवैध रूप से रहने के बारे में मिली विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने इलाके में छापेमारी की।

इससे पहले, फरवरी में मुंबई पुलिस ने आतंकवाद विरोधी प्रकोष्ठ (एटीसी) के समन्वय से शहर में रह रहे अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी थी और चल रहे सत्यापन और निर्वासन अभियान के तहत पिछले सप्ताह 30 से अधिक व्यक्तियों को हिरासत में लिया था।लंबे समय तक अवैध रूप से रहने के बारे में मिली विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने इलाके में छापेमारी की।इससे पहले, फरवरी में मुंबई पुलिस ने आतंकवाद विरोधी प्रकोष्ठ (एटीसी) के समन्वय से शहर में रह रहे अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी थी और चल रहे सत्यापन और निर्वासन अभियान के तहत पिछले सप्ताह 30 से अधिक व्यक्तियों को हिरासत में लिया था।

लंबे समय तक अवैध रूप से रहने के बारे में मिली विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने इलाके में छापेमारी की, हिरासत में लिया था।

प्रिंसिपल को POCSO में फंसाने की धमकी, 7 लाख वसूले

महानगर मेट्रो

पुर्ण । पुणे से एक गंभीर मामला सामने आया है. यहां पुलिसकर्मी ही उगाही के आरोपों में घिर गए हैं. इस मामले में एक महिला पुलिस कॉन्स्टेबल समेत तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है. आरोप है कि इन लोगों ने एक स्कूल प्रिंसिपल को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी और उससे 7 लाख रुपये वसूल लिए. लेडी कॉन्स्टेबल सोशल मीडिया पर 'रील स्टार' के रूप में मशहूर है.आरोपियों की पहचान पुलिस सब-इंस्पेक्टर अजीत बडे, कॉन्स्टेबल सुदाम तायड़े और दामिनी स्क्वाड की सदस्य सोनाली हिंगे के रूप में हुई है. सोनाली हिंगे इंस्टाग्राम पर भी काफी एक्टिव हैं और उनके करीब 40 हजार फॉलोअर्स हैं. यह केस पुणे के बंडगार्डन पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है.पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पुणे के एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के 55 वर्षीय प्रिंसिपल को निशाना बनाया. उन्होंने प्रिंसिपल को यह कहकर डराया कि उनके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत गंभीर मामला दर्ज किया जाएगा. इस कानून के तहत मामला दर्ज होने पर गिरफ्तारी और सामाजिक बदनामी का खतरा रहता है, जिसका फायदा उठाकर आरोपियों ने दबाव बनाया.आरोपियों ने पुलिस की वर्दी और पद का दुरुपयोग करते हुए प्रिंसिपल को यह भरोसा दिलाया कि अगर वह पैसे दे देंगे तो मामला सेटल कर दिया जाएगा और उन्हें किसी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा. इस डर और दबाव में आकर प्रिंसिपल ने आरोपियों को 7 लाख रुपये दे दिए. हालांकि, बाद में प्रिंसिपल को इस पूरे मामले पर शक हुआ. उन्हें लगा कि उनके साथ धोखा किया गया है. इसके बाद उन्होंने हिम्मत जुटाकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया और पूरे घटनाक्रम की शिकायत दर्ज कराई.जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी पुलिसकर्मी स्कूल में गुड टच-बैड टच जागरूकता कार्यक्रम के नाम पर पहुंचे थे. इसी दौरान उन्होंने मौके का फायदा उठाकर प्रिंसिपल को टारगेट किया और बाद में उन्हें धमकाकर पैसे वसूल लिए.आरोपी अजीत बडे वर्तमान में साइबर पुलिस स्टेशन में तैनात है, जबकि सोनाली हिंगे और सुदाम तायड़े शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन से जुड़े हुए हैं. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने जांच के आदेश दिए.शुरुआती जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है. पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस तरह की घटनाओं में और लोग भी शामिल हैं या नहीं.

नासिक की MNC में यौन शोषण: 8 महिलाओं ने लगाए गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो

नासिक । नासिक में एक मल्टीनेशनल कंपनी से महिला कर्मचारियों के यौन शोषण, मानसिक उत्पीड़न और धार्मिक दबाव के गंभीर आरोप सामने आए हैं. कई पीड़िताओं की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है. अब इस पूरे मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम (SIT) गठित की गई है. नासिक में एक प्रतिष्ठित मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाली युवा महिला कर्मचारियों के साथ यौन शोषण और मानसिक उत्पीड़न का मामला सामने आया है. इस मामले में पुलिस ने अब तक छह आरोपियों को अरेस्ट किया है, जिनमें कंपनी के टीम लीडर और इंजीनियर स्तर के कर्मचारी शामिल बताए जा रहे हैं. पुलिस के मुताबिक, इस मामले में अलग-अलग थानों में कुल नौ केस दर्ज किए गए हैं. मुंबई नाका पुलिस स्टेशन में आठ और देवलाली पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया है. इन मामलों में रेप, छेड़छाड़, धार्मिक भावनाएं आहत करने और मानसिक उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं.

शिकायत करने वाली महिलाओं ने आरोप लगाया है कि कंपनी के भीतर पिछले दो से तीन वर्षों से यह सब चल रहा था. उन्होंने बताया कि आरोपी उन्हें शारीरिक रूप से परेशान करने की कोशिश करते थे, उनके कपड़ों और शरीर पर आपत्तिजनक कमेंट किए जाते थे. मानसिक दबाव बनाया जाता था. कुछ मामलों में धार्मिक कमेंट और जबरन धार्मिक गतिविधियों में शामिल करने के भी आरोप लगाए गए हैं.पीड़िताओं ने यह भी दावा किया कि उन्होंने कंपनी के ॥क्र डिपार्टमेंट में शिकायत की थी, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई. इसके चलते अब ॥क्रसे जुड़ी एक महिला अधिकारी के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है.इस पूरे मामले में एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है. एक पुरुष कर्मचारी ने भी आरोप लगाया है कि उसका ब्रेनवॉश किया गया और उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया. शिकायत के अनुसार, उसे विशेष धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने और खान-पान से जुड़ी आदतें बदलने के लिए मजबूर किया गया.पुलिस ने बताया कि आरोपियों में कुछ के नाम आसिफ अंसारी, शफी शेख, शाहरुख कुरैशी, रजा मेमन और तौसीफ अत्तर शामिल हैं. इनमें से एक आरोपी पर रेप का आरोप है, जिसने कथित तौर पर पीड़िता को प्रेम जाल में फंसाकर उसका शोषण किया.शिकायत करने वाली महिलाओं की उम्र आमतौर पर 18 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है.

500 रुपए जुर्माना, एक घंटे तक गांव में झाड़ू, एमपी के इस गांव में गलती से भी मत बकना गाली

महानगर मेट्रो

बुरहानपुर। जिले का बोरसर गांव गाली मुक्त हो गया है। इस गांव में गाली बकने पर सजा का प्रावधान किया गया है।

गाली देने पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही एक घंटे तक गांव में झाड़ू लगानी पड़ेगी।बुरहानपुर जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर बोरसर गांव है। इस गांव की आबादी 6 हजार है। गांव ने गाली-गलौच मुक्त होने का गौरव हासिल किया है। बोरसर गांव में अगर कोई व्यक्ति गाली देता है तो उस पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही एक घंटे तक गांव में झाड़ू लगानी होगी।

गांव के लोगों ने गाली मुक्त बनाने का उठाया बीड़ा

दरअसल, ग्राम पंचायत बोरसर के सरपंच अंतरसिंह, उपसरपंच विनोद शिंदे सहित अभिनेता अश्विन पाटिल ने गांव को गाली मुक्त बनाने का बीड़ा उठाया है। सबों ने मिलकर गांव में संस्कार नवाचार की नींव रखी है, पूरे गांव में कही भी गाली गलौच करते पाए गए तो खैर नहीं होंगी। यह नियम सभी लोगों के लिए बराबर है।

गाली देने पर लगेगा 500 रुपए का जुर्माना

वहीं, गांव में गाली देने पर सजा का भी प्रावधान किया गया है। गाली-गलौज करने पर 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। साथ ही एक घंटे तक गांव में झाड़ू लगाने की सजा है। यह पहल युवाओं को सभ्य और जागरूक बनाने के लिए की गई है। साथ ही उनकी पढ़ाई लिखाई के लिए पुस्तकालय खोला गया है। यहां कर्म, धर्म सहित जनरल नॉलेज और स्कूली पाठ्यक्रम की किताबों का खजाना उपलब्ध कराया है।

गांव में चार जगहों पर फ्री वाई-फाई की सुविधा

इसके अलावा गांव में इंटरनेट क्रांति लाई गई है, गांव में 4 स्थानों पर फ्री वाई-फाई स्थापित किया है। इसके बाद गांव इंटरनेट कनेक्शन से जुड़ गया है, हर व्यक्ति फ्री इंटरनेट का लाभ उठा रहा है। इसके अलावा हर घर हरियाली अभियान के तहत लोगों को पौधे वितरित किए गए है, ताकि गांव को सिर्फ इंटरनेट क्रांति, बल्कि हरित क्रांति से भी जोड़ा जाए, इससे बोरसर गांव का विकास होगा।

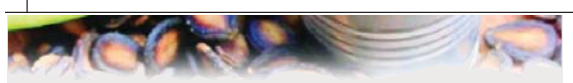

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है।अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।

छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत-जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण सें पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

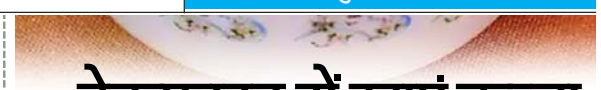

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 931 अंक, निफ्टी 222 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक करीब 1.20 फीसदी की गिरावट के साथ 76,631.65 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 222.25 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी नीचे आकर 23,775.10 पर बंद हुआ।

बाजार में ये गिरावट बैंकिंग शेयरों के कारण आई है। निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.75 फीसदी की कमजोरी के साथ सबसे अधिक गिरा। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.41 फीसदी , निफ्टी पीएसयू बैंक 1.27 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.19 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.75 फीसदी और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.39 फीसदी नीचे आया। वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.56 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.25 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.13 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.82 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर 0.71 फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.66 फीसदी उछलकर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बीईएल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा सबसे अधिक लाभ में रहे। इंडिगो, एलएंडटी, इटरनल, एचडीएफसी बैंक,आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एमएंडएम और बजाज फिनसर्व सबसे अधिक नुकसान में रहे थे। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 179.25 अंक या 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 56,978.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.95 अंक या 0.17 फीसदी की तेजी के साथ 16,566 पर बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली से भी बाजार गिरा है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर बैंकिंग व आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 300 अंकों की गिरावट के साथ 77,319 पर खुला। वहीं निफ्टी भी कमजोर

रुख के साथ 23,909 पर खुला और बाद में हल्की गिरावट के साथ 23,944 के आसपास कारोबार करता नजर आया।

प्रीमियर एनर्जीज को 2,577 करोड़ के मिले ठेके

नई दिल्ली ।

प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 1,600 मेगावाट सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा इन ठेकों का निष्पादन वित्त वर्ष 2027-28 और 2028-29 के दौरान किया जाएगा।इसमें कहा गया कि बढ़ती ऑर्डर बुक कंपनी के विस्तार को दर्शाती है। सितंबर 2026 तक सौर सेल क्षमता 10.6 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है जबकि मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता हाल ही में बढ़ाकर 11.1 गीगावाट की गई है। प्रीमियर एनर्जीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि ठेकों की यह मजबूत आमद विनिर्माण क्षमताओं एवं हमारे प्रौद्योगिकी खाके पर ग्राहकों के भरोसे को दर्शाती है।

एलपीजी की आपूर्ति सुरक्षित, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर के भाव स्थिर

- किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद भारत में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। 9 अप्रैल को घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 913 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,078.50 रुपये बनी हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को हमेशा प्राथमिकता दी जा रही है। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति संतुलित तरीके से सुनिश्चित की जा रही है ताकि घरेलू जरूरतों को पहले पूरा किया जा सके। मंत्रालय ने यह भी कहा कि अब लगभग 95 फीसदी एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन हो रही है और 91 फीसदी डिलीवरी डीएसी के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। डिजिटल बुकिंग और पारदर्शी वितरण प्रणाली के कारण सिलेंडरों की चोरी और डायवर्जन पर काफी हद तक रोक लगी है। सरकार ने सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। सिर्फ एक दिन में लगभग 4,000 छापे मारे गए और 1,000 सिलेंडर जब्त किए गए।

किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा है। देश के प्रमुख शहरों में एलपीजी की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली - घरेलू 913 रुपए, कमर्शियल 2,078.50 रुपए, जयपुर घरेलू- 916.50, कमर्शियल 2,031, पटना घरेलू- 1,011, कमर्शियल 2,365, लखनऊ घरेलू 950.50, कमर्शियल 2,201, मुंबई घरेलू 912.50, कमर्शियल 2,031, कोलकाता घरेलू 939, कमर्शियल 2,208 और चेन्नई घरेलू 928.50, कमर्शियल 2,246.50 रुपये।

भारत-अमे रिका की आपूर्ति श्रंखलाओं को मजबूत करेगा नया व्यापार सुगमता पोर्टल

नई दिल्ली ।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ नया व्यापार सुगमता पोर्टल लॉन्च किया है। यह पोर्टल दोनों देशों के बीच आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और नए व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने का काम करेगा। मिस्री ने बताया कि यह पोर्टल एक सेतु का कार्य करेगा, जो मौजूदा आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता सुनिश्चित करेगा और नए व्यापारिक अवसरों को उत्पन्न करने में मदद करेगा। पोर्टल का उद्देश्य दोनों देशों के व्यवसायियों के लिए सहयोग और संपर्क को सरल बनाना है। विदेश सचिव बुधवार से अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका में हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा सहयोग और वैश्विक घटनाक्रम जैसे मध्य पूर्व संकट पर चर्चा करेंगे। इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत समेत दोनों देशों के वरिष्ठ

अधिकारी और व्यापारिक प्रतिनिधि मौजूद थे।

भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले वर्ष मई में कुछ तनाव देखा गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विवादित दावों और वाशिंगटन द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क के बाद रिश्तों में गिरावट आई थी।

फरवरी में दोनों देशों ने आपसी लाभकारी व्यापार के लिए अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति व्यक्त की।

घरेलू दवा बाजार में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में तेजी रही

. मूल्य वृद्धि और स्थिर मांग से बाजार में 10ण्5 फीसदी की उच्चतम तिमाही वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली

। भारत का घरेलू फार्मास्यूटिकल बाजार वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में मजबूती के साथ बंद हुआ। बाजार अनुसंधान कंपनी फार्मारैक के अनुसारए चौथी तिमाही में लगभग 10ण्5 प्रतिशत की कुल वृद्धि दर्ज की गईए जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे ऊंची है। वृद्धि में मुख्य योगदान कीमतों की बढ़ोतरी ;5ण्4द्ध5ण्5 फीसदीद्ध का रहाए जबकि वास्तविक खपत में सुधार सीमित रहाए लगभग 1ण्7 फीसदी। मासिक डेटा में स्थिरता दिखी. जनवरी में 10ण्2ए फरवरी में 11 ;शीर्षद्ध और मार्च में 10ण्1 फीसदी। इस स्थिरता से पता चलता है कि सभी चिकित्सा क्षेत्रों में मांग मजबूत रही। विशेष रूप से पुरानी बीमारियों और स्पेशियलिटी दवाओं का योगदान लगातार वृद्धि में अहम रहा। यह संकेत है कि बाजार न केवल कीमतों पर निर्भर हैए बल्कि धीरे.धीरे वास्तविक खपत में सुधार भी आ रहा है। विश्लेषक मानते हैं कि अगर आने वाली तिमाहियों में वॉल्यूम ग्रोथ और बढ़ती हैए तो यह स्वस्थ और टिकाऊ विकास का संकेत देगा।

होर्मुज स्ट्रेट तनाव तेल बाजार में फिर उछाल, वैश्विक सप्लाई पर चिंता

स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग

नई दिल्ली ।

सीजफायर के बाद राहत की उम्मीद कर रहे तेल बाजार को नए झटके का सामना करना पड़ा है। एक दिन की गिरावट के बाद ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में तेज उछाल आया है। यह अनिश्चितता मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में होर्मुज स्ट्रेट के संचालन को लेकर बनी रही। ब्रेंट क्रूड लगभग 2.86 फीसदी बढ़कर 97.46 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.56 फीसदी चढ़कर 97.77 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। पिछले कारोबारी सत्र में दोनों बेंचमार्क 100 डॉलर के नीचे फिसल गए थे, जिसमें डब्ल्यूटीआई ने अप्रैल 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की थी। स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग है।

ईराक, सऊदी अरब, कुवैत और कतर जैसी प्रमुख तेल उत्पादक देशों के निर्यात इसी मार्ग से होते हैं। इसलिए इस मार्ग में किसी भी बाधा से पूरी दुनिया में तेल की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। सीजफायर की घोषणा के बावजूद बुधवार को इस स्ट्रेट से केवल 4 जहाज गुजर पाए। ईरान ने कहा कि वह रोजाना केवल 12

जहाजों को ही गुजरने देगा और टोल वसूलेगा, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे टोल फ्री करने का दावा किया। इस भिन्न रुख से बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल का तनाव अब तक के सबसे बड़े तेल संकटों में से एक बन सकता है।

पहले यह तनाव कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक ले गया था, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर था। शिपिंग कंपनियां स्पष्टता मिलने तक आवाजाही सामान्य नहीं करेंगी, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना हुआ है।

युद्धविराम से कच्चे तेल में नरमी, लेकिन कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर

अमेरिका-ईरान-इजरायल तनाव में अस्थायी राहत के बावजूद सप्लाई संकट से बाजार दबाव में

नई दिल्ली ।

अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि सप्लाई चेन पर पड़े असर के कारण कीमतें अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी ऊपर बनी रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में नरमी देखने को मिली है, जिसका मुख्य कारण अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच घोषित दो हफ्तों का युद्धविराम है। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट के अनुसार, 28 फरवरी 2026 से जारी सैन्य संघर्ष के दौरान यह पहली बार है जब तनाव में कुछ ठहराव आया है। उनके मुताबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2 अप्रैल को लगभग 128 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो अब घटकर 93 से 95 डॉलर के बीच आ गई है। उनका कहना है कि हमलों में कमी आने से बाजार में शामिल ÷कन्फ्लिक्ट प्रीमियम÷ घटा है, जिससे कीमतों में यह गिरावट आई है। हालांकि, स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। खाड़ी देशों के ऊर्जा ढांचे, तेल टैंकरों और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट में बाधाओं ने तेल निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे उत्पादन में कटौती करनी पड़ी। उनका कहना है कि यह संकट 1973 के तेल संकट के बाद सबसे बड़ा झटका साबित हो सकता है। संघर्ष शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में करीब 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और यह अब भी युद्ध से पहले के स्तर से लगभग 35 प्रतिशत अधिक है। विश्लेषकों के अनुसार इस स्थिति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। इससे वैश्विक विकास दर में 0.20 से 0.30 प्रतिशत तक कमी और महंगाई में 0.70 से 0.90 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में भले ही अभी राहत दिख रही हो, लेकिन कीमतों का जल्द सामान्य होना मुश्किल नजर आ रहा है।

सिग्नेचर ग्लोबल की 2025.26 में बिक्री बुकिंग घटकर 8ए220 करोड़ रही

पिछले साल कंपनी की बिक्री बुकिंग 1.620 करोड़ रुपये थी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड की वित्त वर्ष 2025.26 में बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रही।

वहीं चौथी ;जनवरी.मार्चद्ध तिमाही में बिक्री बुकिंग ;प्री.सेल्सद्ध पांच प्रतिशत घटकर 1ए540 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग 1ए620 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025.26 में उसकी बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रह गईए जो 2024.25 में 10ए290 करोड़ रुपये थी। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि कंपनी ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित आरएमजेड समूह के साथ संयुक्त उद्यम के जरिये वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में प्रवेश कर रणनीतिक कदम उठाया है। यह संयुक्त उद्यम 18 एकड़ के वाणिज्यिक परियोजना के विकास में करीब 7ए500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। उन्होंने कहा` कि आगे बढ़ते हुए हम विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन और सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित रखेंगेए साथ ही उच्च.विकास वाले सूक्ष्म बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करेंगे। वित्त वर्ष 2025.26 की शुरुआत में सिग्नेचर ग्लोबल ने 12ए500 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा था। हालांकिए तीसरी तिमाही के बाद कंपनी ने कहा था कि गुरुग्राम के आवासीय बाजार में मांग नरम पड़ने के कारण वह यह लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगी।

सीएनजी कारों का जलवा भारत में हर चौथी कार अब सीएनजी पर दौड़ रही

नई दिल्ली ।

भारत के कार बाजार में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। अब खरीदार पहले कितना देती है नहीं, बल्कि कितना बचाती है सवाल पूछ रहे हैं। बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों और कम रनिंग कॉस्ट के कारण सीएनजी विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2026 के आंकड़े बताते हैं कि अब देश में बिकने वाली हर चार में से एक कार सीएनजी पर चलती है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा)के अनुसार` वित्त वर्ष 2026 में देश भर में 47.05 लाख पैसेंजर व्हीकल्स बिकीं, जिनमें लगभग 10.34 लाख सीएनजी कारें थीं। इसका मतलब है कि सीएनजी की हिस्सेदारी अब 22 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि तीन साल पहले यह केवल 12-13 प्रतिशत थी। पेट्रोल का शेयर घटकर 47.48 फीसदी और डीजल का 18.08 फीसदी रह गया है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़कर 4.25 फीसदी हो गई है। सीएनजी का खर्च प्रति किलोमीटर पेट्रोल से 40-50 फीसदी तक कम है। भले ही सीएनजी कारें 80,000-1,00,000 रुपये महंगी हों, 15,000-20,000 किलोमीटर सालाना चलाने वाले लोग अतिरिक्त लागत 18 महीनों में

निकाल लेते हैं। देशभर में सीएनजी पंपों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, जिससे महंगे ईंधन की तुलना में सीएनजी भरवाना आसान हो गया है। मारुति, हुंडई और टाटा जैसे ब्रांड फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी कारें पेश कर रहे हैं। अब हैचबैक, सेडान और एसयूवी तक सीएनजी पोर्टफोलियो फैल गया है। टाटा ने`` वित्त वर्ष 26 में 1.72 लाख सीएनजी यूनिट बेचीं, जो सालाना 24 फीसदी की बढ़त है। सीएनजी की लोकप्रियता सिर्फ कारों तक सीमित नहीं रही। बजाज ने दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 लॉन्च की, जबकि टीवीएस ने जूपीटर सीएनजी पर काम शुरू किया है।

सोने का भाव 1129 रुपए टूटा, चांदी में 4068 की गिरावट

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी में गुरुवार को सोने और चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में नरमी देखने को मिली, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा। गुरुवार को घरेलू वायदा बाजार में सोना और चांदी दोनों कमजोर रुख के साथ कारोबार करते नजर आए। मल्टी कमो डिटी एक्सचेंज आफ इं डिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 1,129 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,647 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,51,776 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट करीब 776 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,000 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,51,452 रुपये का उच्च और 1,50,647 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट 4,068 रुपये टूटकर 2,35,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,39,918 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह करीब 3,793 रुपये की गिरावट के साथ 2,36,125 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

दिन के दौरान इसने 2,36,187 रुपये का उच्च और 2,35,133 रुपये का निचला स्तर छुआ।

अनंत अंबानी ने कोयंबटूर के जीएसआईएफ को दिया बड़ा योगदान

- मरीजों के लिए 50 दिन तक मुफ्त रिहैबिलिटेशन सुनिश्चित

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने कोयंबटूर स्थित गंगा स्पाइन इंजरी फाउंडेशन (जीएसआईएफ) को महत्वपूर्ण योगदान देने की घोषणा की है। यह कदम स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से जूझ रहे मरीजों के लिए अमूल्य रिहैबिलिटेशन सेवा सुनिश्चित करेगा। अनंत अंबानी ने यह फैसला अपने जन्मदिन 10 अप्रैल से ठीक पहले लिया। जीएसआईएफ ने उनके उदार योगदान के लिए आभार जताया। फाउंडेशन के अनुसार, इस योगदान से मरीजों को 50 दिन या उससे अधिक समय तक पूर्ण, मुफ्त और व्यापक रिहैबिलिटेशन सेवाएं प्राप्त होंगी, जो उनकी व्यक्तिगत रिकवरी आवश्यकताओं पर आधारित होंगी। इस पहल के तहत मरीजों को मेडिकल केयर, फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, मोबिलिटी और व्हीलचेयर ट्रेनिंग, ब्लैडर और बाउल मैनेजमेंट, साइकोलॉजिकल काउंसलिंग, न्यूट्रिशनल सपोर्ट और वोकेशनल/फंक्शनल रिहैबिलिटेशन जैसी सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य मरीजों को आत्मनिर्भर, काम पर लौटने योग्य और समाज में सम्मान के साथ फिर से एकीकृत करना है। जीएसआईएफ के एक अे धिकारी ने कहा, हम इस सार्थक सहयोग के लिए गहराई से आभारी हैं। यह योगदान मरीजों

और उनके परिवारों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालेगा, उन्हें उम्मीद और सम्मान के साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा।

रुपया 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। युद्धविराम के बावजूद इजराइल के लेबनान पर बमबारी जारी रखने की स्थिति में ईरान के वार्ता से बाहर निकलने की धमकी ने निवेशकों को चिंतित कर दिया है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में स्थिति नाजुक बनी रहने से बाजार मजबूत रुख अपनाने के बजाय 'प्रतीक्षा करो और देखो' की स्थिति में हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.63 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.03 पर रहा।

झांसी में रूह कंपा देने वाले दोहरे हत्याकांड का खुलासा : गुजरात से लाई गई महिला की कुल्हाड़ी से हत्या, मासूम बेटे को जिंदा जलाया

झांसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से रूह को कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने सभी के दिलों को झकझोर कर रख दिया है। दरअसल एक शख्स ने अपनी प्रेमिका और उसके तीन वर्षीय मासूम बच्चे को गुजरात से झांसी लाकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। जहां महिला को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला, वहीं उसके मासूम बेटे को भूसे के ढेर में डालकर जिंदा जला दिया। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा महिला की पचान होने के बाद बुधवार को हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उक्त घटना का पता 5 अप्रैल को चला था, जब झांसी जिले के लहचूरा क्षेत्र में सड़क किनारे एक महिला का शव बरामद हुआ। शुरुआत में शव की पहचान नहीं हो सकी। बरौटा गांव के प्रधान रामप्रसाद ने पुलिस को बताया कि जिस घर के पास महिला का शव मिला, वह चतुर्भुज का है। पुलिस ने चतुर्भुज की पत्नी हेमलता से फोन पर संपर्क किया, जिसने खुलासा किया कि वह दिल्ली में है और उसके पति चतुर्भुज के गुजरात की नीलू नाम की एक महिला से संबंध हैं। हेमलता ने बताया कि चतुर्भुज नीलू को अपनी पत्नी की तरह रखता है और उसके साथ उसका तीन साल का बेटा कृष्णा भी रहता है।

यूपी में किडनी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में किडनी तस्करी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट का लेकर खुलासा हुआ है। कानपुर पुलिस को गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले हैं, जिसमें एक में लिवर ट्रांसप्लांट की जानकारी सामने आई। इस समूह में 700 से अधिक सदस्य हैं, जिसमें किडनी और लिवर से जुड़े दलाल और आरोपी शामिल हैं। इससे पुलिस का ध्यान अब मानव अंगों की व्यापक तस्करी की ओर बढ़ गया है। किडनी कांड से जुड़े बड़े आरोपी बागपत निवासी परवेज सैफी को हाल ही में जेल भेजा गया। उसके पास से 9.05 लाख बरामद हुए। जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना गाजियाबाद का डॉ.रोहित अलग-अलग मोबाइल नंबरों के जरिए ऑपरेशन टीम, किडनी एजेंट और अन्य आरोपी सदस्यों से संपर्क करता था। उसकी सभी नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकाली जा रही हैं। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि पहले ही टेलीग्राम ग्रुप में किडनी डोनर से जुड़ी जानकारी मिली थी। अब लिवर डोनर वाले तीसरे ग्रुप की पहचान हुई है। गिरोह का दावा है कि यह लोग सिर्फ किडनी ही नहीं, बल्कि लिवर ट्रांसप्लांट भी करवा रहे थे।

फिर सामने आया महबूबा का पाकिस्तान प्रेम...संघर्ष को रुकवाने के लिए दिया धन्यवाद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को लेकर नई बहस छिड़ गई है, जिसमें पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और वर्तमान सीएम उमर अबदुल्ला के बयान चर्चा का केंद्र में हैं। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच हालिया तनाव और संघर्षविराम को लेकर दोनों नेताओं ने अलग-अलग बयान दिए हैं। जहां उमर ने कहा

कि मौजूदा संघर्ष की असली कुंजी अब भी अमेरिका के हाथ में है। उनका मानना है कि यदि अमेरिका अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर इजराइल को नियंत्रित नहीं करता, तब संघर्षविराम लंबे समय तक टिक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि यह टकराव ईरान पर थोपा गया है और इसका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वैश्विक शक्तियां स्थिति को कैसे संभालती हैं। उमर ने लेबनान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताकर चेतावनी दी कि हालात बिगड़ने पर संघर्ष और भड़क सकता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बदलते बयानों की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि इस तरह की अस्थिर भाषा वैश्विक स्तर पर भ्रम और अस्थिरता पैदा करती है। साथ ही उन्होंने भारत-इजराइल संबंधों पर इशारा कर कहा कि इससे भारत की निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका सीमित हो सकती है। वहीं दूसरी ओर, महबूबा मुफ्ती ने संघर्षविराम को राहत भरा कदम बताया, लेकिन उनके बयान विवाद का कारण बन गए। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने संघर्ष के दौरान आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, जबकि अमेरिका पर नागरिक ठिकानों पर हमले करने का आरोप लगाया। उन्होंने ईरान की सराहना करते हुए कहा कि उसने दबाव के बावजूद मजबूती दिखाई। सबसे अधिक चर्चा उनके उस बयान पर हो रही है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ की। महबूबा के अनुसार, पाकिस्तान ने संघर्ष को विश्व युद्ध में बदलने से रोकने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शिमला में अप्रैल में दिसंबर जैसी ठंडी का अहसास... न्यूनतम तापमान .6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

शिमला(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अप्रैल माह में अभूतपूर्व ठंड दर्ज की गई है, इस ठंड ने पिछले 23 वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। बीती रात न्यूनतम तापमान गिरकर 3.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से करीब 7 डिग्री कम है। इससे पहले 22 अप्रैल 2021 को न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के 2003 से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यह अप्रैल की सबसे ठंडी रात रही। सिर्फ शिमला ही नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल में तापमान में भारी गिरावट देखी गई है। बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि के कारण मौसम जनवरी-फरवरी जैसा ठंडा हो गया है। राज्य के तीन शहरों में तापमान शून्य से नीचे चला गया, जबकि कई स्थानों पर यह 5 डिग्री से भी कम दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में भी बड़ी गिरावट आई है। राज्य का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 11 डिग्री कम रहा, जबकि कुछ जगहों पर यह गिरावट 14 डिग्री तक पहुंच गई। कांगड़ा में अधिकतम तापमान 18 डिग्री, मंडी में 18.7 डिग्री और मनाली में केवल 8.6 डिग्री दर्ज किया गया। शिमला में अधिकतम तापमान 11.4 डिग्री तक सीमित रहा। पिछले एक सप्ताह में राज्य में सामान्य से 169 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। 2 से 8 अप्रैल के बीच जहां सामान्यत: 16 मिमी वर्षा होती है, वहीं इस बार 43 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस असामान्य मौसम ने ठंड को बढ़ाने के साथ-साथ सेब के बगीचों को भी नुकसान पहुंचाया है।

समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य : भागवत

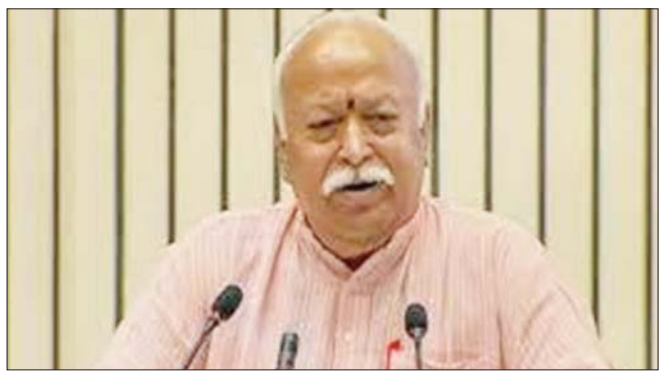

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में रेशीमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागपुर महानगर के घोष पथक के इतिहास पर आधारित 'राष्ट्र स्वराधना' नामक हस्तलिखित ग्रंथ के लोकार्पण मौके पर सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने कहा कि संघ के घोषदल में विभिन्न वाद्य यंत्र होते हैं, जिनके स्वर और ध्वनि अलग-अलग होते हुए भी स्वयंसेवक एक ही ताल पर चलते हैं। इससे समन्वय और एकता की भावना विकसित होती है। जब कोई कार्य मन और पूरी निष्ठा के साथ होता है, तब उसका परिणाम इसी रूप में प्रकट होता है और सत्यम-शिवम-सुंदरम का अनुभव होता है। समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य है। इस मौके पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, सह संघचालक श्रीधरजी गाडगे, महानगर संघचालक राजेश लोया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नागपुर महानगर घोष वादकों ने विभिन्न रचनाएँ एवं प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किए। सरसंघचालक भागवत ने कहा कि संघ के सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य संस्कारों का निर्माण करना है। सुदृढ़ शरीर और संस्कारित मन के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण जीवन की दिशा में आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य है। इस दृष्टि से 'राष्ट्र स्वराधना' का हस्तलिखित इतिहास अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय बीत जाता है, कार्य खड़ा हो जाता है, परंतु जो मौलिक गुणवत्ता शुरुआत में थी, उस गुणवत्ता को अंत तक बनाए रखना महत्वपूर्ण बात है। हमने कार्य विकट परिस्थिति में कैसे खड़ा किया और किस उद्देश्य से किया, इसका सदैव स्मरण हस्तलिखित ग्रंथ देने वाला है। स्वयंसेवक पेशेवर गायक या वादक न होते हुए भी, अपने दैनिक कार्यों को संभालते हुए, बिना सामने कागज रखे इतनी सारी रचनाएँ कैसे प्रस्तुत कर लेते हैं, इस पर लोगों को आश्चर्य होता है। परंतु चमत्कार करना संघ का उद्देश्य नहीं होता, वह स्वयं घटित हो जाता है। पूर्व स्वयंसेवकों के सदुण इन रचनाओं में मिलते हैं और दिखाई देते हैं। भाव तभी उत्पन्न होता है, जब वादक मनःपूर्वक वादन करता है। उन्होंने कहा कि संघ का काम किसी की कृपा से आगे नहीं बढ़ा और न ही किसी की अवकृपा से संघ का काम रुका है। यह सबकुछ लाखों स्वयंसेवकों के परिश्रम से साकार हुआ है। संघ को अपना मानकर संघ के विचार के अनुसार राष्ट्र का स्वरूप खड़ा करने में सभी स्वयंसेवकों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी, इसकारण संघ आज देश को दिशा दर्शन करने वाली शक्ति का रूप लेकर खड़ा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का इस वर्ष शताब्दी वर्ष है। संगठन के निरंतर कार्य को सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह कोई उत्सव (सेलिब्रेशन) नहीं है, बल्कि यह आत्मावलोकन का अवसर है पूर्वजों का स्मरण करते हुए और अधिक उन्नत स्थिति की ओर बढ़ने का प्रयास है। आज के स्वयंसेवकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने पूर्वजों के कार्यों का मूल्यांकन करें और स्वयं को उनके साथ तुलना कर आगे बढ़ें। पूर्वजों द्वारा किए गए कार्य को केवल सुरक्षित रखना ही नहीं, बल्कि उसे और अधिक उन्नत रूप में आगे ले जाना वर्तमान पीढ़ी का कर्तव्य है।

इंदौर में वंदे मातरम गाने से इंकार पर बवाल, कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख सदन से सस्पेंड

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर नगर निगम के बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्टी की महिला पार्षद ने वंदे मातरम गाने इंकार किया, इसके बाद विवाद खड़ा हो गया। यह घटना तब हुई, जब कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम बैठक में देर से पहुंचीं। बताया जाता है कि भाजपा पार्षदों ने फौजिया से वंदे मातरम गाने का अनुरोध किया, इस अनुरोध को उन्होंने अस्वीकार किया। इसके बाद भाजपा पार्षदों ने हंगामा कर नारे लगाए। बाद में, अध्यक्ष मुन्नालाल यादव ने फौजिया को एक दिन के लिए बैठक से निलंबित किया। अध्यक्ष मुन्नालाल ने बताया कि वंदे मातरम गीत को 150 वर्ष पूरे हो चुके हैं और केंद्र ने दिशानिर्देश जारी किए हैं कि इस सभी सरकारी कार्यालयों में गाया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्षद फौजिया वंदे मातरम गाने के दौरान अनुपस्थित रहीं और बाद में सदन में आकर कार्यवाही में बाधा डालने लगीं। जब सदस्यों ने बताया कि उन्हें उस समय उपस्थित रहना चाहिए था, तब उन्होंने गीत के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस बीच, कांग्रेस पार्षद रुबीना खान ने कहा कि वह पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हैं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं। उन्होंने कहा कि उस दिन क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है। रुबीना ने कहा कि फौजिया बोल रही थीं और मुझे नहीं पता कि उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने कहा कि वह वंदे मातरम नहीं गाएंगी। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया और अध्यक्ष ने उन्हें एक दिन के लिए निष्कासित कर दिया। मैं पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हूं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं, लेकिन आज क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है।

नितिन नबीन ने कहा- ममता बांग्लादेशियों की तो भाजपा बंगालियों की करती है चिंता

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों से लेकर नेताओं की बयानबाजी तक पर बेबाक टिप्पणी की है। एक विशेष बातचीत के दौरान, नबीन ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने केवल बांग्लादेशियों के हितों की चिंता की है, जबकि राज्य की आम जनता को उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता की असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी।

तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नामलाई की नाराजगी की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि पासपोर्ट के नाम पर शब्दों के साथ जो खेल खेला गया है, उसकी सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके ज्ञान का दायरा काफी सीमित है और एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा ही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गुजरात और 'सांप' वाले बयान पर भी नबीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि गुजरात सरदार पटेल और महात्मा गांधी की भूमि है, जहां से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। खड़गे के बयान को मूर्खतापूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी हार स्वीकार करने के बजाय कभी ईवीएम तो कभी जनता पर दोष मढ़ती है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'सांप' वाली टिप्पणी से खड़गे ने सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश की है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी।

जयशंकर से मिले बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा- शेख हसीना को वापस भेजो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच बीते साल उपजे कूटनीतिक तनाव के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में सुधार की नई कवायद शुरू हो गई है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बांग्लादेश के नवनियुक्त विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर भारत पहुंचे हैं। बुधवार को नई दिल्ली में उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की। इस यात्रा को ढाका की नई सरकार द्वारा भारत के साथ पारस्परिक विश्वास और सम्मान के आधार पर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।बैठक के केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का मुद्दा रहा। बांग्लादेश द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री रहमान ने शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के प्रत्यर्पण का अनुरोध दोहराया।

हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस विशिष्ट मुद्दे का कोई उल्लेख नहीं किया गया, जो इस विषय पर भारत की संवेदनशीलता को दर्शाता है। गौरतलब है कि अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और हिंसक प्रदर्शनों के बाद से शेख हसीना ने भारत में शरण ली हुई है, जबकि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

इन मतभेदों के बावजूद, दोनों पक्षों के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि शेख हसीना की उपस्थिति द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य में बाधा नहीं बननी चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उपायों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और सहयोग के नए मार्ग प्रशस्त करने का इच्छुक है। इस उच्च स्तरीय यात्रा के दौरान व्यापार, ऊर्जा और जन-संपर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी बातचीत हुई। भारत ने आश्वासन दिया है कि आने वाले हफ्तों में बांग्लादेशी नागरिकों के लिए चिकित्सा और व्यावसायिक वीजा जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। इसके अलावा, बांग्लादेश ने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपियों को पकड़ने में भारत के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कुल मिलाकर, यह यात्रा दर्शाती है कि दोनों पड़ोसी देश पिछले एक साल के तनाव को पीछे छोड़कर एक नई और स्थिर साझेदारी की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम का रक्षामंत्री बनने पर दी बधाई, रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वियतनाम में नई नियुक्तियों पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री बनने पर बधाई दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत वियतनाम के लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। वियतनाम की 16वीं राष्ट्रीय सभा ने अपने पहले सत्र के दौरान इसे मंजूरी दी, जो प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के नेतृत्व में 2026-2031 कार्यकाल के लिए नई सरकार का हिस्सा है। यह नियुक्ति 8 अप्रैल को आधिकारिक रूप से घोषित की गई थी। इसी के बाद भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को बधाई दी। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर जनरल फान वान जियांग के साथ की एक फोटो पोस्ट कर लिखा, 'सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्ति पर जनरल फान वान जियांग को हार्दिक बधाई। भारत आपके निरंतर नेतृत्व में सुरक्षा, सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उद्योग सहयोग के क्षेत्रों में अपने लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने तथा सहयोग को और गहरा करने के लिए तत्पर है। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारी साझेदारी और भी अधिक सुदृढ़ होती जाएगी।'

राघव चड्ढा के किस तरफ बढ़ रहे हैं सियासी कदम, खुद की पार्टी बनाने में दिख रही दिलचस्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच बढ़ती दूरियां अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई हैं। पार्टी की ओर से की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और चड्ढा के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दिल्ली से लेकर पंजाब तक की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। हर किसी की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या राघव चड्ढा आप से नाता तोड़कर अपनी नई राह चुनेंगे।

हाल ही में राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की, जिसने उनके भविष्य की योजनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। इस रील में एक सोशल मीडिया क्रिएटर ने सुझाव दिया है कि चड्ढा को अब अपनी खुद की पार्टी बना लेनी चाहिए, जिसे जेन-जी पार्टी जैसा कोई नाम दिया जा सकता है। क्रिएटर का तर्क है कि किसी दूसरी पार्टी में जाने के बजाय अपनी पार्टी बनाने से उन्हें युवाओं का एकतरफा समर्थन मिलेगा। चड्ढा ने इस रील को दिलचस्प विचार करार देते हुए साझा किया है, जिसे उनके संभावित विद्रोह के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

विवाद की जड़ें पिछले कुछ समय से पार्टी के भीतर पनप रहे असंतोष में छिपी हैं। करीब एक हफ्ते पहले, आप ने चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाकर उनकी जगह अशोक कुमार मित्तल को नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही उन पर संसद में पार्टी कोटे से बोलने पर भी रोक लगा दी गई। पार्टी नेताओं-अतिशी और सौरभ भारद्वाज-ने चड्ढा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनमें बीजेपी के प्रति नरम रुख अपनाना, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार करना और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के दौरान उनकी अनुपस्थिति जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। अतिशी ने तो सीधे तौर पर सवाल किया कि क्या चड्ढा प्रधानमंत्री मोदी से सवाल करने में डरते हैं?

इन आरोपों के बीच राघव चड्ढा ने एक बेहद सांकेतिक संदेश साझा किया। उन्होंने रॉबर्ट ग्रीन की प्रसिद्ध पुस्तक की तस्वीर पोस्ट की, जिसका पहला अध्याय है-नेवर आउटशाइन द मास्टर (अपने गुरु से अधिक मत चमको)। चड्ढा का यह पलटवार इशारा करता है कि पार्टी के भीतर उनकी बढ़ती लोकप्रियता ही शायद उनके खिलाफ हुई कार्रवाई का असली कारण है। फिलहाल, चड्ढा ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके दिलचस्प विचार ने यह साफ कर दिया है कि वह खामोश बैठने के मूड में नहीं हैं।

तमिलनाडु में अफसरों के तबादले पर सियासी संग्राम, स्टालिन ने चुनाव आयोग पर लगाए पक्षपात के आरोप

सीएम, बोले- डीएमके की जीत रोकने की कोशिश ; विपक्ष की शिकायतों के बाद हुई कार्रवाई

चेन्नई (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा तमिलनाडु में वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले के फैसले पर सियासी विवाद गहराता जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने इस कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी स्तर के अधिकारियों को हटाते हुए नई नियुक्तियां कीं। मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदन की जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम. साई कुमार को नियुक्त किया गया है, जबकि डीजीपी (सशस्त्र पुलिस, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक) एस. डेविडसन देवसीर्वाथम की जगह 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी संदीप मित्तल को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हटाए गए अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव-संबंधित पद पर नियुक्त न किया जाए। यह कदम विपक्षी दलों की उन शिकायतों के बाद उठाया गया, जिनमें आरोप लगाया गया था कि राज्य का प्रशासनिक तंत्र सत्तारूढ़ डीएमके के पक्ष में काम कर रहा है।

इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एमके स्टालिन ने सवाल उठाया कि हाल ही में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने तमिलनाडु की कानून-व्यवस्था को संतोषजनक बताया था, फिर अचानक ऐसा क्या बदल गया कि इतने बड़े स्तर पर तबादले करने पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ÷बीजेपी की एक शाखा÷ की तरह काम कर रहा है और यह कदम डीएमके की संभावित जीत को रोकने की कोशिश है।

स्टालिन ने यह भी दावा किया कि ये तबादले विशेष रूप से विपक्षी दल एआईएडीएमके और उसके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी को फायदा पहुंचाने के लिए किए गए हैं। उन्होंने सेलम की

कलेक्टर वृंदा रवि के तबादले का भी उल्लेख करते हुए इसे राजनीतिक रणनीति बताया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सवाल उठाया कि क्या इसी तरह की कार्रवाई बिहार चुनावों के दौरान भी की गई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदमों से डीएमके को नहीं रोका जा सकता और उनकी पार्टी चुनाव में मजबूती से उभरेगी। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति को और गरमा दिया है।

महानगरों में हर साल ट्रैफिक जाम के कारण 1.8 लाख करोड़ का नुकसान... अहमदाबाद बीआरटीएस सिस्टम समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर केवल यातायात तक सीमित नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और लोगों की उत्पादकता पर दिख रहा है। एक अनुमान के अनुसार दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में हर साल करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान ट्रैफिक जाम के कारण होता है। यदि समय रहते इसका समाधान नहीं हुआ, तब सिर्फ दिल्ली में ही 2030 तक सालाना 14.6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिसमें ईंधन और मानव संसाधन की बर्बादी शामिल है।

इस समस्या की बड़ी वजह निजी वाहनों की बढ़ती संख्या है, लेकिन मूल कारण सार्वजनिक परिवहन, खासकर बस सेवाओं की खराब स्थिति है। बसों की संख्या कम है और वे निर्धारित समय पर नहीं चल पातीं, क्योंकि उनके लिए अलग लेन नहीं होती। इससे यात्रियों को यात्रा का सही समय अनुमानित नहीं हो पाता। यदि बसों के लिए अलग लेन (लेन सिस्टम) लागू किया जाए, तब वे मेट्रो की तरह भरोसेमंद बन सकती हैं।

अहमदाबाद का बीआरटी (बस रैपिड ट्रांजिट) मॉडल इस समस्या का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। यहां बने बीआरटी कॉरिडोर में बसों की औसत गति 25-30 किमी प्रति घंटा रहती है, जो मेट्रो की औसत गति (लगभग 35 किमी/घंटा) के काफी करीब है। इससे यात्रा का समय 20-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है और ईंधन की भी बचत होती है। इसकी लागत भी मेट्रो के मुकाबले काफी कम होती है, लगभग 10 से 40 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर। इस मॉडल का एक और बड़ा फायदा यह है कि करीब 22 प्रतिशत लोगों ने निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन अपनाया है। इस तरह के सफल बीआरटी सिस्टम सूरत और राजकोट में भी देखने को मिलते हैं। हालांकि, इसतरह के कॉरिडोर उन्हीं सड़कों पर प्रभावी होते हैं जिनकी चौड़ाई कम से कम 24 से 30 मीटर हो। साथ ही, बस लेन को इस तरह डिजाइन करना जरूरी है कि उसमें अन्य वाहन प्रवेश न कर सकें।

वहीं, दिल्ली में बीआरटीएस का अनुभव असफल रहा, जिसका कारण संकरी सड़कों पर निर्माण, भीड़भाड़ वाले चौराहों पर उचित ढांचे की कमी और कमजोर एन्फोर्समेंट था। इन गलतियों से सीख लेकर यदि अन्य शहरों में बेहतर योजना और क्रियान्वयन के साथ बीआरटी सिस्टम लागू किया जाए, तब ट्रैफिक जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

आईपीएल में आज होगी आरसीबी और रॉयल्स में टक्कर

गुवहाटी (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मैच में रॉयल्स टीम को घरेलू मैदान होने का लाभ मिलेगा। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स ने अब तक अपने तीन मैच जीते हैं और इस समय 6 अंक के साथ ही वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी ने दो मैच जीते हैं जिससे उसके चार अंक हैं और वह तालिका में तीसरे नंबर पर है।

राजस्थान ने जहां चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस को हराया है। वहीं आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को पराजित किया है। दोनो ही टीमों के बल्लेबाज और गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में ये मुकाबला कांटे का होना तय है। दोनो की ही बल्लेबाज मजूबत है। राजस्थान के पास यशस्वी जायस्वाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं वहीं आरसीबी के पास विराट कोहली और रजत पाटीदार जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में हालांकि रॉयल्स ज्यादा मजबूत नजर आती है। आरसीबी के पास जैकब डफी और भुवनेश्वर कुमार जबकि रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर जैसे तेज गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल में अब तक हुए कुल 34 मुकाबलों में से राजस्थान ने 14 मैच जीते हैं, जबकि बेंगलुरु ने 17 मैच जीते हैं। वहीं 3 मैचों का परिणाम नहीं निकला। बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच यह बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी

जाती है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर वाला मैच प्रशंसकों को देखने को मिलना तय है। गेंदबाजों को विकेट के लिए यहां काफी मेहनत करनी होगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज कर अपना हौंसला बढ़ना चाहेंगी।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी - रजत पाटीदार (कप्तान), फिलिप सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह और जैकब डफी।

राजस्थान रॉयल्स - रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, पीवी सिंधु और एचएस प्रणय बाहर

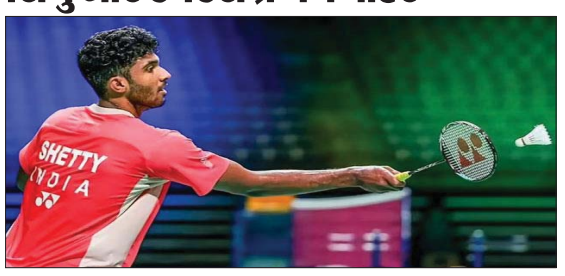

निंगबो (एजेंसी)। निंगबो, 09 अप्रैल (वेब वार्ता)। आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गुरुवार को यहां ताइपे के चिन यू जेन को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। आयुष ने 41 मिनट तक चले मैच में ताइपे के शटलर पर 21-16, 21-12 से आसान जीत दर्ज की।

आयुष ने अपने कैपेन की शुरुआत चीन के ली शि फेंग पर शुरुआती राउंड में 21-13, 21-16 से शानदार जीत के साथ की। वह क्वार्टर फाइनल में इसी लय को बनाए रखना चाहेंगे, जब उनका सामना इंडोनेशिया के तीसरी सीड जोनाथन क्रिस्टी से होगा। दो बार की ओर्लंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और एचएस प्रणय अपने-अपने मुकाबले हारकर चैंपियनशिप से बाहर हो गए।

प्रणय, जो गुयेन है डांग पर सीधे गेम में 24-22, 21-12 से जीत के साथ दूसरे राउंड में आए थे, उन्हें हांगकांग की वेंग होंग यांग के हाथों 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में सिंधु को दो बार की एशियन चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी वांग जी यी से भी सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ अपना महिला एकल ओपनर 15-21, 21-11, 21-19 से जीतकर दूसरे राउंड में वापसी की थी। मिश्रित डबल्स में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जब तनीषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी टोह ई वेई और चांग टेन जी की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 14-21 से हार गई।

बाद में, उन्नति हुड्डा, जिन्होंने पहले राउंड में थाईलैंड की दुनिया की 11 नंबर की खिलाड़ी सुपनिडा कटेथोंग को एक गेम से पीछे रहकर हराया था, अब दुनिया की 9 नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से भिड़ेंगी।

महिला डबल्स में, प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए पांचवीं सीड जापानी जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से भिड़ेंगी।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है।

यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं? हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरू करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे। आईसीसी अगले साल नवंबर से पहले नए भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के जारी होने की उम्मीद है।इससे पता चलेगा कि अगले पांच साल दक्षिण अफ्रीका टीम का कार्यक्रम कैसा रहने वाला है। उसी के बाद अफ्रीकी टी20 टूर्नामेंट को लेकर फैसला होगा।

कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं : ग्रीम स्मिथ

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। महान सचिन तेंदुलकर के बाद से भारतीय क्रिकेट ने ऐसा कोई टीनेजर नहीं दिया है जिसने पूरी क्रिकेट दुनिया को हैरान कर दिया हो। इस बीच कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए हैं, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं। 15 साल और 12 दिन की उम्र में, सूर्यवंशी एक असाधारण पीढ़ी का टैलेंट है। साथ ही, वह मॉडर्न गेम के लिए एकदम सही प्रोटोटाइप हैं, जो टी20 क्रिकेट में ऑर्डर में ऊपर लगभग अपनी मर्जी से छक्के मारते हैं।

मंगलवार शाम को सूर्यवंशी की काबिलियत का एसिड टेस्ट हुआ। राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में एक बड़े IPL मैच में मुंबई इंडियंस का सामना कर रही थी। इस टीनएजर, जिसने टी20 क्रिकेट में 378 गेंदों पर 68 छक्के लगाए थे, गेम में आने से पहले दुनिया के बेस्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए तैयार था। सूर्यवंशी का सामना पहले कभी बुमराह से नहीं हुआ था। क्या वह प्रेशर झेल पाएगा? क्या बुमराह अपनी फेमस स्लोअर बॉल या यॉर्कर में से कोई एक डालने वाला था, जिसने कहीं ज़्यादा एक्सपीरियंस और पेडिग्री वाले बैट्समैन को धोखा दिया है? नतीजा: 131.2 किमी प्रति घंटे की लेग-स्टंप हाफ-वॉली।

सूर्यवंशी इससे ज्यादा टेस्टी कुछ नहीं मांग सकता था क्योंकि उसने बॉल को स्टैंड्स में छक्के के लिए जमाकर डिलीवरी का एक हिस्सा खा लिया। इस यंगस्टर ने अपना टेस्ट पास कर लिया है। उसने अब दुनिया के बेस्ट बॉलर को भी मैक्सिमम हिट किया है। यही वह हिम्मत वाला टैलेंट है जिस पर ₹20 कमिश्नर ग्रीम स्मिथ IPL के शुरुआती हफ्तों के दौरान कड़ी नजर

रख रहे थे।

स्मिथ ने अपने ब्लॉग पर कहा, 'IPL ठीक वैसे ही शुरू हुआ है जैसा मैंने सोचा था, सपाट पिचों और हाई-स्कोरिंग मैचों के साथ। हमेशा की तरह, यह देखना दिलचस्प है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुराने स्कूल के सुपरस्टार कैसा परफॉर्म करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के इस युवा खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी पर शुरुआती कुछ हफ्तों में नजर रखनी चाहिए।उसने पहली ही गेंद से पावरफुल होने की अपनी काबिलियत दिखा दी है। एक जवान आदमी के तौर पर, वह टूर्नामेंट के दौरान एक असली सुपरस्टार बन सकता है और मैं यह देखने के लिए सच में बहुत एक्साइटेड हूं कि वह कैसा करता है।'

स्मिथ, जो 2008 में पहला IPL जीतने वाली पहली राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा थे, का मानना है कि दुनिया के सबसे पॉपुलर टी20 टूर्नामेंट ने ग्लोबल क्रिकेट माहौल में क्रांति ला दी है। उनका मानना है कि आईपीएल की सफलता का एसए20 के ज़रिए असर पड़ा है, जिसने साउथ अफ्रीका में क्रिकेट को फिर से जिंदा कर दिया है और अनछुए टैलेंट को सामने आने का मौका दिया है।

स्मिथ ने कहा, 'हमारी छह फ्रेंचाइजी एसए20 की ग्रोथ का एक बहुत बड़ा, ज़रूरी हिस्सा हैं। हम बहुत खुशकिस्मत थे कि हमें हाई क्वालिटी वाली छह आईपीएल टीमें मिलीं, और वे दुनिया के सबसे अनुभवी फ्रेंचाइजी मालिक हैं। वे बहुत कॉम्पिटिटिव हैं, वे जीतना चाहते हैं, और वे कोचिंग से लेकर मेडिकल केयर तक, हर जगह क्रिकेट और बिज़नेस में बेहतरीन काम करते हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी के पास शानदार स्काउट्स हैं - उन्हें जो टैलेंट मिलता है वह हमेशा सिस्टम से नहीं आता है। जब आप क्रिकेट इकोसिस्टम को फिर से बनाने और बढ़ाने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो ऐसे पार्टनर होना कमाल की बात है।'

उन्होंने कहा, 'IPL से मुकाबला करना लगभग नामुमकिन है, लेकिन हम खुशकिस्मत हैं कि वे हमारे साथ बहुत खुले रहे हैं, और शुरुआती दौर में हमें बड़ी सफलता दिलाने में मदद की है। हम सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है, लेकिन टी20 ग्रोथ फॉर्मेट है। यह खेल में प्राइवेट ओनरशिप ला रहा है और हम अब बहुत ज़्यादा वैल्यूएशन देख रहे हैं। दुनिया भर के लोग क्रिकेट को गंभीरता से ले रहे हैं, इस पर बहुत ज्यादा लोग नजर रख रहे हैं और यह सभी खास मार्केट में बढ़ रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले चार से पांच सालों में यह कहाँ तक जा सकता है, जब खेल में प्राइवेट ओनरशिप होगी और 2028 के ओलंपिक आने वाले हैं।'

बीसीसीआई ने आईपीएल को लेकर नियमों को सख्त किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में अनुशासन बनाये रखने के लिए सख्त नियम बनाये हैं। नए नियम के तहत अब केवल वही 16 खिलाड़ी मैदान पर प्रवेश कर सकेंगे, जिनका नाम आधिकारिक टीम शीट में दर्ज होगा। इससे साफ है कि जो खिलाड़ी इस सूची में शामिल नहीं हैं, वे किसी भी स्थिति में मैदान पर कदम नहीं रख सकेंगे। ड्रिंक्स ले जाना, खिलाड़ियों तक रणनीतिक संदेश पहुंचाना, बैट या अन्य उपकरण मैदान में देना, इन सभी कार्यों पर अब प्रतिबंध रहेगा। यदि खिलाड़ी नामित 16 में शामिल नहीं है। इसके अलावा, बाउंड्री लाइन के आसपास मौजूद खिलाड़ियों की संख्या भी सीमित कर दी गई है। अब एक समय में अधिकतम पांच खिलाड़ी ही बिब पहनकर बाउंड्री के पास रह सकते हैं। ये पांच खिलाड़ी नामित 16 में से भी हो सकते हैं या बाकी स्क्वॉड से, लेकिन संख्या पांच से अधिक नहीं होगी। वहीं अब तक आईपीए टीमों की स्क्वॉड में लगभग 25 खिलाड़ी होते हैं और उनमें से कई खिलाड़ी मैच के दौरान बाउंड्री लाइन के पास सक्रिय रहते थे लेकिन अब नए नियम के बाद अब मैदान के पास भीड़ कम होगी, गैर-खेलने वाले खिलाड़ियों की भूमिका सीमित हो जाएगी। ऐसे में टीमों को अपनी रणनीति और संचार के तरीकों में बदलाव करना होगा। टीम अधिकारियों के अनुसार, यह निर्देश हाल ही में सभी फ्रेंचाइज़ियों को भेजा गया है। ऐसे में अब मैदान के किनारे खिलाड़ियों का वार्म-अप करना, सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों का ड्रिंक्स लेकर दौड़ना, और हर ओवर के बीच रणनीतिक संदेशों का आदान-प्रदान जैसे काम अब नहीं होंगे।

शमी की भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये : गांगुली

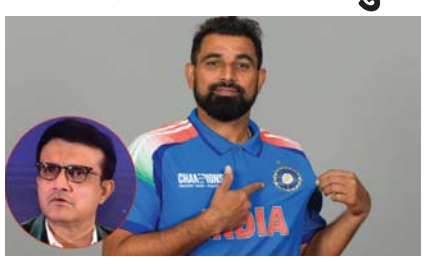

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में वापसी होनी चाहिये।गांगुली के अनुसार शमी जैसे गेंदबाज की भारतीय टीम को जरुरत है। जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने के लिए उनसे बेहतर कोई भी नहीं है। शमी ने आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन किय है। सनराइज़र्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए थे।गांगुली ने कहा, हमने देखा कि उन्होंने सनराइज़र्स के खिलाफ क्या शानदार ओवर किया। साथ ही कहा किक ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं है। इनके खिलाफ 4 ओवर में 9 रन देना उनके गेंदबाजी कौशल को दिखाता है। गांगुली ने कहा कि शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि रणजी ट्रॉफी में शमी ने लगातार बेहतरीन गेंदबाजी की है। उन्होंने सेमीफाइनल में 8 विकेट लिए थे।गांगुली का मानना है कि शमी पूरी तरह फिट हैं और लगातार खेलने से उनकी फॉर्म और बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, जब कोई गेंदबाज लगातार गेंदबाजी करता है, तो वह अपनी बेस्ट फॉर्म में होता है। नेट्स से ज्यादा मैच अभ्यास मायने रखता है।गांगुली को उम्मीद है कि चयन समिति उनके ऊपर जरुर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शमी को भारत के लिए खेलना चाहिए। उम्मीद है कि उनका समय फिर आएगा, क्योंकि वह इसके योग्य हैं।

अपनी विविधता भरी गेंदबाजी से तेज गेंदबाज वैशाख ने बनायी अलग पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स के युवा तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। वैशाख की खासियत ये है कि उनकी गेंदों में काफी विविधता है और रफ्तार भी 140 से 145 किलोमीटर/प्रतिघंटा की है। जिसका सामना करना बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन हो रहा है।वैशाख अपना चौथा आईपीएल सीजन खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 19 मुकाबलों में 29.45 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं। इससे पहले वैशाख ने साल 2023 आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए 7 मुकाबलों में 9 विकेट लिए थे।

विजयकुमार ने साल 2024 सत्र में 4 मुकाबलों में 4 विकेट लिए ले। वहीं आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीदा था पर वह फिट नहीं होने के कारण काफी कम मुकाबले खेल पाये थे। तब वैशाख ने 5 खेलते हुए 4 विकेट लिए थे।

वहीं इस सत्र में इस गेंदबाज ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए है। वैशाख ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पहले मैच में 34 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं दसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 38 रन देकर 2 विकेट लिए। इस सत्र में उनके गेंदबाजी कौशल को काफी सुधार आया है। उनकी वाइड यॉर्कर और स्लो बाउंसर का जवाब बल्लेबाजों के पास नहीं हैं। वह गेंद की गति को अचानक कम करते हुए बल्लेबाजों को हैरान कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उनके नाम फर्स्ट क्लास करियर के 31 मुकाबलों में 25.14 की औसत के साथ 116 विकेट हैं। । वहीं, लिस्ट-ए करियर के 29 मुकाबलों में विजयकुमार ने 40 विकेट निकाले हैं। 52 टी20 मुकाबलों में यह गेंदबाज 66 विकेट अपने नाम कर चुका है।इस गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय कर्नाटक के घरेलू क्रिकेट और अपने कोच को दिया है। उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट में खेलते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ गेंदबाजी से उनका मनोबल बढ़ा है। इस गेंदबाज की प्राथमिकता रफ्तार नहीं बल्कि फिटनेस और तकनीक को बेहतर बनाना है।

डॉक्टर की बात नहीं मानी, भारत के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं राशिद खान

नई दिल्ली - कमर के ऑपरेशन के बाद टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की डॉक्टर की सलाह के बाद अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने संकेत दिए हैं कि वह जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। राशिद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए फिट रहने की है। 27 वर्ष के राशिद ने 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है लेकिन इसके बावजूद पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर डाले और 11 विकेट लिए थे। राशिद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को गुजरात टाइटंस की एक रन से जीत के बाद कहा, 'यह काफी कठिन सवाल है। डाक्टर ने मुझे सबसे पहले टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था। इसके बावजूद मैने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला।' उन्होंने कहा, 'डॉक्टर ने मुझसे कहा कि अगर क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हो तो टेस्ट क्रिकेट खेलते रहो।'

उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं। लेकिन एहतियात बरतनी होगी कि खुद पर अधिक बोझ नहीं डालूं।' आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'आप काफी कठिन सवाल पूछ रहे हैं। मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। अगर उस टेस्ट में कमर में फिर तकलीफ हो गई तो? मैं 100 टेस्ट नहीं खेल सकता। अगर मैं साल में एक टेस्ट खेल रहा हूं तो 100 साल तक तो खेलूंगा नहीं। लिहाजा टेस्ट क्रिकेट में कोई लक्ष्य नहीं है।'

राहुल के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाज केएल राहुल के अर्धतक के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस से हार गयी। इस मैच में राहुल ने 92 रनों की शानदार पारी खेलकर दिल्ली को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था पर इसके बाद भी टीम उसका लाभ नहीं ले पायी और उसे केवल 1 रन से हार झेलनी पड़ी। राहुल ने अपनी इस पारी के दौरान 52 गेंदों पर 11 चौके और 4 छक्के लगाए। हालांकि इस आक्रामक पारी के बाद भी उनके नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिससे वह भूलना चाहेंगे। ये रिकार्ड है किसी बल्लेबाज के सबसे अधिक रन बनाने के बाद भी उसकी टीम को मिलने वाली हार। इससे पहले ये रिकार्ड आरसीबी के विराट कोहली और मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा के नाम है।

अब राहुल भी इस क्लब में शामिल हो गये हैं। राहुल ने मैच में 92 रनों की शानदार पारी खेली पर इसके बाद भी उनकी टीम हारी। राहुल इसी के साथ आईपीएल में टीम की हार में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-5 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। राहुल के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने इस रंगारंग लीग में अभी तक खेले 153 मैचों में 45.21 की औसत और 136.41 के स्ट्राइक रेट के साथ 5335 रन बनाए हैं। इसमें से 2515 रन टीम की हार में आए। इसका मतलब है कि राहुल के आईपीएल करियर में 47 फीसदी रन तब बने जब उनकी टीम हारी है। वहीं विराट के नाम टीम की हार में भी सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। कोहली ने अपने आईपीएल करियर में 269 मैचों में 8758 रन बनाए हैं, जिसमें से 3731 रन ऐसे हैं जिनके बाद भी उनकी टीम हारी है। वहीं रोहित के 2764 रन तब बने जब टीम हारी है। वहीं शिखर धवन 2768 और डेविड वॉर्नर

के 2768 रनों के बाद भी टीम हारी है। राहुल 2515 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं। राहुल शुरुआती दो मैचों में रन नहीं बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत के करीब ला दिया था पर अंतिम ओवरों में डेविड मिलर की एक गलती से मैच टीम के हाथों से फिसल गया।

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने लिवरपूल एफसी को 2-0 से हराया

पेरिस। पेरिस सेंट-जर्मन (पीएसजी) ने लिवरपूल एफसी को 2-0 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। पेरिस के पार्क डेस प्रिंसेस में खेले गए इस मुकाबले में मेजबान टीम पूरी तरह हावी नजर आई। मैच की शुरुआत से ही पीएसजी ने आक्रामक अंदाज अपनाया। डेसिरे डोउए ने 11वें मिनट में बॉक्स के अंदर से शानदार शॉट लगाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनका यह शॉट डिफ्लेक्शन लेकर गोलकीपर के ऊपर से निकल गया। पहले हाफ में पीएसजी लगातार मौके बनाता रहा। खि्वचा क्वारत्सखेलिया और उस्मान डेम्बेले ने कई खतरनाक हमले किए, लेकिन लिवरपूल के गोलकीपर जियोर्जी ममारदाश्विली ने कुछ बेहतरीन बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा। इसके बावजूद लिवरपूल एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लगा सका। दूसरे हाफ में भी मैच का रुख नहीं बदला। पीएसजी लगातार दूसरे गोल की तलाश में रहा। टीम को 65वें मिनट में सफलता मिली। जोआओ नेवेस के शानदार पास पर क्वारात्खेलिया ने आसान फिनिश करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। लिवरपूल की डिफेंस पर लगातार दबाव बना रहा और पीएसजी को पेनल्टी मिलने की स्थिति भी बनी, लेकिन वीएआर के फैसलों ने इंग्लिश टीम को राहत दी। अशरफ हकीमी और डेम्बेले ने अंत में और मौके बनाए, लेकिन स्कोरलाइन में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस जीत के साथ पीएसजी ने पिछले सीजन की हार का बदला भी ले लिया है और अब वह दूसरे लेग के लिए एनफील्ड में 2-0 की मजबूत बढ़त के साथ उतरेगा। वहीं, लिवरपूल के सामने वापसी की बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि सेमीफाइनल में जगह दांव पर लगी है।

प्रीति, मीनाक्षी, प्रिया और अरुंधति ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

उलानबटोर (मंगोलिया) (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार की अगुवाई में भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

मीनाक्षी (48 किलोग्राम) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किलोग्राम) के साथ प्रिया घंघास (60 किलोग्राम) और विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) ने शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत को हालांकि सबसे बड़ा झटका 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रुएनरोस (पूर्व नाम जुटामास जितपोंग) से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की अल्फिया पठान (80 किलोग्राम से अधिक) ने भी रजत पदक हासिल किया। चैंपियनशिप में अपने एकमात्र मुकाबले में उन्हें कजाकिस्तान की दीना इस्लम्बेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ कुल 10 पदक जीते। कुछ भार वर्गों में हालांकि सीमित भागीदारी के कारण लवलीना बोरगोहेन (75 किलोग्राम), पूजा रानी (80 किलोग्राम) और अल्फिया जैसी खिलाड़ियों को सिर्फ भाग लेने के लिए ही पदक मिल गए। इन भार वर्गों में केवल तीन प्रतियोगी ही थे। मीनाक्षी ने मंगोलिया की नोमुंडारी एन्ख-अमगलान को 5-0 से हराकर भारत के लिए दिन का पहला स्वर्ण पदक जीता और शानदार शुरुआत की। प्रीति ने एक और दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी बेहतरीन लय को बरकरार रखा। उन्होंने तीन बार की विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हुआंग शियाओ-वेन को 5-0 से हराया। इसके बाद प्रिया ने उत्तर कोरिया की वॉन उन-ग्योंग को 3-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जबकि अरुंधति ने फाइनल में कजाकिस्तान की बकित सेइडिश को 4-1 से हराकर प्रभावित

किया।

इससे पहले दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (54 किलोग्राम), अंकुशिता बोरो (65 किलोग्राम), लवलीना (75 किलोग्राम) और पूजा (80 किलोग्राम) को सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्वनाथ सुरेश (48 किलोग्राम) और सचिन सिवाच (60 किलोग्राम) शुक्रवार को पुरुष वर्ग में अपने-अपने फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

मुझे एयरोफोबिया है और मैं थेरेपी लेने पर विचार कर रहा हूं

टाइगर श्रॉफ की गिनती इंडस्ट्री के एक्शन एक्टर्स में से होती है। वो जबरदस्त स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन अब टाइगर ने भी अपने एक डर के बारे में बात की, जो उनकी ऑन-स्क्रीन इमेज से बिलकुल अलग है। टाइगर का मानना है कि असल जिंदगी में उन्हें इस एक काम से बहुत डर लगता है और वो इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने की भी सोच रहे हैं।

बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने खुलासा किया कि उन्हें एयरोफोबिया है। एक्टर ने बताया कि उन्हें हवाई यात्रा से डर लगता है और वे इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं दरअसल एक थेरेपिस्ट के पास जाने की योजना बना रहा हूं, क्योंकि मुझे एयरोफोबिया है। कुछ साल पहले मैं एक बहुत ही टर्बुलेंट फ्लाइट में था और टर्बुलेंट फ्लाइट पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं होता, है ना? मैं क्या करूं? तब से, जब भी मुझे फ्लाइट में चढ़ना होता है, तो मुझे कुछ दिन पहले से ही घबराहट होने लगती है। पता नहीं क्यों, मैं अभी तक इससे उबर नहीं पाया हूं।

हालांकि, टाइगर ने माना किया हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित यात्राओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि हवाई यात्रा परिवहन का सबसे सुरक्षित साधन है। मैंने कई पायलटों से बात की है, जिन्होंने कहा कि टर्बुलेंस कुछ और नहीं बल्कि ऊबड़-खाबड़ सड़कों जैसी होती है। वे मुझे यही उदाहरण देते रहते हैं। लेकिन मेरे दिमाग को यह कौन समझाएगा? जब ऐसा होता है, तो कहानी बिल्कुल अलग होती है। काश, मेरा इस पर कंट्रोल होता। मुझे अपने शरीर के हर हिस्से को कंट्रोल करना अच्छा लगता है। मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि मैं क्या कर रहा हूं।

अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि अत्यधिक सोचने की आदत उनके जीवन के अन्य पहलुओं पर भी असर डालती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी यह बहुत निराशाजनक होता है, क्योंकि मैं कई बार बहुत कन्फ्यूज हो जाता हूं और कोई भी फैसला नहीं ले पाता। यहां तक कि अपने दिन की योजना बनाने को लेकर भी ताकि मैं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकूं।

आज भी 'खल्लास गर्ल' कहे जाने पर खुशी होती है

ईशा कोप्पिकर किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। इस हसीन एक्ट्रेस को लोग आज भी 'खल्लास गर्ल' के नामे से पहचानते हैं। ईशा कोप्पिकर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1997 में तेलुगू फिल्म से की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल सिनेमा और बॉलीवुड में भी खूब काम किया। ईशा ने बीच में फिल्मों से ब्रेक लिया था, पर अब वह फिर से एक्टिव हैं। साल 2024 में वह तमिल फिल्म 'ऐलान' में नजर आईं और वेब सीरीज का भी हिस्सा रही हैं। बीते दिनों जब एक इवेंट में ईशा कोप्पिकर पहुंचीं तो मंच पर आते ही सभी ने 'खल्लास गर्ल' का शोर मचाना शुरू कर दिया। अपनी वही पुरानी मुस्कान के साथ ईशा ने कहा, 'सच कहूं तो, यह सुनकर आज भी बहुत खुशी होती है। खल्लास गाना (2002) हर किसी के लिए एक यादगार पल था। जब यह रिलीज हुआ था, तब लोगों की दीवानगी देखने लायक थी। आज भी लोग मुझे देखकर खल्लास गर्ल कहकर बुलाते हैं। हर कलाकार को ऐसा प्यार नहीं मिलता, इसलिए यह मेरे लिए गर्व की बात है।'

बदलाव लाने के लिए राजनीति में आई

एक समय ईशा ने राजनीति में भी हाथ आजमाया था। 2019 में राजनीति से जुड़ने के सवाल पर ईशा ने कहा, 'मेरा मकसद ग्लैमर या पावर पाना नहीं था, बल्कि समाज में योगदान देना था। मैं महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाना चाहती थी। आज भी मैं सक्रिय हूं और आसपास की चीजों पर नजर रखती हूं। भविष्य में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी या नहीं, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन मैं स्पष्ट तौर पर यह कह सकती हूं कि मेरी नीयत साफ है।'

मुश्किल वक्त ही आपका शिक्षक होता है

ईशा का मानना है कि मुश्किलें ही इंसान को गढ़ती हैं। उन्होंने कहा, 'मुश्किल दौर आपको किसी भी गुरू या किताब से ज्यादा सिखाता है। मेरे करियर और जीवन में ऐसे कई दौर आए, जब चीजें आसान नहीं थीं और मुझे अपनी जगह बनाए रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्हीं पलों ने मुझे मजबूती और एक स्पष्ट सोच दी। आज मैं जो कुछ भी हूं, अपने संघर्षों की वजह से ही हूं। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाएं सिर्फ मुश्किलों से बचती नहीं हैं, बल्कि उनसे लड़कर खुद को बदल लेती हैं।'

ओटीटी पर मिलती है काम करने की आजादी

ईशा कोप्पिकर का कहना है कि ओटीटी कलाकारों के लिए आजादी लेकर आया है। साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुकीं ईशा कहती हैं, 'हर प्लेटफॉर्म ने मुझे कुछ नया सिखाया है। साउथ इंडियन फिल्मों में अनुशासन और काम के प्रति समर्पण कमाल का है। बॉलीवुड ने मुझे पहचान और शोहरत दी। वहीं, ओटीटी पर कंटेंट बहुत बेबाक है। यहां आप किसी तरह की समयसीमा में बंधे बिना, असल और मुश्किल कहानियां दिखा सकते हैं। एक कलाकार के तौर पर यह आज़ादी बहुत मायने रखती है।'

रामायण में भगवान परशुराम के रोल में भी दिखेंगे रणबीर

एक्टर रणबीर कपूर ने कन्फर्म किया है कि वह फिल्म रामायण में भगवान राम के साथ भगवान परशुराम के किरदार में भी दिखेंगे। इंटरव्यू में जब रणबीर से सवाल पूछा गया कि वह भगवान राम और परशुराम जैसे दो अलग-अलग स्वभाव वाले किरदारों को बॉडी लैंग्वेज और आवाज से कैसे अलग दिखा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के कई अवतार रहे हैं, जिनमें भगवान राम एक अवतार हैं, जबकि उनसे पहले भगवान परशुराम भी अवतार थे। रणबीर ने कहा कि भगवान राम का किरदार निभाने का मौका मिलना ही बड़ी बात थी, लेकिन साथ ही भगवान परशुराम का रोल निभाना उनके लिए और भी खास अनुभव रहा। उन्होंने आगे कहा कि एक एक्टर के रूप में केवल बॉडी लैंग्वेज ही नहीं, बल्कि रोल की आध्यात्मिकता और उसकी भावनाओं को गहराई से समझना जरूरी होता है। उनका मानना है कि एक्टिंग की शुरुआत यहीं से होती है। रणबीर ने यह भी कहा कि फिल्म रामायण की शूटिंग से पहले उन्होंने पूरे एक साल तक इन किरदारों को समझने पर काम किया।

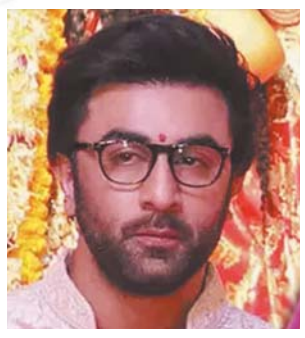

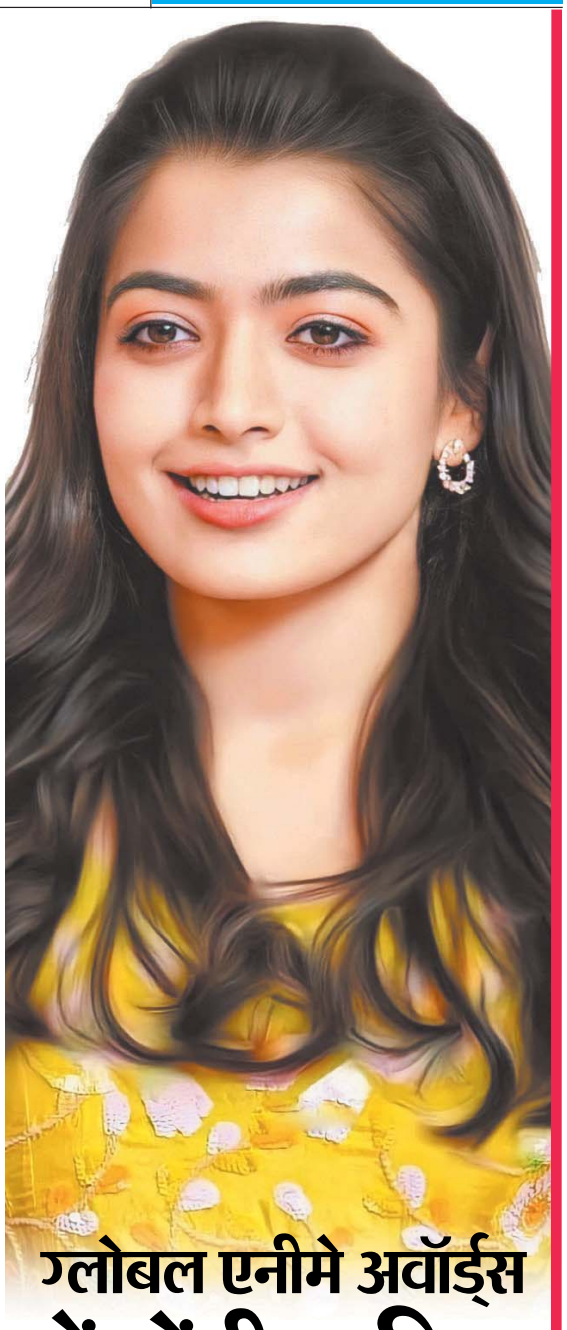

ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में होंगी शामिल

फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से बॉलीवुड और साउथ में अपना नाम कमाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर एक बार फिर इंडिया को प्रस्तुत करने वाली हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना 'एनिमल' और 'पुष्पा' जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। खबर है कि वह इस साल टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। यह बड़ा इवेंट 23 मई को जापान के टोक्यो शहर में आयोजित किया जाएगा। खास बात यह है कि रश्मिका इससे पहले भी 2024 में इस अवॉर्ड शो का हिस्सा रह चुकी हैं और उस समय वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेजेंटर बनी थीं। रश्मिका ने खुद इस खबर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि वह एक बार फिर जापान जाकर एनीमे से जुड़े टैलेंटेड लोगों के साथ इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।

एनीमे लवर्स को साथ लाने वाला प्लेटफॉर्म

बता दें कि एनीमे अवॉर्ड्स दुनियाभर के कलाकारों, क्रिएटर्स और एनीमे लवर्स को एक साथ लाने वाला बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहां बेहतरीन काम को सम्मानित किया जाता है। रश्मिका का एनीमे और जापान से खास कनेक्शन भी रहा है। 2024 में पहली बार जापान जाने का उनका सपना पूरा हुआ था और तब उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के सबसे खास पलों में से एक बताया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका 'रणबाली' और 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी।

आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है

अभिषेक बच्चन के बॉलीवुड करियर को 26 साल हो चुके हैं। अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। लेकिन वह ऐसे परिवार में आते हैं, जहां तीन बड़े नामी स्टार मौजूद हैं। पिता अमिताभ बच्चन सदी के महानायक हैं। मां जया बच्चन एक उम्दा अभिनेत्री रही हैं। वहीं पत्नी ऐश्वर्या विश्व सुंदरी और बॉलीवुड की सबसे हिट एक्ट्रेस में शामिल रही हैं। अक्सर ही अभिषेक बच्चन के करियर की तुलना उनकी पत्नी के करियर से होती है। हाल ही में इस मुद्दे पर अभिषेक ने फिर मन की बात कही है। अभिषेक बच्चन से पूछा गया कि शादी के बाद ज्यादा सफल पार्टनर के साथ रहने पर कुछ लोग असुरक्षित महसूस करते हैं। इस पर अभिषेक कहते हैं, 'मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो सिर्फ इसलिए जीतना चाहता हो क्योंकि किसी और ने हार मान ली। मुझे बचपन से यही सिखाया गया है कि आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है।' वह आगे कहते हैं, 'मेरी सोच ऐसी ही है। मैं किसी ऐसी पार्टनरशिप या शादी में नहीं रहना चाहता हूं, जहां मेरी पत्नी को कोई काम करना इसलिए बंद करना पड़े क्योंकि मुझे खुद को ज्यादा मर्द जैसा महसूस कराना है। शुक्र है कि मेरी पत्नी भी ऐसी ही है, जो इस तरह से नहीं सोचती हैं।'

हॉलीवुड सीरीज में नजर आएंगी सनी लियोनी

सनी लियोनी हाल ही में रिलीज हुई अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस पर पॉजिटिव रिव्यू मिलने के बाद वह हॉलीवुड प्रोजेक्ट की ओर चल पड़ी हैं। इस एक्ट्रेस ने हॉलीवुड सीरीज द जाइंट की कास्ट को जॉइन कर लिया है। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी। प्रोजेक्ट को लेकर सनी लियोनी ने कहा, यह मेरे पहले किए गए काम से बहुत अलग है। उन्होंने आगे कहा पूरी तरह से एक नई दुनिया में कदम रखना मेरे लिए हमेशा एक रोमांचक अनुभव होता है। वह बोलीं मैं इस सफर का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं और इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। इस सीरीज में अभिनेत्री थोड़ा अलग रोल कर रही हैं। सनी लियोनी इसमें रिजर्वेशन शेरिफ क्वानाह डियरलीफ के किरदार में होंगी। सीरीज की कास्टिंग में थोड़ी विविधता है। इसमें लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी अमेरिकी और एशियाई मूल के एक्टर्स शामिल होंगे।

'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं, स्क्रीन का मामला था

पहले अदिवि शेष अभिनीत 'डकैत' फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ रिलीज होने वाली थी। लेकिन इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया। अब 10 अप्रैल को यह फिल्म रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, जिसमें मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में अदिवि शेष ने फिल्म 'धुरंधर 2' से टकराव, स्क्रीन की कमी के अलावा करियर से जुड़ी कई बातें की हैं।

'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं था

फिल्म 'डकैत' की रिलीज टलने के सवाल पर अदिवि शेष साफ कहते हैं, 'जहां तक 'धुरंधर 2' की बात है, मेरे हिसाब से आर्टिस्ट और आर्ट के बीच कोई रेस नहीं होती है। आर्ट की दुनिया में कॉम्पिटिशन नहीं होता है। 19 मार्च की तारीख 'डकैत' के लिए बहुत जरूरी थी, खासकर हिंदी वर्जन के लिए। हमारे लिए जरूरी था कि फिल्म को अच्छा शो और स्क्रीन मिले। इसलिए यह डर का नहीं बल्कि स्क्रीन का फैसला था।' वह आगे कहते हैं, 'जब इंडिया की इतनी बड़ी फिल्म रिलीज होती है तो स्क्रीन मिलना मुश्किल हो जाता है। इसलिए हमने रिलीज को आगे बढ़ाया जिससे तेलुगु और हिंदी दोनों वर्जन को सही स्पेस और बेहतर शो मिल सकें। 'धुरंधर 2' मैंने देखी है और मुझे बहुत पसंद आई। इसमें कोई शक नहीं कि यह इंडिया की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है।'

अक्षय कुमार से खास है कनेक्शन

अदिवि शेष की फिल्म 'डकैत' अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' के साथ रिलीज हो रही है। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं पता कि अक्षय सर के साथ क्या कनेक्शन है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। मेरी फिल्म 'मेजर' भी उनकी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' के साथ क्लैश हुई थी। अब 'भूत बंगला' के साथ 'डकैत' के साथ रिलीज हो रही है। मैं खुश हूं कि किसी न किसी तरह से उनके साथ कनेक्शन बना रहता है।'

साउथ सिनेमा से शुरुआत करने वाले अदिवि शेष अब हिंदी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। इस बदलाव पर वह कहते हैं, 'मुझे लगता है पहले जो दूरी थी, वो अब धीरे-धीरे कम हो रही है। जब लोग एक-दूसरे से कम बात करते हैं तो गैप बढ़ जाता है। लेकिन अब आना-जाना बहुत बढ़ गया है। हिंदी इंडस्ट्री के कई एक्टर्स हैदराबाद आते हैं और हम भी मुंबई-दिल्ली जाते रहते हैं। इस वजह से एक क्लोजनेस आ गई है। मुझे लगता है कि खासकर अगली जनरेशन शायद यह फर्क ही नहीं करेगी कि यह हिंदी फिल्म है या साउथ की है। सबको इंडियन फिल्म्स के तौर पर देखा जाएगा।' एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए वह कहते हैं, 'मैं हाल ही में दिल्ली में था, वहां एक टैक्सी ड्राइवर बता रहा था कि उसने मलयालम फिल्म हिंदी डबिंग में देखी। मेरा खुद का ड्राइवर हिंदी शोज देखता है। इससे साफ है कि जो दूरी पहले थी, वो अब कम हो रही है।'

खुद को 'मेजर' के बाद नहीं दोहराया

बॉलीवुड से मिले ऑफर्स पर अदिवि शेष का जवाब काफी साफ है। वह कहते हैं, 'मुझे 'मेजर' के बाद वॉर फिल्मों के काफी सारे ऑफर्स आए। लेकिन मुझे कहीं न कहीं लगा कि 'मेजर' में संदीप का रोल करने के बाद फिर से वही किरदार करना सही नहीं होगा। मैंने उनके पैरेंट्स से भी वादा किया था। साथ ही यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट था। उसके बाद अगर मैं बार-बार उसी तरह के रोल करता रहता, तो उसका असर कम हो जाता। यही वजह है कि मैंने ऐसे कई ऑफर्स ठुकरा दिए।' अदिवि शेष आगे कहते हैं, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि जो भी काम करूं, उसमें कुछ खास हो। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि प्रोड्यूसर कौन है? डायरेक्टर कौन है? या कितने पैसे मिल रहे हैं? अगर वह चीज मुझे अंदर से टच नहीं करती, तो मैं उसे नहीं करता।'

बॉलीवुड एंट्री को लेकर साफ है नजरिया

बॉलीवुड में एंट्री को लेकर चल रही बहस पर अदिवि शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो किसी भी इंडस्ट्री में एंट्री आसान नहीं होती। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड में भी जाकर देख लीजिए। संघर्ष हर जगह है। पूरे देश में गिने-चुने हीरो होते हैं, उनमें से भी बहुत कम ऐसे होते हैं जिनकी फिल्में सच में बिकती हैं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि यहां तक पहुंच पाया। यह सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री की बात नहीं है। आप किसी भी फील्ड में चले जाइए। हर जगह कॉम्पिटिशन है, हर जगह स्ट्रगल है। यह कहना कि सिर्फ बॉलीवुड में एंट्री मुश्किल है, पूरी तरह सही नहीं है।'

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से ईरान संग युद्धविराम पर की बात : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्तों के युद्धविराम पर सहमति बनी है। इजरायल ने भी इस फैसले का समर्थन किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की थी, जिसके बाद ईरान के साथ युद्धविराम ढांचे पर समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाया। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, 'राष्ट्रपति ने डील पक्की करने के लिए पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। उन्होंने युद्धविराम पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी बात की थी।' यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमलों को रोकने और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने से जुड़ी वार्ताओं के लिए दो सप्ताह का समय देने का निर्णय लिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह दो हफ्ते के लिए हमले रोक देंगे, बशर्ते ईरान इस अहम समुद्री रास्ते को पूरी तरह तुरंत और सुरक्षित तरीके से फिर से खोलने पर सहमत हो जाए। ईरान ने इस रोक को कुछ शर्तों के साथ मंजूरी दी और कहा कि अगर हमले रुक जाते हैं, तो वह भी अपनी गतिविधियां रोक देगा और इस दौरान स्ट्रेट से सीमित और सुरक्षित आवाजाही की इजाजत देगा। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि इजरायल भी दो हफ्ते की इस रोक पर सहमत हो गया है। यह अमेरिका के रुख के मुताबिक ही है, क्योंकि हालात को स्थिर करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस युद्धविराम को सैन्य अभियानों के बाद अपनाई गई एक बड़ी रणनीति का हिस्सा बताया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह अमेरिका की जीत है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और हमारी शानदार सेना ने मुमकिन बनाया है।

ट्रंप के बेटे ने यूरोपीय संघ की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने बोस्निया के दौरे के दौरान यूरोपीय संघ की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप में बहुत सारी उदार और 'वोक' नीतियां निवेश को रोक रही हैं और यह यूरोपीय संघ के पूर्वी और पश्चिमी देशों के बीच बड़े मतभेद पैदा कर रही हैं।ट्रंप जूनियर ने कहा कि पूर्वी यूरोपीय देशों में कामकाजी मानसिकता अब भी बनी हुई है, जबकि पश्चिमी यूरोप राजनीतिक मामलों में भ्रमित है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप की इस स्थिति को सुधारने का तरीका है कि वे अपने रास्ते से हटें।उनका यह दौरा बोस्निया के सेर्ब रिपब्लिका स्र्स्का क्षेत्र में हुआ, जहां के नेताओं ने लंबे समय से अमेरिकी और रूसी नेताओं का समर्थन किया है। यह दौरा वहां की सेर्ब अलगाववादी राजनीति को भी समर्थन देने वाला माना गया।

बांग्लादेश में पहली महिला स्पीकर शर्मिन चौधरी ढाका से गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश संसद की पूर्व और पहली महिला स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी को राजधानी ढाका में गिरफ्तार कर लिया गया है। चौधरी को ढाका महानगर पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने लालबाग पुलिस स्टेशन में जन आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं से संबंधित एक मामले में गिरफ्तार किया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने कहा, उन्हें गिरफ्तार कर कार्यालय लाया गया और गहन पूछताछ की जा रही है। वह कई जगहों पर छिपी हुई थीं और हाल ही में वह धानमंडी में एक रिश्तेदार के घर पर रह रही थीं।

तनाव के बीच चीन पहुंचीं ताइवान की नेता प्रतिपक्ष चेंग ली वुन

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान जलडमरूमध्य में जारी तनाव के बीच ताइवान की नेता प्रतिपक्ष चेंग ली-वुन छह दिवसीय दौर पर मंगलवार को शंघाई (चीन) पहुंचीं। वुन के साथ उनकी बीजिंग समर्थक पार्टी- चीनी कुओमिन्तांग (केएमटी) का एक प्रतिनिधिमंडल भी चीन की यात्रा पर है। इस यात्रा के दौरान वुन राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर जलडमरूमध्य में तनाव कम करने पर चर्चा करेंगी। वुन की चीन यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर है।

इस्लामाबाद वार्ता के लिए पाक जाएंगे जेडी वेंस? स्टीव विटकॉफ, जेरेड कुशनर भी होंगे साथ

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया में चल रहे भारी तनाव और संघर्ष को कम करने की दिशा में एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। बुधवार को पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान को शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद आने का न्योता दिया। यह अहम बैठक शुक्रवार, 10 अप्रैल को होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में शामिल होने के लिए ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, उनके दामाद जेरेड कुशनर और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस्लामाबाद का दौरा कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस फिलहाल हंगरी के दौरे पर हैं और उनके मौजूदा विदेशी दौरे के कार्यक्रम में इस्लामाबाद को भी शामिल किए जाने की संभावना है।

इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया को इस बड़े घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिका, ईरान और उनके सहयोगी देश मौजूदा संघर्ष के बीच तत्काल युद्धविराम के लिए तैयार हो गए हैं। प्रधानमंत्री शरीफ ने अपनी पोस्ट में लिखाः अत्यंत विनम्रता के साथ, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि

इस्लामी गणराज्य ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका, अपने सहयोगियों के साथ, लेबनान और अन्य सभी स्थानों पर तत्काल युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं, जो तुरंत प्रभाव से लागू होगा।

इस्लामाबाद वार्ता' का उद्देश्य : शहबाज शरीफ ने जानकारी दी कि पाकिस्तान ने दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) के प्रतिनिधिमंडलों को 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में आमने-सामने की बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। इस वार्ता का मुख्य लक्ष्य एक निर्णायक समझौते पर पहुंचना और दोनों देशों के बीच सभी विवादों को सुलझाना है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद वार्ता' क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अहम शांति वार्ता में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक उच्च-स्तरीय दल इस्लामाबाद जाएगा। इस दल में शामिल प्रमुख नाम हैंः जेडी वेंसः अमेरिका के उपराष्ट्रपति, स्टीव विटकॉफः राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत, जेरेड कुशनरः वाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार और राष्ट्रपति के दामाद, पाकिस्तान के सरकारी टेलीविजन ने पुष्टि की है कि अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधियों के बीच यह बातचीत आमने-सामने होगी।

ईरान की पहली पसंद बने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस : रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने ट्रंप प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया है कि वे स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ बातचीत के पक्ष में नहीं हैं। सूत्रों के हवाले से सीएनएन ने बताया कि पिछली वार्ताओं के विफल होने और उसके बाद अमेरिका-इजरायल द्वारा की गई सैन्य कार्रवाइयों के कारण ईरान में इन दोनों अमेरिकी अधिकारियों के प्रति विश्वास की भारी कमी है।

इसके विपरीत, ईरान का मानना है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस युद्ध को समाप्त करने के प्रति अधिक सहानुभूति रखते हैं। वेंस के कूटनीतिक रुख को देखते हुए ईरान को लगता है कि उनके नेतृत्व में होने वाली बातचीत अधिक फलदायी और संघर्ष को निर्णायक रूप से खत्म करने वाली साबित हो सकती है।

इससे पहले, फरवरी 2026 में जेनेवा में ओमान की मध्यस्थता में विटकॉफ और कुशनर ने ईरान के साथ अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता की थी। उस समय प्रगति हुई थी, लेकिन उसके दो दिन बाद अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमले कर दिए और सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई नेताओं की हत्या कर दी, जिससे युद्ध शुरू हो गया। ईरान ने इसे धोखा माना और विटकॉफ व कुशनर के साथ आगे बातचीत से इनकार कर दिया।

ईरान को पाई पाई चुकाएगा अमेरिका, जो नुकसान किया उसका देगा मुआवजा

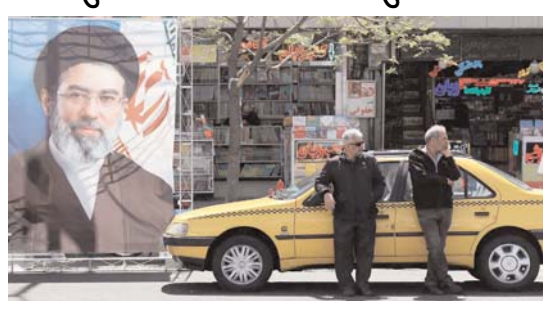

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम का ऐलान हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान से मिले 10 बिंदु बातचीत आगे बढ़ाने का आधार हैं। खबर है कि इसमें ईरान ने एक शर्त यह भी रखी है कि उसे हुए नुकसान का मुआवजा भी दिया जाएगा। सबसे बड़ी राहत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का खुलना मानी जा रही है, जिसपर दुनिया का तेल वितरण टिका हुआ था। सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, जिसमें लेबनान के 'इस्लामिक रेजिस्टेंस' के खिलाफ युद्ध भी शामिल है। ट्रंप ने लिखा, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर से हुई बातचीत के आधार पर, जिसमें उन्होंने मुझसे ईरान पर आज रात होने वाले विनाशकारी हमले को रोकने का अनुरोध किया था। साथ ही ईरान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरा, तत्काल और सुरक्षित तरीके से खोलने के मद्देनजर मैं दो सप्ताह के लिए ईरान पर दो हफ्ते के लिए बमबारी और हमले रोकने के लिए तैयार हो गया हूं।' ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच पिछले विवाद के लगभग सभी बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है, लेकिन दो हफ्तों का संघर्ष विराम समझौते को अंतिम रूप देने और लागू करने में मदद करेगा।' पाकिस्तान ने बुधवार को अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद में वार्ता के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान ने तत्काल संघर्षविराम पर सहमति जताई है। शरीफ ने बताया कि पाकिस्तान ने दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में आमने-सामने बातचीत के लिए आमंत्रित किया है, ताकि 'सभी विवादों का समाधान' निकाला जा सके। एपी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि चीन ने ईरान के नेताओं से बातचीत करके उन्हें अमेरिका से युद्धविराम का रास्ता तलाशने के लिए राजी करने की कोशिश की। दो अधिकारियों ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा कि बातचीत के दौरान चीनी अधिकारी ईरानी अधिकारियों के संपर्क में थे।

ऑस्ट्रेलिया में पूर्व सैनिक पर युद्ध अपराध का केस दर्ज

डरबन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में एक और पूर्व सैनिक पर युद्ध अपराध का केस दर्ज किया गया है। उस पर आरोप है कि उसने 2009 से 2012 के बीच अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान पांच निहत्थे नागरिकों की हत्या की थी। पुलिस ने अभी तक आरोपी के नाम की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उसे जल्द ही सिडनी की एक अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। 47 वर्षीय यह सैनिक अफगानिस्तान अभियान में शामिल होने वाला दूसरा ऑस्ट्रेलियाई पूर्व सैनिक है, जिस पर युद्ध अपराध का आरोप लगा है।

वकील से मिल सकेंगे इमरान खान इस्लामाबाद हाईकोर्ट का आदेश

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अल-कादरी ट्रस्ट मामले में जल्द ही अपने वकील से मिल सकेंगे। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को अधिकारियों को आदेश दिया कि वे खान और उनके अधिवक्ता की मुलाकात का इंतजाम करें। दरअसल, सुनवाई के दौरान अधिवक्ता सलमान सफदर ने कहा कि उन्हें अपने मुवक्किल (खान) से केस के सिलसिले में परामर्श करने की जरूरत है। इस पर मुख्य न्यायाधीश सरफराज डोगर और न्यायमूर्ति मोहम्मद आसिफ की पीठ ने उन्हें इजाजत दे दी।

लेबनान पर लागू नहीं होगा युद्धविराम, शहबाज शरीफ के दावों को नेतन्याहू ने किया खारिज

येरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए कूटनीति का रास्ता खुल चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ हमलों को रोकने के साथ बातचीत के लिए दो सप्ताह के युद्धविराम का एलान किया है। इस्राइल ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले का समर्थन किया है। हालांकि, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ किया है कि यह युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। नेतन्याहू के बयान ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस दावे की पोल खोल दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह युद्धविराम ईरान के साथ ही लेबनान पर भी लागू होगा।

लेबनान पर लागू नहीं होगा युद्धविराम : नेतन्याहू : इस्राइली पीएम ने आगे कहा, ''अमेरिका ने इस्राइल को बताया है कि वह

आगामी वार्ता में अमेरिका, इस्राइल और पश्चिम एशिया के क्षेत्रीय सहयोगियों द्वारा साझा किए गए इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। दो सप्ताह का यह युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। तुरंत होर्मुज खोले ईरान :इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान के खिलाफ दो सप्ताह के लिए हमले निलंबित करने के फैसले का समर्थन करता है, बशर्ते ईरान तुरंत जलडमरूमध्य खोल दे। उन्होंने कहा कि अमेरिका, इस्राइल और क्षेत्र के देशों पर सभी हमले बंद कर दे। उन्होंने कहा कि इस्राइल, अमेरिका द्वारा यह सुनिश्चित करने के प्रयासों का भी समर्थन करता है कि ईरान अब अमेरिका, इस्राइल, ईरान के अरब पड़ोसियों और दुनिया के लिए परमाणु, मिसाइल और आतंकवादी खतरा न बने। शहबाज शरीफ ने किया था क्या दावा? पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा करते हुए कहा था कि ईरान और अमेरिका, अपने सहयोगियों सहित लेबनान और अन्य सभी क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस दूरदर्शी कदम का स्वागत करता हूं और दोनों देशों के नेतृत्व के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। शरीफ ने कहा,''मैं दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 को इस्लामाबाद में सभी विवादों के समाधान के लिए एक निर्णायक समझौते पर आगे की बातचीत के लिए आमंत्रित करता हूं। दोनों पक्षों ने उल्लेखनीय बुद्धिमत्ता और सूझबूझ का प्रदर्शन किया है और शांति एवं स्थिरता के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में रचनात्मक रूप से लगे रहे हैं।

सीजफायर को बाद तेहरान में जश्न का माहौल, खुशी से झूम रही ईरानी अवाम

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट के लिए आज की सुबह एक बड़ी राहत लेकर आई है. अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण जंग पर 40 दिनों के बाद सीजफायर हो गया है. दोनों देशों ने आधिकारिक तौर पर दो हफ्तों के सीजफायर यानी युद्धविराम की घोषणा कर दी है. इस खबर के आते ही तेहरान में लोग इसे अपनी बड़ी जीत मानकर ढोल-नगाड़ों के साथ खुशियां मना रहे हैं.वहीं ईरान से सटे इराक में भी लोग जश्न में डुबे हैं. बगदाद के तहरीर स्क्वायर पर इराकियों का हुजूम जश्न मनाने सड़कों पर उतर आया है.

ईरान की तरफ से दावा किया जा रहा है कि यह अमेरिकी-इजरायली ताकतों के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक जीत है. भारत में मौजूद ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्क' पर इस जीत का संदेश साझा किया है. हालांकि,

दूसरी तरफ वाशिंगटन की तस्वीर बिल्कुल अलग है. ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिका की जीत बता रहे हैं.

पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुआ सीजफायर : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस पूरे घटनाक्रम की बारीकियों को साझा किया है. ट्रंप ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ लंबी बातचीत की. ट्रंप के मुताबिक, पाकिस्तान ने अमेरिका से गुजारिश की थी कि ईरान पर होने वाले उस भीषण हमले को फिलहाल टाल दिया जाए, जो आज रात ही अंजाम दिया जाना था. इसके बाद ट्रंप ने ईरान के सामने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को तुरंत और सुरक्षित तरीके से खोलने की शर्त रखी. ईरान के राजी होने के बाद अब दो हफ्तों के लिए बमबारी और हमले रोक दिए गए हैं. 'हमने 38 दिनों में पूरा किया अपना मिशन' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस युद्धविराम को राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी सेना की एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है. उन्होंने कहा कि युद्ध की शुरुआत में ट्रंप ने अनुमान लगाया था कि यह जंग चार से छह हफ्ते चलेगी और ठीक 38वें दिन अमेरिका ने अपने मुख्य सैन्य उद्देश्यों को न केवल हासिल किया, बल्कि उनसे आगे निकल गया. अब वाशिंगटन का ध्यान 'दीर्घकालिक शांति' की ओर है. क्या अब हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी ईरान अमेरिका की दुश्मनी? युद्धविराम की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी वह '10 सूत्रीय प्रस्ताव' है जो ईरान की तरफ से अमेरिका को भेजा गया है. राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि पुराने विवादों के लगभग सभी बिंदुओं पर दोनों देशों के बीच सहमति बन चुकी है।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने डोनाल्ड ट्रंप से की मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इन दिनों अमेरिका में हैं। मंगलवार रात उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका-भारत संबंधों पर चर्चा की।

गोर ने मुलाकात को बताया यादगार : सर्जियो गोर ने इस मुलाकात को बहुत यादगार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रात्रिभोज का अनुभव शानदार रहा। हमने वैश्विक स्थिरता लाने के उनके अटूट संकल्प, उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की ऐतिहासिक उपलब्धियों, भारत-अमेरिका संबंधों के उज्ज्वल भविष्य और कई अन्य विषयों पर चर्चा की! इतिहास को अपनी आंखों के सामने घटते हुए देखना एक बेहद यादगार शाम थी'

वाणिज्य सचिव से हुई भी मुलाकात : इससे पहले सर्जियो गोर ने अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक से भी मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने के रोडमैप पर बात हुई। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक नए समझौते पर चर्चा की। इसके अलावा, भारतीय दवा कंपनियों के अमेरिका में निवेश को लेकर भी बातचीत हुई। इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और सामान की सप्लाई चेन मजबूत होगी। गोर ने भारतीय कंपनियों को आने वाले समिट में

हिस्सा लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

गोर काश पटेल की तारीफ की : सर्जियो गोर ने एफबीआई के निदेशक काश पटेल से भी मुलाकात की। उन्होंने साइबर अपराध, नशीली दवाओं की तस्करी और अवैध नेटवर्क जैसे अंतरराष्ट्रीय खतरों से निपटने के लिए आपसी सहयोग पर चर्चा की। गोर ने सुरक्षा के मामले में काश पटेल के काम की सराहना की। उन्होंने बताया कि काश पटेल के नेतृत्व में अमेरिका में कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है। साल 2025 में हिंसक अपराधों में गिरफ्तारियां 112 प्रतिशत बढ़ी हैं, जबकि हत्या और लूटपाट की घटनाओं में 20 प्रतिशत की कमी आई है।

सर्जियो गोर ने जेडी वेंस से भी की मुलाकात : अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान सर्जियो गोर ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से भी मुलाकात की। उन्होंने वेंस के साथ भारत और अमेरिका के संबंधों को और बेहतर बनाने पर विचार-विमर्श किया। राजदूत की इन मुलाकातों से साफ है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच सहयोग और गहरा होगा।

ईरान से सीजफायर कर घर में ही घिरे डोनाल्ड ट्रंप, कट्टर समर्थक हो गए नाराज

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को तबाह करने की धमकी देने के बाद अब सीजफायर का ऐलान कर दिया है। इस युद्धविराम के तहत अमेरिका ईरान पर अपने हमले रोक देगा। वहीं दूसरी तरफ ईरान ने कहा है कि उसने दो हफ्ते के लिए सीजफायर पर सहमति जरूर जताई है, लेकिन युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। ऐसे में युद्धविराम को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। इस बीच सीजफायर के ऐलान के बाद डोनाल्ड ट्रंप घर में ही घिर गए हैं। उनके समर्थकों ने खुलकर ट्रंप के इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। रिपब्लिकन पार्टी आपस में भी बंट गई है।

बुधवार को ट्रंप की नीतियों की बड़ी समर्थक रहीं लारा लूमर ने कहा कि इस युद्धविराम से अमेरिका के लिए जीत जैसा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से अमेरिका को कुछ हासिल नहीं हुआ और ईरान के लोग जश्न मना रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'हमें इससे असल में कुछ भी हासिल नहीं हुआ और ईरान में आतंकवादी जश्न मना रहे हैं।

क्या बोलीं लारा लूमर : लारा लूमर ने आगे लिखा, 'मुझे नहीं पता कि लोग ऐसा क्यों बर्ताव कर रहे हैं जैसे यह कोई जीत हो। मुसलमान, वोक राइख और ट्रंप से नफरत करने वाले इस 'समझौते' का इस्तेमाल राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला करने के लिए कर रहे हैं। वे टकर कार्लसन के सहयोगियों की तारीफ कर रहे हैं और राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ 25वें संशोधन का इस्तेमाल करने की मांग कर रहे हैं। यह सीजफायर नाकाम होगा।' लारा लूमर ने कहा कि ट्रंप सही साबित होंगे कि ईरानी शासन को जड़ से मिटाने की जरूरत है, लेकिन फिलहाल ट्रंप गुमराह हो चुके हैं।

समीक्षा की मांग : दूसरी तरफ सीनेटर रिक स्कॉट ने इस युद्धविराम को सही दिशा में उठाया गया कदम बताया। उनका कहना है कि ट्रंप की यह नीति दर्शाती है कि मजबूत नेतृत्व के जरिए शांति की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है, न कि कमजोर नीतियों के जरिए। वहीं रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने इस पूरे मामले को लेकर सावधानी बरतने की बात कही। उन्होंने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि क्या सच है और क्या गलत, इसलिए इस समझौते की गहराई से समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जैसे पहले ईरान से जुड़े समझौतों की जांच की गई थी, वैसे ही इस बार भी संसदीय समीक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि हर पहलू को ठीक से समझा जा सके।

ट्रंप ने किया था ऐलान : इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार देर रात ईरान पर बड़े हमलों की अपनी धमकी से पीछे हटते हुए युद्धविराम की घोषणा की। ट्रंप को तेहरान को समझौते के लिए दी गई तय समयसीमा खत्म होने से लगभग दो घंटे पहले यह ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान दो सप्ताह के संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं, और इस वजह से वह ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों पर हमले की अपनी योजना फिलहाल टाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष विराम में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना भी शामिल है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने कहा है कि उसने संघर्षविराम को स्वीकार कर लिया है और वह शुक्रवार से पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका से बातचीत करेगा। हालांकि, ना तो ईरान और न ही अमेरिका ने यह बताया कि संघर्षविराम कब से लागू होगा। ईरान ने युद्धविराम के लिए एक 10 सूत्री संघर्षविराम योजना भी जारी की है। इस बीच बुधवार सुबह इजरायल, ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हमले जारी रहे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,